रांची, सोमवार
08.06.2026
वर्ष : 11, अंक : 186, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

विपक्षी गठबंधन की बैठक आज, 23 दल होंगे शामिल

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने कहा कि विपक्षी इंडी गठबंधन की 8 जून को नई दिल्ली में होने वाली बैठक में 23 राजनीतिक दलों ने भाग लेने की पुष्टि की है। यह बैठक दोपहर 12 बजे कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में आयोजित की जाएगी। जयराम रमेश ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि इंडी गठबंधन (इंडिया जनबंधन) के कुछ दल अलग-अलग कारणों से इस विशेष बैठक में शामिल होने में असमर्थता जता चुके हैं। हालांकि, उन्होंने भी केंद्र सरकार की उन नीतियों और कार्रवाइयों का विरोध किया है, जो लाखों भारतीयों के मताधिकार को प्रभावित कर रही हैं, संविधान पर हमला कर रही हैं और जांच एजेंसियों के माध्यम से विपक्षी नेताओं को निशाना बना रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नीतियों से करोड़ों लोगों की रोजी-रोटी प्रभावित हो रही है। लगातार बढ़ती महंगाई घरेलू बजट पर असर डाल रही है। साथ ही युवाओं की उम्मीदों और आकांक्षाओं के साथ विश्वासघात हो रहा है। सरकार निवेश के माहौल को कमजोर कर रही है और अपनी विदेश नीति के जरिए राष्ट्रीय हितों से समझौता कर रही है।

ईरानी विदेश मंत्री से मिले पाक गृहमंत्री

तेहरान। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने रविवार को तेहरान में ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों और क्षेत्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। बैठक के दौरान नकवी ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का विशेष संदेश ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई तक पहुंचाया। दोनों नेताओं के बीच हुई वार्ता में ईरान और पाकिस्तान के बीच सहयोग को और मजबूत बनाने के साथ-साथ क्षेत्र में बढ़ते तनाव और सुरक्षा चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया गया। बातचीत का प्रमुख केंद्र ईरान से जुड़े मौजूदा क्षेत्रीय संकट और उसे समाप्त करने के लिए जारी कूटनीतिक प्रयास रहे। पाकिस्तानी पक्ष ने संघर्ष को कम करने और संवाद के माध्यम से समाधान तलाशने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। बैठक में इस बात पर भी चर्चा हुई कि क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने के लिए संबंधित देशों के बीच निरंतर संवाद और सहयोग आवश्यक है। दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और पारस्परिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए संपर्क बनाए रखने तथा संवाद की प्रक्रिया जारी रखने पर सहमति जताई।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिले भूपेश बघेल, राज्यसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर हुई चर्चा

बिभा संवाददाता

रांची। राज्यसभा चुनाव-2026 की तैयारियों को लेकर झारखंड की राजधानी रांची में रविवार को महत्वपूर्ण राजनीतिक गतिविधि देखने को मिली। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस की ओर से राज्यसभा चुनाव के लिए नियुक्त पर्यवेक्षक भूपेश बघेल और अजय शर्मा ने मुख्यमंत्री आवास पहुंचकर हेमंत सोरेन से मुलाकात की। इस दौरान आगामी राज्यसभा चुनाव से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई।

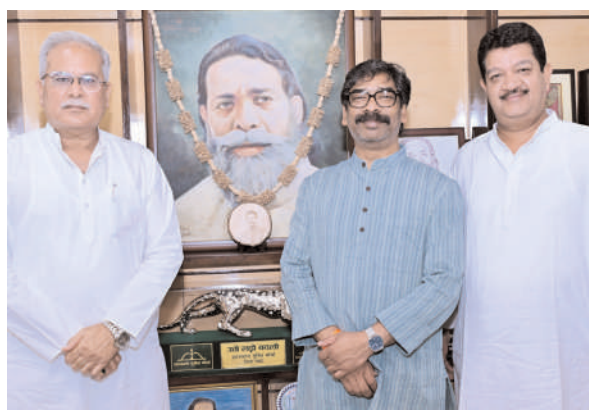

राजनीतिक सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री आवास में हुई इस बैठक में गठबंधन की चुनावी रणनीति, सहयोगी दलों के बीच बेहतर समन्वय और मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों पर गंभीर मंथन हुआ। नेताओं ने राज्यसभा चुनाव में गठबंधन की जीत सुनिश्चित करने के लिए संभावित चुनौतियों और अवसरों पर भी विचार-विमर्श किया।

बैठक के दौरान चुनावी तैयारियों की समीक्षा करते हुए आगे की रणनीति को लेकर कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा हुई। नेताओं ने गठबंधन के सभी घटक दलों के बीच तालमेल को और मजबूत बनाने तथा चुनावी प्रबंधन को प्रभावी बनाने पर जोर दिया। साथ ही राजनीतिक परिस्थितियों के अनुरूप साझा रणनीति तैयार करने पर भी सहमति बनी।

बैठक में चुनावी गणित, विधायकों के बीच समन्वय और संगठनात्मक तैयारियों जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई। राज्यसभा चुनाव को लेकर गठबंधन के भीतर एकजुटता बनाए रखने और सभी सहयोगी दलों को साथ लेकर आगे बढ़ने की रणनीति पर विशेष ध्यान दिया गया।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आगामी राज्यसभा चुनाव को देखते हुए यह मुलाकात काफी महत्वपूर्ण है। बैठक से यह संकेत मिला है कि गठबंधन के दल चुनावी तैयारियों को लेकर सक्रिय हैं और जीत सुनिश्चित करने के लिए अभी से रणनीतिक स्तर पर काम शुरू कर चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने राज्यसभा चुनाव में एकजुट होकर चुनाव प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाने का किया आह्वान

रांची। रांची के कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास में रविवार को मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में राज्यसभा चुनाव-2026 के मद्देनजर सत्तारूढ़ दल के मंत्री और विधायक की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में सत्ताधारी दल के सभी मंत्री और विधायक उपस्थित थे। इस दौरान राज्यसभा चुनाव से संबंधित रणनीति एवं विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में सत्तारूढ़ दल के दोनों राज्यसभा उम्मीदवार भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने सभी जनप्रतिनिधियों से एकजुट होकर चुनाव प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। बैठक में संगठनात्मक समन्वय को मजबूत करने और राज्यसभा चुनाव में सत्तारूढ़ दल के प्रत्याशियों की विजय सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

अहमदाबाद में 28.94 लाख की फर्जी करेंसी बरामद, छह गिरफ्तार

एजेंसी

अहमदाबाद। गुजरात की आर्थिक राजधानी अहमदाबाद में पुलिस ने एक बड़े अंतरराज्यीय नकली नोट के रैकेट का पदार्फाश करते हुए 28.94 लाख रुपये की फर्जी भारतीय मुद्रा बरामद की। इस मामले में छह आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है।

खास बात यह है कि यूपी और राजस्थान तक फैले इस पूरे नेटवर्क का खुलासा किसी आर्थिक अपराध की जांच से नहीं बल्कि एक हत्या के मामले की जांच के दौरान हुआ।

अहमदाबाद शहर पुलिस के जोन-8 के डीसीपी मयूर पाटिल ने शनिवार को मीडिया को बताया कि वटवा पुलिस थाने में दर्ज एक हत्या के मामले की जांच के दौरान पुलिस को नकली नोटों के कारोबार से जुड़े अहम सुराग मिले थे। जांच आगे बढ़ी तो सामने आया कि इस पूरे गिरोह का मास्टरमाइंड इमरान सब्बीर सिंधा था, जिसने वटवा स्थित सतेज होम्स में एक मकान किराए पर लेकर नकली नोट छापने का पूरा सेटअप तैयार किया था।

पुलिस जांच के अनुसार इमरान सिंधा ने मार्च 2026 से कंप्यूटर, कलर प्रिंटर, लैपटॉप और अन्य आधुनिक उपकरणों की मदद से 500-500 रुपये के नकली नोट छापने का काम शुरू किया था। शुरूआती जांच में पता चला है कि गिरोह अब तक लगभग 60 लाख रुपये की फेस वैल्यू वाली नकली नोटें तैयार कर चुका था और उन्हें बाजार में असली नोटों की तरह खपाने का प्रयास कर रहा था।

मामले में उस समय नया मोड़ आया जब मुख्य आरोपित इमरान सिंधा की किसी कारणवश मृत्यु हो गई। उसके बाद गिरोह के अन्य सदस्य पुलिस की पकड़ से बचने के लिए नकली नोटें, प्रिंटिंग मशीनें, लैपटॉप और अन्य उपकरण लेकर विभिन्न राज्यों में फरार हो गए। इसके बाद वटवा पुलिस और लोकल क्राइम ब्रांच (एलसीबी) जोन-8 की अलग-अलग टीमों का गठन किया गया और तकनीकी निगरानी के जरिए आरोपियों की तलाश शुरू की गई।

जांच के दौरान पुलिस को उत्तर प्रदेश के आगरा जिले के महेरा चौधरी गांव में महत्वपूर्ण सुराग मिले। यहां आरोपित चंद्रमोहन शर्मा के घर पर छापा मारकर बड़ी मात्रा में नकली नोटें, लैपटॉप और अन्य सामग्री बरामद की गई। राजस्थान के धौलपुर में आरोपी वीरेंद्र उर्फ वीरू बघेल के एक रिश्तेदार के घर से कलर प्रिंटर और नकली नोट छापने में इस्तेमाल होने वाले अन्य उपकरण जब्त किए गए।

पुलिस ने इस मामले में बिहार निवासी सूरज सहानी (20), रविकुमार शाह (23), उत्तर प्रदेश निवासी वीरू बघेल (25), चंद्रमोहन शर्मा (23), एक किशोर तथा बनासकांठा निवासी मेराज रबारी(49) को गिरफ्तार किया है। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मेराज रबारी की संलिप्तता सामने आने के बाद उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया।

रसोई गैस दर बढ़ाकर जनता को लूट रही है सरकार: खरगे

एजेंसी

नई दिल्ली: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रसोई गैस सिलेंडर के दाम बढ़ाने को लेकर सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा है कि वह अब रसोई गैस के बहाने जनता को लूट रही है और 12 साल में उसने घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 530 रुपये की वृद्धि की है।

श्री खरगे ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि मोदी सरकार ने पिछले चार महीनों में घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दामों में 89 रुपये की बढ़ोतरी की है। संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर 41 देशों से ईंधन विविधीकरण (फ्यूल डाइवर्सिफिकेशन) की बात कही थी, लेकिन इसके बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी एलपीजी की किल्लत बनी हुई है।

उन्होंने सवाल किया कि 2025-26 में उज्ज्वला योजना के 5.56 करोड़ परिवारों ने केवल एक बार या एक भी बार रिफिल नहीं कराया। इनमें से 3.30 करोड़ परिवारों ने तो एक भी सिलेंडर रिफिल नहीं लिया। उन्होंने पूछा कि क्या यह स्थिति सरकार की नीतियों और बढ़ती कीमतों का परिणाम नहीं है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा नेता और श्री मोदी पहले महंगाई के मुद्दे पर यूपीए सरकार को घेरते थे, लेकिन अब घरेलू एलपीजी की कीमतों में लगातार वृद्धि के बावजूद भाजपा के नेता चुप्पी साधे हुए हैं। उन्होंने सवाल किया कि जो नेता पहले महंगाई के विरोध में सिलेंडर लेकर सड़कों पर बैठते थे, वे अब विरोध क्यों नहीं कर रहे हैं।

श्री खरगे ने कहा कि बढ़ती महंगाई और रसोई गैस की ऊंची कीमतों का सबसे अधिक असर गरीब तथा मध्यम वर्गीय परिवारों पर पड़ रहा है और सरकार को इस मुद्दे पर जवाब देना चाहिए।

भारत-इंडोनेशिया संयुक्त आयोग बैठक: विदेश मंत्रियों ने की व्यापक रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने रविवार को नई दिल्ली में इंडोनेशिया के विदेश मंत्री सुगियोनो के साथ 8वीं भारत-इंडोनेशिया संयुक्त आयोग बैठक (जेसीएम) की सह-अध्यक्षता की।

विदेश मंत्रालय के अनुसार दोनों मंत्रियों ने भारत-इंडोनेशिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की। साथ ही, उन्होंने राजनीतिक, रक्षा और सुरक्षा, समुद्री, व्यापार और निवेश, फार्मा और स्वास्थ्य सेवा, डिजिटल, ऊर्जा, कनेक्टिविटी, अंतरिक्ष, शिक्षा, कांसुलर और सांस्कृतिक क्षेत्रों तथा लोगों के बीच आपसी आदान-प्रदान में सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।

मंत्रियों ने इस बात पर गौर किया कि राष्ट्रपति प्राबोवो सुबियांतो और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच हुई बातचीत ने द्विपक्षीय संबंधों को नई गति प्रदान की है।

दोनों पक्षों ने आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान किया और क्षेत्रीय तथा बहुपक्षीय मंचों पर करीबी सहयोग और समन्वय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

मंत्रियों ने द्विपक्षीय संबंधों के बढ़ते और सकारात्मक रुझान का स्वागत किया और निकट भविष्य में आपसी सुविधा के अनुसार अगली संयुक्त आयोग बैठक आयोजित करने पर सहमति व्यक्त की। उल्लेखनीय है कि इंडोनेशिया भारत की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' का एक प्रमुख स्तंभ है। गहरे सभ्यतागत संबंधों पर आधारित, भारत-इंडोनेशिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी सहयोग के स्थापित और नए क्षेत्रों में लगातार मजबूत हो रही है।

मोदी सरकार में दुनिया में बढ़ा भारत का कद, पहले से सुरक्षित और आत्मनिर्भर है भारत : रक्षामंत्री

एजेंसी

लखनऊ : रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि मोदी सरकार आने के बाद से विश्व में भारत का कद बढ़ा है। भारत अब पहले से कहीं ज्यादा सुरक्षित और आत्मनिर्भर है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत को लेकर पहले जो हालात और धाराणा थी वो भी बदल चुकी है। रक्षा मंत्रालय की बात करें तो पहले गोला, बारूद, टैंग समेत अन्य सामान दूसरे देशों से मंगाना पड़ता था, लेकिन आज 75 प्रतिशत से ज्यादा रक्षा सामग्री भारत में बन रही हैं। रक्षामंत्री ने जोर देते हुए कहा कि आज लोग ये मानने लगे हैं कि पीएम मोदी के नेतृत्व भारत बदल चुका है। यह परिवर्तन साफ तौर पर आया है। विश्व इतिहास में ऐसा पहली बार है, जब 8-9 साल के अंतराल में 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला गया। और यह मोदी सरकार में हुआ है।

अपने संसदीय क्षेत्र, यूपी की राजधानी लखनऊ में पत्रकारों से बातचीत करते हुए रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने ये बातें कहीं।

उन्होंने कहा कि, हम लोगों पर जनता का जो विश्वास बना है-उसी का परिणाम है कि आज गंगोत्री से गंगासार और हिमालय से अरब सागर तक हमारी सरकार है। अगर ठीक से काम न किया होता तो नए क्षेत्रों में सरकार नहीं बनती।

शांति समझौते से पहले नहीं हटेंगे ईरान पर प्रतिबंध, अमेरिकी सैनिक भी रहेंगे तैनात:ट्रंप

एजेंसी

न्यू जर्सी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट किया है कि ईरान के साथ किसी भी संभावित शांति समझौते से पहले अमेरिका न तो तेहरान की फ्रीज की हुई संपत्ति जारी करेगा और न ही उस पर लगाए गए प्रतिबंधों में कोई राहत देगा। उन्होंने कहा कि किसी समझौते के सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद ही ऐसे कदमों पर विचार किया जा सकता है।

एक टेलीविजन साक्षात्कार में ट्रंप ने कहा कि यदि ईरान सकारात्मक रवैया अपनाता है और समझौते की दिशा में आगे बढ़ता है, तभी आगे की बातचीत और संभावित रियायतों का रास्ता खुलेगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वह किसी अल्पकालिक समझौते के लिए लेबनान को अनिवार्य शर्त के रूप में शामिल नहीं कर रहे हैं।

ट्रंप प्रशासन पिछले कई सप्ताह से ईरान के साथ संभावित शांति व्यवस्था पर बातचीत की कोशिश कर रहा है। हालांकि राष्ट्रपति ने

संकेत दिया कि कूटनीतिक प्रयासों के साथ-साथ सैन्य विकल्प भी अमेरिकी रणनीति का हिस्सा बने हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि समझौते की दिशा में प्रगति हो रही है, लेकिन जरूरत पड़ने पर अमेरिका कठोर कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगा।

राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी कहा कि ईरान से जुड़े संघर्ष क्षेत्र में मौजूद लगभग 50,000 अमेरिकी सैनिकों को फिलहाल वापस बुलाने की कोई योजना नहीं है। उनके अनुसार, जब तक अभियान अपने निर्धारित उद्देश्यों तक नहीं पहुंच जाता, तब तक सैनिकों की तैनाती जारी रहेगी। ट्रंप ने अमेरिकी सैन्य क्षमता पर भरोसा जताते हुए कहा कि देश के पास दुनिया की सबसे मजबूत रक्षा और आक्रामक सैन्य शक्ति है।

ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई पर टिप्पणी करते हुए ट्रंप ने कहा कि उन्हें लगता है कि वह अपने पूर्ववर्ती की तुलना में अधिक व्यावहारिक और तर्कसंगत हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि हालिया संघर्ष के दौरान घायल होने के बाद खामेनेई सार्वजनिक रूप से दिखाई नहीं दिए हैं। हालांकि उनके ठिकाने के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कोई स्पष्ट जानकारी देने से इनकार किया।

इस बीच अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो सहित प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि हाल के सैन्य घटनाक्रमों के बावजूद अस्थायी युद्धविराम व्यवस्था अब भी प्रभावी है और अमेरिका उसे बनाए रखने के प्रयास जारी रखे हुए है।

विकसित भारत में समाज की होगी बड़ी भूमिका : ओम बिरला

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रविवार को कहा कि भारत आज दुनिया में अवसरों की सबसे बड़ी भूमि के रूप में उभर रहा है। विशाल बाजार, युवा शक्ति और नवाचार की अपार संभावनाओं के बल पर देश विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सामाजिक संगठन, उद्योग जगत, व्यापारी समुदाय और युवा उद्यमी सामूहिक प्रयासों से इस लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। समाज आगे बढ़ेगा तो देश भी आगे बढ़ेगा।

बिरला आज माहेश्वरी इंटरनेशनल बिजनेस फाउंडेशन (एमआईबीएफ) की ओर से आयोजित माहेश्वरी और विकसित भारत-2047 कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस जेके माहेश्वरी, भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के अध्यक्ष संतोष कुमार लोहाटी, एमआईबीएफ के संस्थापक अध्यक्ष प्रशांत माहेश्वरी, दीपक माहेश्वरी, उद्योगपति आनंद राठी, पूर्व सांसद श्याम जाजू सहित तमाम लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष का सम्मान किया गया तथा प्रकाश पांडे द्वारा लिखित कोठारी बंधुओं पर आधारित पुस्तक का लोकार्पण भी किया गया। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि देश के विकास में माहेश्वरी समाज की गौरवशाली विरासत, इतिहास और योगदान महत्वपूर्ण रहा है। समाज ने व्यापार, उद्योग, सेवा और सामाजिक कार्यों के माध्यम से अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। समाज की प्रतिष्ठा से ही व्यक्ति की प्रतिष्ठा बढ़ती है और समाज के संस्कार ही व्यक्ति को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

मांडर सामूहिक दुष्कर्म कांड का पुलिस ने 8 घंटे में किया खुलासा, 9 आरोपी गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

मांडर। मांडर थाना क्षेत्र में हुई सामूहिक दुष्कर्म की गंभीर घटना का खुलासा रांची ग्रामीण पुलिस ने महज आठ घंटे के भीतर कर दिया। खलारी डीएसपी रामनारायण चौधरी के नेतृत्व में गठित विशेष पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक विधि-विरुद्ध किशोर समेत नौ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

जानकारी के अनुसार 6 जून को पीड़िता द्वारा मांडर थाना में सामूहिक दुष्कर्म की शिकायत दर्ज कराई गई थी। मामला दर्ज होते ही ग्रामीण पुलिस अधीक्षक रांची के निर्देश पर खलारी डीएसपी रामनारायण चौधरी के नेतृत्व में विशेष जांच टीम का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी अनुसंधान, गुप्त सूचना संकलन एवं लगातार छापेमारी अभियान चलाकर घटना में शामिल आरोपियों को दबोच लिया।

गिरफ्तार आरोपियों में आयुष उरांव (22 वर्ष), प्रकाश मुंडा उर्फ पापड़ मुंडा (19 वर्ष), रामबुल कुजूर (23 वर्ष), रंजीत उरांव (24 वर्ष), उमेश भगत (23 वर्ष), दीपक उरांव (19 वर्ष), राम उरांव (19 वर्ष) एवं विकास उरांव (23 वर्ष) शामिल हैं। इसके अलावा एक 15 वर्षीय विधि-विरुद्ध किशोर को भी निरुद्ध किया गया है।

पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराकर बेहतर उपचार के लिए सदर अस्पताल रांची भेज दिया है। वहीं गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

इस अभियान में मांडर थाना प्रभारी मनोज कुमार करमाली , चान्हो थाना प्रभारी टिंकू रजक, बेड़ो थाना प्रभारी शुभम कुमार, बुड़मू थाना प्रभारी नवीन कुमार शर्मा सहित कई पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। खलारी डीएसपी रामनारायण चौधरी ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी तथा ऐसे मामलों में दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस मामले के अन्य पहलुओं की भी गहन जांच कर रही है।

सड़क दुर्घटना में तीन युवक गंभीर रूप से घायल, रिम्स रेफर

बिभा संवाददाता

बेड़ो: बेड़ो थाना क्षेत्र के हरिहरपुर जामटोली गांव स्थित सरना स्थल पुल के समीप रविवार की दोपहर लगभग डेढ़ बजे हुए सड़क हादसे में बाइक सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना अज्ञात वाहन की चपेट में आने से हुई।

घायलों की पहचान रांची के ब्राम्बे निवासी 18 वर्षीय आनंद उरांव पिता जॉर्ज उरांव, 17 वर्षीय विवेक उरांव पिता सागर उरांव तथा 17 वर्षीय अंकित सिंह पिता श्यामसुंदर सिंह के रूप में हुई है।

घटना के बाद स्थानीय लोगों और मोहित तिवारी के सहयोग से तीनों घायलों को 108 एम्बुलेंस के माध्यम से बेड़ो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रिम्स, रांची रेफर कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार तीनों युवक बाइक से ब्राम्बे से लतरातू डैम की ओर जा रहे थे। इसी दौरान हरिहरपुर जामटोली के पास अज्ञात वाहन ने बाइक को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

संक्षिप्त खबरें

बागबेड़ा ग्रामीण जलापूर्ति योजना को लेकर एक दिवसीय अनशन आंदोलन 14 को

जमशेदपुर(बिभा): ग्राम विकास संघर्ष समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को यादव क्लब, कीताडीह में पूर्व जिला पार्षद किशोर यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में बागबेड़ा ग्रामीण जलापूर्ति योजना के 11 वर्ष बीत जाने के बाद भी पूर्ण नहीं होने पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। बैठक में बताया गया कि गत 22 मार्च 2026 को पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता सुनील कुमार ने ग्राम विकास संघर्ष समिति के प्रतिनिधिमंडल को जून के प्रथम सप्ताह तक बागबेड़ा ग्रामीण जलापूर्ति योजना को पूर्ण कर जलापूर्ति शुरू कराने का आश्वासन दिया था। लेकिन 7 जून तक भी क्षेत्र में जलापूर्ति शुरू नहीं हो सकी है। समिति के सदस्यों ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में विभाग द्वारा सैकड़ों बार समय-सीमा निर्धारित की गई, लेकिन हर बार वादे अधूरे रह गए। भीषण गर्मी के बीच क्षेत्र के लाखों लोग पेयजल संकट से जूझ रहे हैं और विभाग की लापरवाही अब बर्दाश्त के बाहर हो चुकी है। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि बागबेड़ा ग्रामीण जलापूर्ति योजना पूर्ण होने तक चरणबद्ध आंदोलन चलाया जाएगा। आंदोलन के प्रथम चरण में 14 जून 2026 को टाटानगर स्टेशन चौक पर एक दिवसीय अनशन आयोजित किया जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से नीरज सिंह, श्याम किशोर, पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता, शिवजी सिंह, वार्ड सदस्य भोला यादव, सुरेश निषाद, समाजसेवी मुदता सिंह, डी.एन. सिंह, एस.एल. रावत, सुरेंद्र राय, कमलेश साह, भावनाथ सिंह, गुरमेल सिंह, श्रीराम शर्मा सहित कई लोग उपस्थित थे।

बोदा के बौली सोकरा में पेड़ से लटका मिला किशोर का शव, जांच में जुटी पुलिस

बेड़ो(बिभा)। थाना क्षेत्र के बोदा स्थित बौली सोकरा के पास रविवार शाम एक किशोर का शव कुसुम के पेड़ से फांसी के फंदे पर लटका मिला। मृतक की पहचान महरू गांव निवासी 17 वर्षीय जितवाहान धान उर्फ पिंटू के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र में सनसनी फैल गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। परिजनों के अनुसार पिंटू एक गरीब मजदूर था। वह शनिवार शाम घर से निकला था, जिसके बाद वापस नहीं लौटा। रविवार शाम करीब पांच बजे ग्रामीणों ने उसका शव पेड़ से लटका देखा। इसके बाद बेड़ो थाना पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी कफील अहमद पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे और शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए रांची स्थित रिम्स भेज दिया है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि मामला आत्महत्या का है या इसके पीछे कोई अन्य कारण है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

टंडवा पंचायत से शिक्षा क्रांति की शुरूआत, निशुल्क कोचिंग संस्थान का मार्ग प्रशस्त

खलारी(बिभा)। ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सत्य सनातन सेवा ट्रस्ट द्वारा संचालित भगवान बिरसा मुंडा ज्ञानार्जन मिशन के अंतर्गत टंडवा पंचायत सचिवालय में रविवार को शिक्षकों एवं कर्मियों के चयन हेतु साक्षात्कार का आयोजन किया गया।यह कार्यक्रम दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक चला, जिसमें डेढ़ सौ से अधिक अभ्यर्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।इस अवसर पर टंडवा पंचायत के मुखिया द्वारा पंचायत क्षेत्र में प्रस्तावित निशुल्क कोचिंग संस्थान को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया गया।स्थानीय लोगों ने इसे क्षेत्र में शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल बताया।ट्रस्ट के अध्यक्ष शंकर सिंह चेरो तथा ट्रस्टी अमित राज पाण्डेय ने बताया कि मिशन का उद्देश्य ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के विद्यार्थियों को निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है।उन्होंने कहा कि चयन प्रक्रिया का परिणाम 10 जून को घोषित किया जाएगा, जिसके बाद संस्थान के संचालन की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी।ट्रस्ट पदाधिकारियों ने जानकारी दी कि जून माह के दौरान 100 से अधिक पंचायतों में भगवान बिरसा मुंडा ज्ञानार्जन मिशन के तहत निशुल्क कोचिंग संस्थानों की स्थापना का लक्ष्य रखा गया है।इन संस्थानों में विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं, शैक्षणिक पाठ्यक्रमों तथा करियर मार्गदर्शन से संबंधित सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के बेहतर अवसरों की कमी को देखते हुए इस पहल को स्थानीय युवाओं और अभिभावकों ने सराहा है।लोगों का मानना है कि इस तरह के संस्थान प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को आगे बढ़ने का अवसर देंगे और उन्हें बड़े शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।शिक्षा के क्षेत्र में यह पहल टंडवा पंचायत के लिए एक नई उम्मीद लेकर आई है, जो आने वाले समय में क्षेत्र के युवाओं के भविष्य को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

झारखंड में प्री-मानसून का असर तेज, ठेठईटांगर में 70.3 मिमी बारिश, 11 जून के लिए ऑरेंज अलर्ट

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड में प्री-मानसून गतिविधियां तेज होने लगी हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के विभिन्न हिस्सों में हुई बारिश और बादलों की आवाजाही के कारण लोगों को भीषण गर्मी से काफी राहत मिली है। इस दौरान सिमडेगा जिले के ठेठईटांगर में सर्वाधिक 70.3 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई।

राजधानी रांची सहित राज्य के कई जिलों में दिनभर बादल छाए रहने से तापमान में गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार राज्य में प्री-मानसून सिस्टम सक्रिय हो गया है, जिसके प्रभाव से मौसम का मिजाज बदला है। विभाग का अनुमान है कि आने वाले दिनों में भी राज्य के विभिन्न हिस्सों में इसका असर बना रहेगा।

पिछले 24 घंटों में राज्य का सर्वाधिक तापमान 37.6 डिग्री सेल्सियस डाल्टनगंज में रिकॉर्ड किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 21.9 डिग्री सेल्सियस लातेहार में दर्ज हुआ। मौसम में आए बदलाव के कारण अधिकांश जिलों में गर्मी का प्रभाव कम हुआ है।

मौसम विभाग ने 11 जून के लिए राज्य के उत्तर-पूर्वी तथा निकटवर्ती मध्य भागों में गर्जन, बारिश, वज्रपात और तेज हवाओं की चेतावनी जारी की है। विभाग के अनुसार, इस दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। संभावित मौसमीय गतिविधियों को देखते हुए संबंधित क्षेत्रों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

इसके अलावा राज्य के विभिन्न जिलों में 13 जून तक गर्जन, आकाशीय बिजली और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की आशंका को लेकर भी येलो अलर्ट भी जारी किया गया है। मौसम विभाग ने लोगों से खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने, खुले स्थानों से दूर रहने तथा सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने की सलाह दी है।

रविवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से बादल छाए रहे। हालांकि दोपहर बाद मौसम साफ हो गया, लेकिन विभाग ने शाम के समय गर्जन के साथ हल्की बारिश की संभावना जताई है। बदलते मौसम के कारण राजधानी सहित कई क्षेत्रों में लोगों को तपती गर्मी से राहत महसूस हुई।

राज्य के प्रमुख शहरों में दर्ज तापमान के अनुसार, रांची में अधिकतम 34.9 डिग्री और न्यूनतम 23.5 डिग्री सेल्सियस रहा। जमशेदपुर में अधिकतम 37.2 डिग्री और न्यूनतम 25.4 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 37.6 डिग्री और न्यूनतम 26.7 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 35.5 डिग्री और न्यूनतम 23.6 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम 36.2 डिग्री और न्यूनतम 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि प्री-मानसून गतिविधियों के कारण आगामी दिनों में राज्य के कई हिस्सों में बारिश की संभावना बनी रहेगी। इससे तापमान में और गिरावट आ सकती है तथा लोगों को गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है। साथ ही किसानों के लिए भी यह बारिश खरीफ सीजन की तैयारियों के लिहाज से लाभदायक साबित हो सकती है।

बेड़ो में मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण अभियान के तहत विशेष शिविर आयोजित

बिभा संवाददाता

बेड़ो। विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआरअभियान के तहत रविवार को बेड़ो प्रखंड के विभिन्न गांवों के सभी मतदान केंद्रों पर विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य वर्ष 2003 की मतदाता सूची से छूटे अथवा अनमैप्ड मतदाताओं की पहचान एवं सत्यापन करना था।

शिविर के दौरान सभी मतदान केंद्रों पर संबंधित बीएलओ उपस्थित रहे और मतदाताओं को मैपिंग प्रक्रिया तथा विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की जानकारी दी। बड़ी संख्या में मतदाता अपने-अपने मतदान केंद्रों पर पहुंचे तथा मैपिंग की स्थिति की जानकारी प्राप्त की। नाम, पता अथवा अन्य विवरणों में त्रुटि पाए जाने पर आवश्यक प्रपत्र भी उपलब्ध कराए गए।

सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी राजकुवार सिंह ने वाहन के माध्यम से क्षेत्र का भ्रमण कर लोगों को अभियान की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एसआईआर अभियान के तहत सभी पात्र मतदाताओं का सत्यापन सुनिश्चित किया जा रहा है।

करांजी बूथ संख्या 292 एवं 294 में शांतिपूर्ण ढंग से मैपिंग कार्य संपन्न हुआ। वहीं जराटोली बूथ की बीएलओ शायरा बानो ने बताया कि मतदाताओं की जानकारी का सत्यापन किया जा रहा है और किसी भी पात्र मतदाता को सूची से छूटने नहीं दिया जाएगा।

ब्लॉक सुपरवाइजर संतोष कुमार ने बताया कि सभी बीएलओ को निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्य करने का निर्देश दिया गया है। राजकीय मध्य विद्यालय जरिया स्थित बूथ संख्या 225 एवं 226 में बीएलओ सुमित कुजूर द्वारा मैपिंग कार्य किया गया, जिसमें अंजलि कश्यप ने सक्रिय भूमिका निभाई।

नौकरी बहाली की आस में सरयू राय के दरवाजे पहुंचे एटीएम सुरक्षा गार्ड, पहले खुद किया था आंदोलन

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर: भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के एटीएम केंद्रों पर वर्षों से सुरक्षा गार्ड के रूप में कार्यरत कर्मचारियों का रोजगार संकट गहराता जा रहा है। नई सुरक्षा एजेंसी सीआईएसएस के आने के बाद करीब 140 सुरक्षा गार्डों को बिना स्पष्ट कारण बताए कार्य से हटा दिए जाने का मामला अब राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर चर्चा का विषय बन गया है। रविवार को नौकरी से हटाए गए सुरक्षा गार्डों का एक प्रतिनिधिमंडल असंगठित क्षेत्र मजदूर प्रकोष्ठ के प्रतिनिधि अमित शर्मा के साथ जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय से मिला और अपनी समस्याओं से अवगत कराया। गार्डों ने बताया कि उनमें से कई पिछले 10 से 15 वर्षों से एसबीआई के विभिन्न एटीएम केंद्रों की सुरक्षा में तैनात थे, लेकिन एजेंसी बदलने के बाद अचानक उन्हें काम से अलग कर दिया गया।

सुरक्षा गार्डों ने बताया कि नौकरी जाने के बाद उन्होंने सबसे पहले स्वयं संगठित होकर आंदोलन शुरू किया था। कई दिनों तक धरना-प्रदर्शन और अधिकारियों तक अपनी बात पहुंचाने की कोशिश की गई। बाद में उनके आंदोलन को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और कांग्रेस के नेताओं का भी समर्थन मिला। दोनों दलों के प्रतिनिधियों ने उनकी मांगों का समर्थन करते हुए एजेंसी और बैंक प्रबंधन के समक्ष मामला उठाया, लेकिन इसके बावजूद हटाए गए कर्मचारियों की बहाली नहीं हो सकी। गार्डों का कहना है कि लगातार प्रयासों और राजनीतिक समर्थन के बावजूद जब कोई सकारात्मक परिणाम नहीं निकला तो उन्होंने अब विधायक सरयू राय से हस्तक्षेप की मांग की है। उनका विश्वास है कि विधायक के प्रयासों से एजेंसी और बैंक प्रबंधन के साथ सार्थक बातचीत हो सकेगी।

मामले को गंभीरता से लेते हुए सरयू राय ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि वह संबंधित एजेंसी तथा भारतीय स्टेट बैंक के अधिकारियों से बातचीत कर पूरे मामले की जानकारी लेंगे और कर्मचारियों के हित में समाधान निकालने का प्रयास करेंगे। असंगठित क्षेत्र मजदूर प्रकोष्ठ के प्रतिनिधि अमित शर्मा ने बताया कि विधायक सोमवार को सीआईएसएस एजेंसी के प्रतिनिधि दीपक से भी बातचीत करेंगे। अमित शर्मा ने कहा कि पूर्व में भी सुरक्षा एजेंसियां बदलती रही हैं, लेकिन कर्मचारियों की सेवाएं सामान्य रूप से जारी रहती थीं। इस बार नई एजेंसी के आने के बाद बड़े पैमाने पर छंटनी की गई है और कम वेतन पर नए लोगों की नियुक्ति की जा रही है।

प्रतिभा सम्मान समारोह में मेधावी और प्रतिभाशाली बच्चों का हुआ सम्मान

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। समाज के प्रतिभाशाली, मेधावी और आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रविवार को बिष्टुपुर स्थित धातकीडीह कम्युनिटी सेंटर में जागो संगठन, जागो यूवा विंग एवं टाटा स्टील फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में प्रतिभा सम्मान समारोह-2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न शैक्षणिक और सामाजिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल करने वाले बच्चों एवं समाजसेवियों को सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि को-ऑपरेटिव कॉलेज के प्रोफेसर असलम मल्लिक थे। विशिष्ट अतिथियों में ठक्कर बप्पा मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक पंकज कुमार, सरायकेला स्थित बोस्टोम साई स्कूल की सहायक आचार्या सलमा मुखी, समाजसेवी पुनीता मुखी, सम्भू डुंगरी, लक्ष्मण मुखी, लखिंदर कारुवा, सूरज मुखी, ब्रजेश मुखी और विकास मुखी शामिल रहे। कार्यक्रम की शुरूआत स्वागत भाषण के साथ हुई, जिसे संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष रमेश मुखी ने प्रस्तुत किया।

अपने संबोधन में अतिथियों ने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम बताते हुए विद्यार्थियों से मेहनत, अनुशासन और निरंतर सीखने की भावना बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ऐसे सम्मान समारोह बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं और उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

इस अवसर पर समाज के प्रति उल्लेखनीय योगदान के लिए सलमा मुखी और हेमंत मुखी को मुख्य अतिथि के हाथों समाज रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया। वहीं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर समाज का नाम रोशन करने वाले दस बच्चों को समाज भूषण अवार्डह्व प्रदान किया गया। इसके अलावा वर्ष 2026 की मैट्रिक, इंटरमीडिएट और स्नातक परीक्षाओं में बेहतर अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को ह्वसमाज गौरव अवार्डह्व, प्रमाण पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन रवि मुखी और धीरज मुखी ने संयुक्त रूप से किया। समारोह को सफल बनाने में संगठन के अध्यक्ष सुमंत मुखी, महासचिव जोलेश मुखी, संतोष मुखी, कुमकुम मुखी, मुन्ना मुखी, सावन मुखी, धीरज मुखी, श्रवण मुखी, स्वयंम मुखी सहित अन्य सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। समारोह के दौरान बड़ी संख्या में समाज के लोग, अभिभावक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

वंदे भारत डिपो हादसा में टेक्नीशियन आशीष मांझी की मौत के बाद रेलवे स्टेशन पर धरना, मुआवजा-नौकरी के साथ एफआईआर की मांग

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। टाटानगर रेलवे स्टेशन स्थित वंदे भारत एक्सप्रेस डिपो में करंट लगने से गंभीर रूप से झुलसे टेक्नीशियन आशीष मांझी की मौत के बाद रविवार को परिजनों और स्थानीय लोगों का आक्रोश फूट पड़ा। आशीष की मौत की खबर मिलते ही परिजन, शुभचिंतक और स्थानीय लोग रेलवे स्टेशन पहुंचे तथा मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को स्थायी नौकरी और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए।

परसुडीह निवासी आशीष मांझी 30 मई की रात वंदे भारत ट्रेन की एसी प्रणाली की मरम्मत के दौरान हाई वोल्टेज करंट की चपेट में आ गए थे। गंभीर रूप से झुलसने के बाद उन्हें टाटा मेन हॉस्पिटल (टीएमएच) में भर्ती कराया गया था, जहां कई दिनों तक इलाज के बाद शनिवार शाम उनकी मौत हो गई।

आशीष की मौत के बाद रविवार सुबह परिजन टाटानगर जीआरपी थाना भी पहुंचे और हादसे के लिए जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की। परिजनों ने थाना प्रभारी को लिखित शिकायत सौंपते हुए आरोप लगाया कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी और लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ। उन्होंने मामले में शामिल सभी जिम्मेदार लोगों के खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी की मांग की।

इस बीच, आशीष की ठेका कंपनी अमित इंजीनियर्स द्वारा पहले ही रेल थाना, आरपीएफ और स्थानीय थाना को भेजे गए पत्र में आरोप लगाया गया है कि उचित इलेक्ट्रिकल आइसोलेशन और पावर शटडाउन सुनिश्चित किए बिना कर्मचारी को ट्रेन की छत पर काम करने भेजा गया था। कंपनी ने वंदे भारत इंचार्ज संजीत सिंह, एई संदीप राव, जेई संजू मिंज और फाल्गुनी राव सहित संबंधित अधिकारियों की भूमिका की जांच कर कार्रवाई की मांग की है

फिलहाल आशीष मांझी का शव टीएमएच में रखा गया है। परिजनों ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को नौकरी और दोषियों पर कार्रवाई को लेकर लिखित आश्वासन नहीं मिलता, तब तक वे पोस्टमार्टम प्रक्रिया की अनुमति नहीं देंगे। मृतक के परिजनों का कहना है कि आशीष परिवार के मुख्य कमाऊ सदस्य थे और उनकी असमय मौत से परिवार के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। प्रशासन और रेलवे अधिकारियों द्वारा परिजनों से लगातार वार्ता कर समाधान निकालने की कोशिश की जा रही है।

सीआईएसएफ की बड़ी कार्रवाई, छापेमारी में 1.94 टन अवैध कोयला बरामद

बिभा संवाददाता

खलारी। कोयला चोरी और अवैध तस्करी पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से सीआईएसएफ यूनिट सीसीएल एनके एवं पिपरवार द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में शनिवार सुबह केडीएच न्यू कोल डंप पोस्ट के समीप विशेष छापेमारी अभियान चलाकर 1.940 टन अवैध कोयला बरामद किया गया।सीआईएसएफ की टीम ने गुप्त सूचना और सतर्क निगरानी के आधार पर कार्रवाई करते हुए उक्त कोयले को जब्त किया। बरामद कोयले को केडीएच कांटा घर में तौल कराया गया, जहां उसका वजन 1.940 टन दर्ज किया गया। इसके बाद आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर कोयले को सीसीएल प्रबंधन के हवाले कर दिया गया।यूनिट कमांडेंट अमित कुमार ने कहा कि कोयला चोरी के खिलाफ लगातार चलाए जा रहे अभियानों का सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल रहा है। सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करते हुए खदान क्षेत्र के संवेदनशील स्थलों पर सीआईएसएफ जवानों की नियमित निगरानी जारी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय संपत्ति की सुरक्षा और अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए बल पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है।विशेष अभियान का नेतृत्व निरीक्षक (कार्यपालक) सरोज कुमार साह ने किया। कार्रवाई में उप निरीक्षक बी.बी. मंडल (आसूचना) सहित अन्य सीआईएसएफ कर्मियों की सक्रिय भूमिका रही।

राष्ट्र प्रथम के मंत्र के साथ नितिन नवीन ने झारखंड भाजपा को दिया 2029 का लक्ष्य, संगठन मजबूती पर जोर

बिभा संवाददाता

रांची। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने झारखंड भाजपा के पदाधिकारियों और कार्यकताओं को संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने का मंत्र देते हुए वर्ष 2029 के लक्ष्य को लेकर अभी से तैयारी शुरू करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रदेश टीम का गठन आगामी राजनीतिक चुनौतियों और वर्ष 2029 के लक्ष्य को ध्यान में रखकर किया गया है तथा यही टीम भविष्य के चुनावी अभियान का नेतृत्व करेगी।

नितिन नवीन रविवार को अपने दो दिवसीय झारखंड प्रवास के दूसरे और अंतिम दिन प्रदेश कार्यालय में आयोजित महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में प्रदेश पदाधिकारी, विभिन्न मोर्चों के अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी, प्रदेश मीडिया टीम, प्रवक्ता, सोशल मीडिया और आईटी सेल के सदस्य शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत पार्टी के महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण, दीप प्रज्ज्वलन और वंदे मातरम् के साथ हुई।

बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा झारखंड का मजबूत राजनीतिक आधार रही है और भविष्य में भी रहेगी। उन्होंने कहा कि पिछले चुनावों में अपेक्षित सफलता नहीं मिलने के बावजूद जनता के बीच भाजपा के प्रति विश्वास और समर्थन कायम है। उन्होंने स्वीकार किया कि पार्टी जनता का भरोसा पूरी तरह जीतने में सफल नहीं रही, लेकिन अब निराशा को आशा में बदलने और संगठन को नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाने का समय है।

नितिन नवीन ने कार्यकताओं से बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने, संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने और जनता के बीच निरंतर संपर्क बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा आज विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन है, जिसके करोड़ों सदस्य और लाखों सक्रिय कार्यकर्ता हैं। ऐसे में संगठन की ताकत को और प्रभावी बनाने के लिए कार्यकर्ता और कार्यक्रम दोनों समान रूप से महत्वपूर्ण हैं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रदेश से लेकर मंडल स्तर तक नियमित मासिक बैठकों की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि निचले स्तर के कार्यकताओं से सतत संवाद संगठन की मजबूती का आधार है। उन्होंने शक्तिकेंद्र स्तर की बैठकों में बूथों की कमियों की समीक्षा कर उनके समाधान पर काम करने की बात कही।

भाजपा अध्यक्ष ने सभी मोर्चों का गठन मंडल स्तर तक पूरा करने और प्रत्येक मंडल में कम से कम 100 सक्रिय कार्यकताओं की टीम तैयार करने का लक्ष्य निर्धारित करने का सुझाव दिया। साथ ही जिला अध्यक्षों को निर्देश दिया कि वे पुराने और वरिष्ठ कार्यकताओं को सम्मानपूर्वक संगठन से जोड़े रखें तथा लंबे समय से जुड़े कार्यकताओं की सूची तैयार कर उन्हें पुनः सक्रिय भूमिका में लाएं।

नितिन नवीन ने कहा कि भाजपा में व्यक्ति से अधिक संगठन महत्वपूर्ण है। उन्होंने वरिष्ठ और युवा कार्यकताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर देते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही संगठन मजबूत हो सकता है। उन्होंने जिला और मंडल कोर कमेटियों की नियमित बैठक सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी कार्यालय केवल प्रशासनिक गतिविधियों का केंद्र नहीं होना चाहिए, बल्कि वह संगठनात्मक संवाद, विचार-विमर्श और कार्यकर्ता संपर्क का सक्रिय मंच बने। जिला अध्यक्षों को कार्यालयों को अधिक व्यवस्थित और सक्रिय बनाने की जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया गया।

बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर भी चर्चा हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सभी स्तरों के पदाधिकारियों और कार्यकताओं को इस अभियान को गंभीरता से लेने तथा इसकी नियमित समीक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने शक्तिकेंद्र स्तर तक बैठकें आयोजित कर दैनिक रिपोर्टिंग व्यवस्था विकसित करने पर जोर दिया।

संगठन विस्तार के लिए नियमित प्रवास को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष से लेकर मंडल अध्यक्ष तक सभी पदाधिकारियों को लगातार क्षेत्रीय दौरे करने और प्रत्येक तीन माह पर उसकी रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया। साथ ही विचार परिवार से जुड़े संगठनों और कार्यकताओं के साथ समन्वय बढ़ाने पर भी बल दिया।

नितिन नवीन ने प्रत्येक जिले में 500 प्रमुख प्रबुद्ध नागरिकों की सूची तैयार कर उनके साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका विचार और नेतृत्व है, जिसकी पहुंच बूथ स्तर तक है।

मोदी सरकार ने एलपीजी सिलेंडर महंगा कर जनता की रसोई पर डाला डाका: ऋषीकेश सिंह

बिभा संवाददाता

रांचीः झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी ने घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत में एक बार फिर 29 प्रति 14.2 किलोग्राम सिलेंडर तथा 5 किलोग्राम सिलेंडर पर 10.50 की वृद्धि को आम जनता के साथ क्रूर मजाक बताया है। प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रवक्ता ऋषीकेश सिंह ने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई से पहले ही त्रस्त जनता पर मोदी सरकार ने एक और आर्थिक हमला कर दिया है। रसोई गैस, पेट्रोल, डीजल, खाद्य पदार्थ और रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में लगातार वृद्धि के कारण आम परिवारों का मासिक बजट पूरी तरह चरमरा चुका है, लेकिन केंद्र सरकार को जनता की परेशानियों से कोई लेना-देना नहीं रह गया है।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की प्राथमिकता महंगाई पर नियंत्रण नहीं बल्कि जनता की जेब से अधिक से अधिक पैसा निकालना बन गई है। देश में बेरोजगारी, महंगाई और घटती क्रयशक्ति के बीच आम नागरिक दोहरा बोझ झेल रहा है। एक ओर आय नहीं बढ़ रही है, दूसरी ओर जीवन की हर आवश्यक वस्तु लगातार महंगी होती जा रही है। भाजपा सरकार के दस वर्षों में महंगाई ने हर घर की रसोई और हर परिवार की आर्थिक स्थिति को प्रभावित किया है। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी केंद्र सरकार से मांग करती है कि घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में की गई ताजा वृद्धि को तत्काल वापस लिया जाए तथा आम जनता को राहत देने के लिए रसोई गैस पर सब्सिडी बढ़ाई जाए।

संक्षिप्त खबरें

24 घंटे के भीतर लापता 13 वर्षीय छात्रा बरामद, सदर थाना पुलिस की त्वरित कार्रवाई

रांची(बिभा): रांची के सदर थाना क्षेत्र से लापता हुई 13 वर्षीय छात्रा को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया है. छात्रा अचानक घर से निकल गई थी, जिसके बाद परिजनों ने सदर थाना में इसकी सूचना दी. सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई शुरू की और 7 जून 2026 की सुबह बूटी मोड़ से नाबालिग को सुरक्षित बरामद कर लिया. इसके बाद छात्रा को उसके परिजनों को सौंप दिया गया. सदर थाना पुलिस की तत्परता से परिजनों ने राहत की सांस ली है.

विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर जागरूकता साइकिल रैली का आयोजन

रांची(बिभा) : द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई), रांची शाखा द्वारा विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर एक भव्य साइकिल जागरूकता अभियान एवं साइकिल रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः मोराबादी, रांची से किया गया, जिसमें 50 से अधिक चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एवं सीए विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना तथा प्रदूषण मुक्त परिवहन के प्रति लोगों को जागरूक करना था। रैली में आईसीएआई रांची शाखा के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ विभिन्न सामाजिक एवं खेल संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। प्रतिभागियों ने साइकिल चलाकर हरित एवं स्वस्थ भविष्य का संदेश दिया तथा आम नागरिकों को दैनिक जीवन में साइकिल के उपयोग के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर सीए विवेक खोवाल, उपाध्यक्ष, कछअकरांची शाखा, सीए दिलीप कुमार, सचिव, कछअकरांची शाखा तथा सीए अभिषेक केडिया, कार्यकारिणी समिति सदस्य, आईसीएआई रांची शाखा सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण एवं फिटनेस को अपने जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया।

एफटीएस युवा रांची ने पर्यावरण माह में चलाया वृक्षारोपण अभियान एवं शिक्षा कार्यक्रम

रांची(बिभा): पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक उत्थान के उद्देश्य से एफटीएस युवा रांची ने जून माह में दो विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया। पर्यावरण माह के अवसर पर 5 जून से एफटीएस युवा रांची द्वारा 5 दिवसीय वृक्षारोपण अभियान की शुरूआत की गई। अभियान के तीसरे दिन दयानंद पब्लिक स्कूल और दयानंद नर्सिंग कॉलेज में पौधरोपण किया गया। इस कार्यक्रम में निदेशक श्री एन. के. सिंह ने सक्रिय रूप से भाग लेकर सभी को प्रकृति संरक्षण के लिए प्रेरित किया। 'टीम ग्रीन' भी इस पुनीत कार्य में संस्था के साथ जुड़ी। संस्था के सदस्यों ने बताया कि वृक्षारोपण प्रदूषण कम करने और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कार्यक्रम में अध्यक्ष अभिनव मित्तल, सचिव कंचन कौर, डॉ. सजीत कुमार, श्रृष्टि अग्रवाल, श्रृष्टि, जैतेग, अभय सहित कई सदस्य, छात्र-छात्राएं एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शबरी बस्ती में 'संडे फनडे' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें 35 बच्चों ने गणित, अंग्रेजी और कंप्यूटर की कक्षाओं में उत्साह से भाग लिया। बच्चों ने सुंदर चित्रों और स्केच के माध्यम से पर्यावरण के प्रति अपने विचार रखे और हरित भविष्य के प्रति जागरूकता दिखाई। एफटीएस युवा रांची ने कहा कि बच्चों का उत्साह और उनकी मुस्कान संस्था के हर प्रयास को सार्थक बनाती है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से संस्था का लक्ष्य समाज को पर्यावरण संरक्षण एवं शिक्षा के लिए छोटे-छोटे कदम उठाने हेतु प्रेरित करना है।

रांची में चल रही थी अवैध अल्ट्रासाउंड मशीन, तीन गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रांची। राजधानी रांची के पंडरा में अवैध अल्ट्रासाउंड मशीन का संचालन किया जा रहा था। गुप्?त सूचना के आधार पर रांची उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देश पर 7 जून, 2026 को छापा मारा गया। तीन लोगों को मौके पर पकड़ा गया। जानकारी हो कि रवि स्टील चौक, पंडरा से लगभग 300 मीटर की दूरी पर शराब दुकान के सामने वाली गली में एक अवैध अल्ट्रासाउंड सेंटर चलाया जा रहा था। जिला प्रशासन को इसकी गुप्त सूचना मिली।

इसे लेकर उपायुक्त के निर्देश पर असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी के आदेश छापेमारी की गई। इस दौरान तीन व्यक्तियों को पोर्टेबल यूएसजी मशीन के साथ गर्भवती महिलाओं

का अल्ट्रासाउंड करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। इस दौरान एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट, श्रीमती स्मृति, रातु थाना, पीसी एंड पीएनडीटी के कर्मी एवं सम्बंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

पकड़े गए आरोपियों में सुरंजन कुमार (पिता-पुत्र युधेश्वर प्रसाद), अकाश कुमार (पिता-पुत्र रंभू साहू) और शीला कुमारी (पुत्री-महेन्द्र महतो) शामिल हैं। बिना उचित पंजीकरण के अल्ट्रासाउंड मशीन का संचालन गैर-कानूनी है। यह पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट का सीधा उल्लंघन है। इस एक्ट के अंतर्गत लिंग निर्धारण पूर्णतः प्रतिबंधित है। सैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, राँची ने रातु थाना प्रभारी को पत्र लिखकर उक्त तीनों आरोपियों के विरुद्ध पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट के तहत मामला दर्ज करने और संबंधित साक्ष्यों सहित पूरे मामले पर कोर्ट में दिया जाएगा। इस संबंध में असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, राँची ने कहा कि ₹सरकार की कठोर नीति के अनुरूप राज्य में किसी भी प्रकार के लिंग निर्धारण या अवैध अल्ट्रासाउंड प्रैक्टिस को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जनजातीय बहुल क्षेत्र में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान को मजबूत करने के लिए ऐसी गैर-कानूनी गतिविधियों पर सख्त नजर रखी जा रही है। सिविल सर्जन सदर ने सभी चिकित्सकों, अल्ट्रासाउंड केंद्र संचालकों और संबंधित व्यक्तियों को चेतावनी दी है कि पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, जिसमें मशीन जब्त, लाइसेंस रद्द और जेल की सजा भी शामिल है।

अवैध अड्डाबाजो के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश

बिभा संवाददाता

रांची : अपर पुलिस महानिदेशक के आदेशानुसार एवं वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में रांची के नेतृत्व में रविवार को नवीन पुलिस केन्द्र स्थित यूसी झा हॉल में सभी पीसीआर एवं हाईवे पेट्रोल के पुलिस पदाधिकारी, आरक्षी, चालकों के साथ रॉची जिला में विधि-व्यवस्था संधारण हेतु आवश्यक बैठक किया गया। उक्त बैठक में पी०सी०आर० एवं हाईवे पेट्रोल को रॉची जिला में अपराध नियंत्रण एवं विधि-व्यवस्था संधारण, अवैध अड्डाबाजो के खिलाफ कार्रवाई करने, नशेडियों के खिलाफ सूचना तंत्र मजबूत कर उनके विरूद्ध उचित कार्रवाई करने, डायल-112 के द्वार दिये गये सूचना/निदेशों का त्वरित एवं अल्प अवधि में निष्पादन करने, संवेदनशील स्थानों पर सघन चेकिंग करने, दूसरे पीसीआर वाहनों से समन्वय बनाए रखने, आसूचना संकलन करने, मुख्य संस्थान जैसे बैंक,पेट्रोल पंप,ज्वेलरी की दुकान इत्यादि पर विशेष निगरानी रखने,साथ ही साथ अधिक से अधिक भ्रमणशील रहकर नगर क्षेत्र के सभी चौक चौराहो एवं गलियों में पेट्रोलिंग करने का प्रयास करने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा सभी को ड्यूटी पर तैनात रहने का निर्देश दिया गया और चेतावनी भी दी गई कि किसी तरह की लापरवाही बरतने में पर सख्त से सख्त का कार्रवाई की जाएगी।

मानवता की मिसाल बने मंत्री योगेंद्र प्रसाद, सड़क किनारे घायल मां-बेटे की ऐसे की मदद

बिभा संवाददाता

रांचीः पेयजल एवं स्वच्छता तथा उत्पाद एवं मद्य निषेध मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने आज (7 जून) एक तारीफ का काम किया. मानवीय संवेदनशीलता दिखाते हुए मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने रामगढ़ जाने के कर्म में रास्ते में सड़क हादसे में घायल मां-बेटे की जान बचाई. मिली जानकारी के अनुसार, रामगढ़ जाने के क्रम में चुटुपालू घाटी के पास उन्होंने देखा कि सड़क हादसे में एक महिला और उसका छोटा बच्चा रास्ते के किनारे तड़प रहा है. जिसके बाद उन्होंने अपने काफिले को रोकवाया और उनकी मदद की. मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने अपने गाड़ी से नीचे उतरकर दोनों घायलों की स्थिति देखी. जिसके बाद

मंत्री दोनों घायलों को लेकर सैनी होटल के समीप स्थित आपातकालीन सेवा अस्पताल पहुंचे, जहां उन्होंने डॉक्टरों को तत्काल इलाज शुरू करने का निर्देश दिया.

इस बात की जानकारी मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट फेस्बूक में पोस्ट करके दी. सोशल मीडिया अकाउंट फेस्बूक जानकारी साझा करते हुए मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने लिखा, 'आज रांची से रामगढ़ एक कार्यक्रम में शामिल होने के क्रम में चुटुपालू घाटी में हुई सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल एक महिला एवं उसके छोटे बच्चे को सड़क किनारे दर्द से तड़पता देख मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए तत्काल अपना काफिला रुकवाया. स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बिना विलंब किए दोनों घायलों को स्वयं अपनी गाड़ी से सैनी होटल के समीप स्थित आपातकालीन सेवा अस्पताल पहुंचाकर उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित कराई तथा संबंधित अधिकारियों को बेहतर एवं समुचित इलाज के निर्देश दिया.

डीएसपीएमयू के कुलपति डॉ राजीव मनोहर विश्व के पांच प्रतिशत शीर्षस्थ वैज्ञानिकों की सूची में शामिल

बिभा संवाददाता

रांची : डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची के वर्तमान कुलपति और विज्ञान संकाय के शिक्षाविद डॉ राजीव मनोहर को उनके शोध और अकादमिक उपलब्धियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। उन्हें विश्व के प्रतिष्ठित ग्लोबल साइंटिफिक इंडेक्स की ओर से जारी सूची में विश्व के शीर्ष पांच प्रतिशत वैज्ञानिकों में शामिल किया गया है। गौरतलब है कि ग्लोबल साइंटिफिक इंडेक्स विश्व की एक शीर्ष संस्था है जो शोधकताओं और वैज्ञानिकों के अनुसंधान कार्यों का मूल्यांकन अंतर्राष्ट्रीय मंच पर करती है। यह विभिन्न वैज्ञानिक क्षेत्रों में कार्यरत शोधकताओं की

उपलब्धियों, प्रकाशित शोधपत्रों, अनुसंधान प्रभाव और शैक्षणिक योगदान के आधार पर उन्हें रैंकिंग प्रदान करता है। ज्ञातव्य है कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची के वर्तमान कुलपति डॉ राजीव मनोहर ने तीन माह पूर्व एक कुलपति के तौर पर डीएसपीएमयू में अपने कार्यकाल की शुरूआत की है। इस प्रतिष्ठित सूची में स्थान पाने के उपरांत कुलपति डॉ राजीव मनोहर का यह मानना है कि उनके लंबे और ईमानदार प्रयास को अंतर्राष्ट्रीय मंच के द्वारा सराहा गया, यह उसी का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि इस संस्था के माध्यम से विश्वविद्यालयों, चिकित्सा संस्थानों और शोध संगठनों से जुड़े वैज्ञानिकों के कार्यों का आकलन किया जाता है। उन्होंने कहा कि इस प्रतिष्ठित सम्मान ने उन्हें वर्तमान विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में शोध और वैज्ञानिक कार्यों को और अधिक तत्परता से करने की प्रेरणा दी है, जो शीघ्रभी विश्वविद्यालय के पटल पर दिखेगी। यह जानकारी पीआरओ डॉ राजेश कुमार सिंह ने दी।

झारखंड की शॉर्ट फिल्म नो मोर वॉर को अंतरराष्ट्रीय पहचान, कोलकाता-श्रीलंका फिल्म फेस्टिवल में हुआ चयन

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के फिल्मकारों के लिए गर्व की बात है कि नौरस फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले निर्मित शॉर्ट फिल्म नो मोर वॉर ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। फिल्म का चयन प्रतिष्ठित विवेकानंद इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, कोलकाता और श्रीलंका इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के लिए किया गया है। इस उपलब्धि से राज्य की फिल्म प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और वैश्विक मंच पर नई पहचान मिली है।

फिल्म के लेखक और निर्देशक अमित अक्षत ने रविवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि विवेकानंद इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के तहत फिल्म का प्रदर्शन 21 जून को कोलकाता के साइंस सिटी में आयोजित समारोह के दौरान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी फिल्मकार के

लिए अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में अपनी कृति का चयन होना बड़ी उपलब्धि होती है और यह फिल्म की विषयवस्तु की प्रासंगिकता को भी दशार्ता है।

अमित अक्षत के अनुसार, नो मोर वॉर का मूल उद्देश्य युद्ध, हिंसा और संघर्ष की मानसिकता के विरुद्ध शांति, प्रेम और मानवता का संदेश देना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में यह विषय और भी अधिक प्रासंगिक हो गया है। उन्हें उम्मीद है कि फिल्म का संदेश अंतरराष्ट्रीय मंचों के माध्यम से दुनिया भर के दर्शकों तक पहुंचेगा और लोगों को शांति तथा सह-अस्तित्व के महत्व पर विचार करने के लिए प्रेरित करेगा।

फिल्म की कहानी 10 वर्षीय बालक शुभ के इर्द-गिर्द घूमती है। अपने जन्मदिन के अवसर पर वह समाचारों में युद्ध, हिंसा और मानवीय त्रासदी के दृश्य देखकर मानसिक रूप से विचलित हो जाता है। इसी बीच जब उसके पिता उसे उपहार स्वरूप एक खिलौना बंदूक देते हैं, तो वह उसे स्वीकार करने से इनकार कर देता है। बच्चे की यह प्रतिक्रिया फिल्म के केंद्रीय संदेश को सामने लाती है कि मानव जीवन का उद्देश्य युद्ध और हथियार नहीं, बल्कि प्रेम, भाईचारा, संवेदनशीलता और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व है।

फिल्म अपने सरल लेकिन प्रभावशाली कथानक के माध्यम से दर्शकों को यह सोचने पर मजबूर करती है कि हिंसा और युद्ध का सबसे अधिक प्रभाव आने वाली पीढ़ियों पर पड़ता है। यही कारण है कि फिल्म शांति और मानवीय मूल्यों की वकालत करती नजर आती है।

फिल्म में श्रेष्ठ, मनोज सहाय, मेहुल प्रसाद, संदिपिका रॉय और अवनीश भारद्वाज ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं। कलाकारों के सशक्त अभिनय ने कहानी को प्रभावी ढंग से पर्दे पर उतारने में अहम योगदान दिया है। वहीं नीरज और सुमित की सिनेमैटोग्राफी फिल्म के दृश्य पक्ष को मजबूती प्रदान करती है। सचिन महली ने संगीत और संपादन की जिम्मेदारी संभाली है, जिसने फिल्म को तकनीकी रूप से और अधिक प्रभावशाली बनाया है।

फिल्म के अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों में चयन से झारखंड के स्वतंत्र फिल्म निर्माण क्षेत्र को भी नई ऊर्जा मिली है। फिल्म जगत से जुड़े लोगों का मानना है कि इस तरह की उपलब्धियां राज्य की रचनात्मक प्रतिभाओं को वैश्विक मंच तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

खिजरी विधायक ने मुख्यमंत्री राहत कोष से आठ लाभुकों को चेक सौंपा

बिभा संवाददाता

रांची/नामकुमः खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने अपने आवासीय कार्यालय लुप्पुंगटोली में गंभीर बीमारी से पीड़ित रोगी को मुख्यमंत्री राहत कोष से आठ लाभुकों को चेक सौंपा। आज खिजरी विधानसभा क्षेत्र के लिए एक अत्यंत संतोषजनक और भावुकक्षण रहा। मुख्यमंत्री राहत कोष (अनुदान राहत कोष) के माध्यम से हमारे क्षेत्र के 8 जरूरतमंद और गंभीर बीमारियों से जूझ रहे परिवारों को आर्थिक सहायता राशि आठ चेक सौंप गए। विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि एक जनप्रतिनिधि के रूप में मेरा हमेशा यह प्रयास रहता है कि संकट की घड़ी में कोई भी परिवार खुद को अकेला न समझे। यह सहायता राशि इन परिवारों के इलाज और मुश्किल वक्त में संबल प्रदान करने में मददगार साबित होगी। मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का सहृदय आभार व्यक्त करता हूँ जिनके निरंतर सहयोग से हमारे क्षेत्र के लोगों को त्वरित राहत मिल पा रही है। हमारा संकल्प है–हर चेहरे पर मुस्कान, हर पीड़ित को सम्मान, खिजरी विधानसभा के हर नागरिक के सुख-दुख में मैं हमेशा आपके साथ खड़ा हूँ। जिन आठ लाभुकों को चेक सौंपा गया उसमें कुंदन लकड़ा ग्राम सिंदवारटोली को 50,000, सीमा लकड़ा लोवाडीह को 50,000, आशीष कुमार महतो उलातु को 40,000, प्रभात तिग्गा खेरवाकोचा को 30,000, शफीक आलम सिठियो को 50,000, लेधा हेमरोम महादेव टोली को 50,000, आंदी अहीर, सोगोद को 50,000 एवं राजकिशोर पंडित, टाटीसिलवे को 50,000 खिजरी विधायक के हाथों से ड्रॉप दिया गया। मौके पर लाभुकों के परिवार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

भांजे के रूप में बोकारो पहुंचे भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, मौसी की स्मृति में कराया वृक्षारोपण

बिभा संवाददाता

बोकारोः भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन रविवार को निजी शोक आयोजनों के लिए बोकारो पहुंचे। वे सेक्टर-4 सिटी सेंटर स्थित अपने दिवंगत बड़ी मौसी शोभा रानी लाल के आवास पर पहुंचे, जहाँ उन्होंने श्रद्धांजलि अर्पित की और मौसी की याद में पौधा लगाया।

दिवंगत की प्रतिमा के सामने पहुंचते ही नितिन नवीन भावुक दिखाई दिए। परिवार और मौजूद लोगों के साथ करीब आधे घंटे तक वे सदभावना व्यक्त करते हुए बैठते रहे और मौसी से जुड़ी यादें साझा कीं। उन्होंने बताया कि मौसी का स्नेह हमेशा उन्हें मां जैसा महसूस कराता था। कई बार उनके चेहरे पर मुस्कान आई और कुछ ही क्षणों में आंखें नम भी हो गईं।

श्रद्धांजलि के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नितिन नवीन को फोन आया, जिसमें प्रधानमंत्री ने शोभा रानी लाल के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की। परिवार ने कहा कि प्रधानमंत्री के फोन ने इस दुख की घड़ी में उन्हें सांत्वना दी।

नितिन नवीन ने ₹एक पेड़ मां के नाम₹ अभियान के तहत मौसी की स्मृति में आवास के निकट ही पौधा रोपा और कहा कि इंसान चले जा सकते हैं पर उनकी यादें, संस्कार और प्रेम सदैव जीवित रहते हैं। पौधा रोपने के समय उनकी भावुकता साफ नजर आई और इस दौरान कई परिवारजन भाव-विभोर हो उठे।

श्रद्धांजलि सभा में चित्रांश समाज के लोग बोकारो, बेरमो, धनबाद, हजारीबाग और रांची से पहुंचे।

समाज के वरिष्ठों ने कहा कि नितिन नवीन का निजी शोक में स्थान पर आना रिश्तों की अहमियत की मिसाल है। उन्होंने बिना भाषण दिए और बिना राजनीतिक वक्तव्य के केवल अपने व्यवहार से संवेदनशील संदेश दिया।

बोकारो स्टील प्लांट और ईएसएल स्टील लिमिटेड के कई वरिष्ठ अधिकारी भी श्रद्धांजलि देने पहुंचे। बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन व ईएसएल के जनसंपर्क प्रमुख संजय सिन्हा ने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की। प्रिय रंजन और नितिन नवीन के बीच इस अवसर पर कुछ देर आत्मीय बातचीत भी हुई।

रांची से बोकारो आगमन के दौरान पेटरवार और नया मोड़ सहित विभिन्न स्थानों पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने नितिन नवीन का स्वागत किया। फूल-मालाओं और नारों के बीच भी वे अपने खोए अपनों के दर्द से मुक्त नहीं दिखे और उन्होंने कार्यकर्ताओं से संक्षिप्त रूप से मुलाकात की। पार्टी कार्यकर्ताओं ने बताया कि यह दौरा राजनीतिक नहीं, बल्कि पारिवारिक और भावनात्मक था।

श्रद्धांजलि सभा में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, सांसद ढुलू महतो, विधायक राज सिन्हा, पूर्व सांसद रवींद्र पांडेय, पूर्व विधायक बिरंची नारायण सहित अनेक पार्टी पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। चित्रगुप्त परिवार के कई सदस्य और स्थानीय समाजसेवी भी मौजूद रहे और उन्होंने दिवंगत शोभा रानी लाल के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

जद (यू) बोकारो ने किया नितिन नवीन का अभिनंदन

बिभा संवाददाता

बोकारो : लौहनगरी बोकारो की पावन धरती पर रविवार को नया मोड़ चौक पर लगी आदमकद बिरसा मुंडा प्रतिमा के समक्ष जनता दल (यू) बोकारो इकाई ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय नितिन नवीन जी का भव्य स्वागत किया। पार्टी के जिलाध्यक्ष प्रदीप महतो ने फूलगुच्छ देकर नितिन नवीन का अभिनंदन किया।

कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष राजा पांडेय, जिला कार्यकारी सदस्य सरत रजवार तथा श्री कृष्णा सिंह समेत कई वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी रहीं। आसनसोल जिला ओबीसी मोर्चा के धर्मेंद्र यादव, रवि मंडल, विजेंद्र यादव और राजा यादव के साथ-साथ जनता दल (यू) के समस्त कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे और स्वागत समारोह को ऐतिहासिक स्वरूप दिया।

प्रदीप महतो ने स्वागत के समय कहा कि बिरसा मुंडा जैसे आदिवासी नायक के समक्ष इस प्रकार का आयोजन स्थानीय एकता और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक है। उन्होंने नितिन नवीन का जिक्र करते हुए कहा कि उनका आगमन पार्टी के लिए सम्मान की बात है तथा इससे स्थानीय संगठन को और मजबूती मिलेगी।

आयोजक सूत्रों के अनुसार कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न हुआ। उपस्थित लोगों ने स्वागत के दौरान नारेबाजी और पुष्पवर्षा कर के भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का अभिनंदन किया। कार्यक्रम के अंत में सामाजिक सद्भाव और क्षेत्रीय विकास के लिए एक संक्षिप्त संदेश भी साझा किया गया।

संक्षिप्त खबरें

झुमरा पहाड़ के जंगल में भालू के हमले से बुजुर्ग घायल, इलाज के लिए रिम्स रेफर

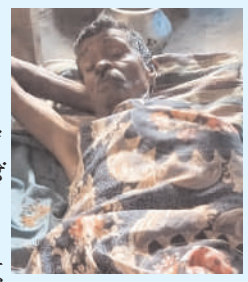

बोकारो (बिभा): झुमरा पहाड़ के घने जंगल में रविवार को भालू के हमले में एक बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान बद्री महतो (उम्र अधिक) के रूप में हुई है। प्रारंभिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर चिकित्सा के लिए सदर अस्पताल, चास ले जाया गया, जहां से उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें रिम्स रांची रेफर कर दिया गया है। रांची में फिलहाल उनका इलाज चल रहा है। घटना के तुरंत बाद गोमिया अस्पताल पहुंचाए जाने पर वहां प्राथमिक उपचार किया गया। प्रशासन व वन विभाग ने स्थिति पर कड़ी नजर रखी हुई है और घायल के परिवार से लगातार संपर्क में हैं। अधिकारि संदीप शिंदे ने बताया कि पीड़ित के उपचार का पूरा खर्च सरकार वहन करेगी। फॉरेस्ट अधिकारी संदीप शिंदे ने स्थानीय लोगों को अलर्ट करते हुए निर्देश दिया है कि अगले कुछ दिनों तक जंगल की ओर न जाएं और सतर्कता बरतें। प्रशासन ने आपात स्थिति से निपटने के लिए अपनी त्वरित प्रतिक्रिया टीम को पूरी तरह सक्रिय रखा है तथा स्थानीय कर्मचारियों के संपर्क नंबर सार्वजनिक कर दिए गए हैं ताकि कोई भी सूचना तुरंत साझा की जा सके। वन विभाग के अनुसार, भालू सामान्यतः घने जंगलों में लौट जाते हैं और अभी तक किसी भी प्रकार के पागलपन (रेबिज) की सूचना नहीं मिली है। इसलिए फिलहाल भालू को पकड़ने की कोई अभियान चलाया नहीं जा रहा है, लेकिन भविष्य में आवश्यकता पड़ने पर उसे पकड़ने के लिए उपयुक्त कदम उठाए जाएंगे। पुलिस व प्रशासन ने ग्रामीणों से अपेक्षा व्यक्त की है कि वे अधिकारियों को किसी भी संदिग्ध गतिविधि या भालू के दिखाई देने की तुरंत सूचना दें ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

डॉ राजेन्द्र प्रसाद स्कूल में किया गया पौधरोपण

बोकारो(बिभा) । विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को डॉ राजेन्द्र प्रसाद पब्लिक स्कूल सेक्टर 9 रानीपोखर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें वन प्रमंडल पदाधिकारी के नर्सरी से छायादार व फलदार पौधा लाकर स्कूल प्रांगण के चारो तरफ बारी बारी से लगाया गया। इस वर्ष पर्यावरण दिवस का थीम अब जलवायु के लिए पर आधारित था। जिसमें आम, जामुन, अमरूद फलदार समेत छायादार पौधा भी लगाया गया। इस अवसर पर स्कूल के प्राचार्य डॉ मुकेश कुमार ने कहा पर्यावरण का संरक्षण केवल एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि इसे हमें अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाना होगा। उन्होंने पर्यावरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा आज की पीढ़ी ही भविष्य में पृथ्वी को हरा-भरा बनाए रख सकती है। उन्होंने कहा पौधारोपण करने से ज्यादा उसे बचाना जरूरी है। इसके लिए छात्रों को अपने घर के आसपास भी कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। मौके पर शिक्षक सुब्रतो सिंह, शिबु कुमार, निशा कुमारी, साक्षी कुमारी आदि शामिल रहे।

चास नगर एवं बोकारो महानगर झारखंड महिला मोर्चा का बैठक सम्पन्न

बोकारो(बिभा) : रविवार को श्री साई पब्लिक स्कूल, चास, वार्ड नं.-29 में चास नगर अध्यक्ष प्रमोद तापडिया के अध्यक्षता में चास नगर एवं बोकारो महानगर झारखंड महिला मोर्चा का बैठक किया गया। इस बैठक में बोकारो महानगर समिति के उपाध्यक्ष संजय केजरीवाल उपस्थित हुए। बैठक में बुथ कमेटी गठन में महिला शक्ति की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जोर दिया गया। बैठक का संचालन चास नगर सचिव भागीरथ शर्मा ने किया तथा बैठक में चास नगर के विभिन्न वार्डों से तथा बोकारो महानगर से सैकड़ों की संख्या में आई हुई महिला समिति के सदस्यों ने बी एल ओ और बूथ कमिटी कमिटी में जुड़ने हेतु अपना आवेदन दिया। इस बैठक में मुख्य रूप से प्रदिप सिन्हा,अनिता देवी, मनु सिन्हा, टोप्पु देवु, गीता देवी, सबिता देवी, गोरी कुमारी, प्रतिभा देवी, राधिका देवी, विशाखा देवी, मरीज देवी, निरु बारला, किरण देवी, मीना देवी,पारवती देवी, रेखा देवी, रवि वाला, रमा कुमारी, कुसूम देवी, प्रिया अग्रवाल, फुलवा देवी, इत्यादि सैकड़ों महिला उपस्थित हुए।

शादी का आंगन बना मातम, बोलेरो पिकअप ने 6 को रौंदा, तीन की मौत, 3 घायल

बिभा संवाददाता

बोकारो : बीते रात दर्दनाक हादसे में बोलेरो पिकअप की जबरदस्त रफ्तार ने एक शादी समारोह को मातम में बदल दिया। कैलूजारा गांव के किशोर बेसरा के घर आयोजित बारात में अनियंत्रित बोलेरो (नंबर जेएच 2 बीडी 5775) आंगन में घुस आई, जिससे छह लोग रौंद गए। हादसे में मौके पर ही तीन की मौत हो गई और तीन गंभीर रूप से घायल हो गए।

मृतकों की पहचान मूर्ति देवी (उम्र अनिवार्यता 35), दशमी देवी (33) तथा तीन साल की मासूम अलीना कुमारी के रूप में की गई है। सभी मृतक बोकारो जिले के पेक नारायणपुर थाना अंतर्गत कोशी गांव निवासी बताए जा रहे हैं। ये सभी शाम करीब 4 बजे शादी में शामिल होने गए थे।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि नरकी की ओर से आ रही बोलेरो अत्यंत तेज और लापरवाह गति से चल रही थी। चालक नियंत्रण खो बैठा और वाहन सड़क से हटकर सीधे बारात के आंगन में जा घुसा। वाहन ने आंगन में बैठे लोगों को रौंदते हुए आगे दीवार से टकरा दिया। मूर्ति देवी, दशमी देवी और मासूम अलीना वाहन के नीचे आकर वहीं दम तोड़ गए।

हादसे में राकेश किस्कू, कान्ति देवी व उषा देवी गंभीर रूप से घायल हुए। स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां से उन्हें बेहतर इलाज के लिए बोकारो रेफर कर दिया गया है। घटना के बाद मृतक मोहन किस्कू ने विष्णुगढ़ थाना प्रभारी को लिखित आवेदन देकर बोलेरो के चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने फिलहाल मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और घटना स्थल का मुआयना किया जा रहा है। प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार वाहन चलाने वाले की तेज रफ्तार व लापरवाही घटना का प्रमुख कारण मानी जा रही है; हालाँकि सटीक वजहों का खुलासा आगे की जांच में होगा।

पुलिस ने घटना को लेकर आसपास के सीसीटीवी फुटेज और गवाहों के बयानों को जुटाना शुरू कर दिया है। स्थानीय प्रशासन व पुलिस द्वारा घायलों के उपचार तथा मृतकों के परिजनों को हर संभव सहायता देने की बात कही गई है।

सीईआईआर पोर्टल के इस्तेमाल से पुलिस ने बरामद किए 46 मोबाइल, हरला थाना में सत्यापन व सुपुर्दगी

बिभा संवाददाता

बोकारो : शहरी थाना क्षेत्रों में लगातार मोबाइल खोने व चोरी की शिकायतों के बीच पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा के निर्देश पर उएक्फ पोर्टल का उपयोग कर तेज कार्रवाई की गई। प्राप्त निर्देश के अनुपालन में हरला, बी.एस. सिटी, सेक्टर-04, सेक्टर-12 एवं सेक्टर-06 थाना द्वारा संयुक्त रूप से कुल 46 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।

पुलिस उपाधीक्षक नगर राजीव रंजन के नेतृत्व में आज हरला थाना में बरामद मोबाइलों की पहचान और सत्यापन कार्य किया गया तथा सभी मोबाइल उनके वास्तविक धारकों को सूचित कर सौंपे जा रहे हैं। ब्रेकअप के मुताबिक हरला थाना ने 20 मोबाइल, सिटी थाना ने 10 मोबाइल, सेक्टर-04 थाना ने 8 मोबाइल, सेक्टर-12 थाना ने 3 मोबाइल और सेक्टर-06 थाना ने 5 मोबाइल बरामद किए।

पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी का मोबाइल खो जाए या चोरी हो तो तुरंत नजदीकी थाना को सूचित करें और सरकार के उएक्फपोर्टल पर जाकर आवश्यक जानकारी भरें। अधिकारियों ने कहा कि उएक्फपोर्टल पर दर्ज विवरण से खोया या चोरी हुआ मोबाइल खोजने में तेजी आती है और यदि खोया हुआ मोबाइल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उपयोग किया जा रहा हो तो उसकी सूचना थाना व आवेदक दोनों को दी जाएगी। पुलिस अधीक्षक के निदेशों के तहत यह अभियान अनवरत जारी रहेगा ताकि मोबाइल चोरी व गुम होने की घटनाओं पर कड़ा नियंत्रण रखा जा सके और प्रभावित लोगों को शीघ्र न्यायोचित सुविधा मिल सके।

राष्ट्र सेविका समिति, झारखंड प्रांत का 15 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर संपन्न

बिभा संवाददाता

बोकारो। राष्ट्र सेविका समिति, झारखंड प्रांत द्वारा सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बोकारो सेक्टर 3 में आयोजित 15 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर का भव्य समापन समारोह रविवार को संपन्न हुआ। इस शिविर में झारखंड के 6 विभाग के 12 जिलों से प्रबोध प्रशिक्षण के लिए पधारीं 45 सेविका बहनों ने भाग लिया।

शिविर का उद्देश्य युवतियों में अनुशासन, शारीरिक सुदृढ़ता, राष्ट्रभक्ति एवं सांस्कृतिक मूल्यों का विकास करना था। प्रतिदिन सेविकाओं ने योग, व्यायाम, बौद्धिक चर्चा, गीत, सेवा कार्य आदि में भाग लिया। इस आवासीय शिविर में सेविकाओं के शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक पक्षों का व्यापक प्रशिक्षण दिया गया।

इस प्रशिक्षण वर्ग में 02 शिक्षिकाएं एवं प्रांत स्तर की 5 अधिकारीगण निरंतर उपस्थित रहीं। शिविर को अखिल भारतीय स्तर की वरिष्ठ अधिकारियों – अखिल भारतीय प्रमुख कार्यवाहिका अन्नदानम सीता गायत्री , अखिल भारतीय सह कार्यवाहिका सुनीता हल्देकर एवं अखिल भारतीय बौद्धिक प्रमुख डॉ .शरद रेनू – का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। क्षेत्र संपर्क प्रमुख पदमा देवी का निरंतर सान्निध्य सेविकाओं को प्राप्त हुआ। समारोह की मुख्य अतिथि स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती ने सेविकाओं के अनुशासन, ऊर्जस्विता और सेवाभाव की सराहना करते हुए कहा, ऐसे शिविर राष्ट्र को कर्तव्यनिष्ठ, चरित्रवान और राष्ट्रभक्त नागरिक प्रदान करते हैं। शिविर में देशभक्ति, नागरिक कर्तव्य, सामाजिक समरसता, स्वदेशी उत्पादों का उपयोग और पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर विचार-विमर्श एवं अभ्यास हुआ। मुख्य शिक्षिका का दायित्व अर्चना ने निभाया। पूरे वर्ग में वर्गाधिकारी के रूप में अनीता प्रसाद उपस्थित रहीं। इस वर्ग की सर्व व्यवस्था प्रमुख अर्चना कुमारी रही।

भाकपा (माले) का मिलन समारोह संपन्न, वरिष्ठ नेता व सैकड़ों कार्यकर्ता हुए शामिल

बिभा संवाददाता

बोकारो। भाकपा (माले) लिबरेशन, बोकारो जिला कमेटी के तत्वावधान में आज सेक्टर-8/बी, स्ट्रीट-27, बोकारो स्टील सिटी में भव्य मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कार्यकताओं, समर्थकों और आम नागरिकों के साथ संवाद स्थापित कर क्षेत्र के विकास संबंधी मुद्दों पर विचार-विमर्श करना बताया गया।

समारोह में निरसा के विधायक कामरेड अरुण चटर्जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। आयोजन की जिम्मेदारी पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता कामरेड राजू दुबे ने संभाली। पार्टी की ओर से जारी आमंत्रण में जिले के कार्यकताओं, समर्थकों, बुद्धिजीवियों, सामाजिक कार्यकताओं तथा आम नागरिकों को अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का अनुरोध किया गया था।

कार्यक्रम में जयंत सिंह, दिलीप तिवारी और देवदीप सिंह दीवाकर सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। पार्टी नेताओं ने कहा कि यह मिलन समारोह संगठन को सुदृढ़ करने तथा धनबाद-बोकारो क्षेत्र के समग्र विकास के लिए साझा संकल्प को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

मौके पर उपस्थित नेताओं एवं कार्यकताओं ने स्थानीय विकास, रोजगार और सामाजिक कल्याण से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की और आगामी योजनाओं को लेकर एकजुटता का संदेश दिया। आयोजकों ने कहा कि भविष्य में भी ऐसे संवादात्मक कार्यक्रम जारी रहेंगे ताकि स्थानीय समस्याओं का समाधान सामूहिक रूप से खोजा जा सके।

दांतू के चार विद्यार्थियों को प्रोजेक्ट के लिए मिला ईको-इनोवेशन अवार्ड

बिभा संवाददाता

बोकारो। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बोकारो इस्पात संयंत्र के पर्यावरण संरक्षण एवं सततता (ईसीएस) विभाग द्वारा पर्यावरण जागरूकता एवं संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विविध कार्यक्रमों एवं अभियानों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों के विजेताओं को बोकारो इस्पात संयंत्र तथा इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स, बोकारो सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में सम्मानित किया गया।

समारोह के दौरान दांतू गांव के चार विद्यार्थियों को सौर ड्रायर (सोलर ड्रायर) के उपयोग पर आधारित उनके अभिनव प्रोजेक्ट के लिए ईको-इनोवेशन अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, संयंत्र, टाउनशिप एवं अस्पतालों से संबंधित विभिन्न नवाचारी परियोजनाओं को भी इस सम्मान के लिए चयनित किया गया। विशेष रूप से ऊर्जा प्रबंधन विभाग द्वारा ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन में कमी लाने हेतु किए गए उल्लेखनीय प्रयासों, अभिनव डिजाइनों तथा सतत विकास आधारित परियोजनाओं की सराहना की गई।

कार्यक्रम के दौरान जलवायु परिवर्तन एवं प्रकृति-आधारित समाधान विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन भी किया गया। वक्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण के लिए लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट (मिशन लाइफ) की आवश्यकता एवं प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए इस क्षेत्र में संचालित विभिन्न पहलों एवं प्रयासों की विस्तृत जानकारी साझा की। साथ ही, एक टिकाऊ, पर्यावरण-अनुकूल एवं संतुलित समाज के निर्माण में अभियंताओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इस आयोजन के माध्यम से प्रतिभागियों को पर्यावरण संरक्षण, संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग, नवीकरणीय प्रौद्योगिकियों तथा सतत विकास की अवधारणाओं के प्रति जागरूक एवं प्रेरित किया गया।

अंडर-23 झारखंड कुश्ती प्रतियोगिता का आगाज, 175 खिलाड़ियों ने लिया भाग

बिभा संवाददाता

बोकारो। सेक्टर-2ए स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर परिसर में रविवार को अंडर-23 झारखंड राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। राज्य के विभिन्न जिलों से आए करीब 175 पुरुष व महिला खिलाड़ियों ने भाग लिया। यह प्रतियोगिता राष्ट्रीय स्तर के चयन के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

मुख्य अतिथि अनुपमा सिंह एवं डिप्टी मेयर पूजा कुमारी ने दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। अनुपमा सिंह ने कहा कि ऐसे आयोजन खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाते हैं, वहीं पूजा कुमारी ने इसे प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का बेहतर मंच बताया।

बोकारो जिला कुश्ती संघ के अध्यक्ष धर्मवीर सिंह ने स्थायी कुश्ती मैट की मांग उठाते हुए इस खेल को और सुविधाएं देने की आवश्यकता बताई।

कार्यक्रम में बबलू कुमार, संजीव कुमार झा, अजीत भगत, रामकृष्ण तिवारी, राजू कुमार, मृत्युंजय नाथ चौधरी व अभय प्रजापति सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के रामगढ़ में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का भव्य स्वागत

बिभा संवाददाता

रामगढ़ः भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के दो दिवसीय झारखंड प्रवास के क्रम में रविवार की अहले सुबह रांची से बोकारो जाने के क्रम में रामगढ़ जिला पूरी तरह भाजपाई रंग में सराबोर नजर आया। जिले की सीमा में प्रवेश करते ही पार्टी कार्यकताओं ने अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष का ऐतिहासिक और बेहद जोरदार स्वागत किया। इस दौरान उनके साथ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू और हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल भी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

स्वागत कार्यक्रम की शुरूआत रामगढ़ के कोठार स्थित शहीद निर्मल महतो चौक से हुई। यहाँ सैकड़ों की संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू का पारंपरिक झारखंडी संस्कृति के अनुसार ढोल-नगाड़ों, मनमोहक नृत्य और फूलों की भारी वर्षा कर अभिनंदन किया। इसके बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन सहित अन्य नेताओं ने वीर शहीद निर्मल महतो की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। चौक पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कार्यकताओं से आत्मीय मुलाकात की, जहाँ उन्हें गुलदस्ता और अंग- वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस मौके पर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने शहीद निर्मल महतो चौक पर राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का विधिवत रूप से स्वागत किया। सांसद मनीष जायसवाल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को एक विशेष तस्वीर और मोमेंटो प्रदान कर उनका अभिनंदन किया।

शहीद निर्मल महतो चौक के बाद काफिला छतर मांडू पहुँचा, जहाँ दुर्गा मंदिर के सामने कार्यकताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का एक बार फिर भव्य स्वागत किया। यहाँ भी नेताओं पर जमकर फूल बरसाए गए और बुके देकर उनका स्वागत किया गया।

मौके पर सांसद मनीष जायसवाल ने बताया कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के धरा रामगढ़ में कदम पड़ना हमारे लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के इस दौरे और रामगढ़ में उनके स्वागत में उमड़ा अभूतपूर्व सैलाब से निश्चित रूप से स्थानीय कार्यकताओं में नया उत्साह और ऊर्जा दिखा एवं आगामी सांगठनिक गतिविधियों को और मजबूती मिलेगी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष के इस स्वागत समारोह में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकताओं का हुजूम उमड़ पड़ा। विशेषरूप से बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोशन लाल चौधरी, भाजपा जिला अध्यक्ष संजीव कुमार बावला, वरिष्ठ नेता रणंजय कुमार उर्फ कुंटू बाबू सहित भारी संख्या में स्थानीय ग्रामीण और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नहाने के क्रम नदी में डूबने से 12 वर्षीय बच्चे की मौत

बिभा संवाददाता

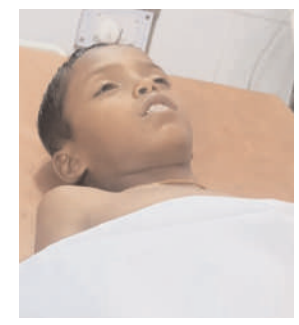

लातेहार/चंदवा। चंदवा देवनद दामोदर नदी में नहा रहे बच्चे की डूबने से मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार प्रिंस कुमार उम्र 12 वर्ष पिता महेंद्र रजवार ग्राम नगरउटारी पलामू का रहने वाला है। प्रिंस कुमार गर्मी की छुट्टी में अपने नाना नानी के घर चंदवा प्रखंड के जमीरा पंचायत के रोल गांव में मानमती देवी के घर आया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रिंस कुमार अपने कुछ दोस्तों के साथ पास के ही नदी में नहाने के लिए गया था। जहां प्रिंस कुमार का नदी में नहाने को दौरान डूब गया। बताते चले कि प्रिंस कुमार अपने दोस्तो के साथ नहा रहे थे। नहाते नहाते लोग हल्ला करने लगे ऐसा देखा आसपास के लोग नदी किनारे बच्चों को डूबते हुए देखे परंतु बच्चा पूरी तरह डूब गया था और ग्रामीणों की मदद से ही उसे नदी के गहरा पानी से निकाला गया और चंदवा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लाया गया। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिजनों को सूचना दी गई। सूचना के बाद पलामू तथा चंदवा रोल के रहने वाले परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। इधरघटना की सूचना मिलने के बाद विधायक स्वास्थ्य प्रतिनिधि विजय कुमार दुबे ने चंदवा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे और मोक्ष वाहन की व्यवस्था कराई। वही कहा कि आपदा प्रबंधन विभाग से 4लाख की भी मुआवजा परिजनों को दिलाऊंगा। इधर रोल निवासी डब्लू कुमार प्रजापति ने बतलाया कि परिजन दोनों तरफ से आ रहे हैं आने के बाद मृत बच्चे का पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा। इधर घटना के बाद पूरे ग्रामीण क्षेत्रों में की चर्चा जोरों पर है सभी बच्चे इस घटना के बाद डरे सहमे हुए हैं।

संक्षिप्त खबरें

इनर व्हील क्लब ऑफ युवा हजारीबाग की नई कार्यकारिणी का गठन, सुधा वर्मा बनी अध्यक्ष

हजारीबाग(बिभा): इनर व्हील क्लब ऑफ युवा हजारीबाग की आयोजित बैठक में सभी सदस्यों की सहमति एवं सर्वसम्मति से वर्ष 2026-27 के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। क्लब की वरिष्ठ एवं सक्रिय सदस्य सुधा वर्मा को अध्यक्ष , अन्नू अग्रवाल को सचिव तथा पूजा खंडेलवाल को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक के दौरान क्लब की सभी सदस्यों ने नव-निर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। सदस्यों ने विश्वास जताया कि नई टीम के नेतृत्व में क्लब सामाजिक सेवा, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और जरूरतमंदों की सहायता से जुड़े कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाएगा !नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुधा वर्मा ने अपनी नियुक्ति पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह पद केवल सम्मान नहीं बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने क्लब की सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जिस विश्वास के साथ उन्हें यह दायित्व सौंपा गया है, उस पर खरा उतरने का हर संभव प्रयास करेंगी।

शहीद विद्यानंद सिंह की 27वीं पुण्यतिथि श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई

हजारीबाग (बिभा): शहीद विद्यानंद सिंह की 27वीं पुण्यतिथि श्रद्धा, सम्मान और देशभक्ति के भाव के साथ मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गणमान्य लोग, सामाजिक कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि, परिजन एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित हुए। सभी ने शहीद विद्यानंद सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके बलिदान को याद किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि शहीद विद्यानंद सिंह ने राष्ट्र की रक्षा और समाज के लिए अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया था। उनका जीवन युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। देश और समाज के प्रति उनकी निष्ठा, साहस और समर्पण की भावना आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करती रहेगी वक्ताओं ने कहा कि शहीद कभी मरते नहीं हैं, बल्कि अपने आदर्शों और बलिदान के माध्यम से समाज के दिलों में सदैव जीवित रहते हैं। शहीद विद्यानंद सिंह का योगदान क्षेत्र एवं देश के लिए अमूल्य है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता !इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने शहीद के बताए मार्ग पर चलने तथा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान दो मिनट का मौन रखकर शहीद की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। पुण्यतिथि समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। उपस्थित लोगों ने कहा कि शहीदों के बलिदान को याद रखना और नई पीढ़ी तक उनकी गौरवगाथा पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। शहीद विद्यानंद सिंह की 27वीं पुण्यतिथि पर पूरे क्षेत्र में उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया गया

मटवारी कुम्हार टोली में 13 जून से होगा पांच दिवसीय शिव परिवार प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन

हजारीबाग(बिभा): हजारीबाग वार्ड संख्या 8 सनातन मंडल परिवार, मटवारी के तत्वावधान में मटवारी कुम्हार टोली स्थित दुर्गा स्थान में 13 जून से 17 जून 2026 तक पांच दिवसीय भव्य शिव परिवार प्राण-प्रतिष्ठा सह शिव पुराण मूल कथा-प्रवचन का आयोजन किया जाएगा। आयोजन समिति ने जिले भर के श्रद्धालुओं से सपरिवार शामिल होने की अपील की है !आयोजकों ने बताया कि यह सभी धार्मिक अनुष्ठान बनारस के आचार्यों द्वारा संपन्न कराए जाएंगे। प्रतिदिन आरती के बाद भोग-प्रसाद का वितरण किया जाएगा व 17 जून को भव्य भंडारा का आयोजन किया गया है !इसी बीच दिन रविवार को रांची से शिव परिवार की मूर्तियों को मोहल्ले में लाया गया। शिव परिवार का गाजे बाजे के साथ धूमधाम से स्वागत किया गया इस बीच सैकड़ो की संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालु झूमते नजर आए। मटवारी कुम्हार टोली में होने वाले भव्य शिव परिवार पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा के प्रथम दिन 13 जून दिन शनिवार को भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी इस दिन प्रायश्चित कर्म, पंचांग पूजन, कलशयात्रा, शिवपुराण मूल वचन कथा प्रारंभ, महामृत्युंजय जाप, जलाधिवास आदि संपन्न होगा। 14 जून दिन, रविवार को दैनिक वेदी, फलाधिवास, पुष्पाधिवास, अन्नाधिवास, शिव पुराण कथा प्रवचन, 15 जून दिन सोमवार को घृताधिवास, वस्त्राधिवास, गंधाधिवास, शिवपुराण कथा प्रवचन, 16 जून दिन मंगलवार को नगर भ्रमण, व्यायनूतन, 108 कलशों द्वारा मूर्तियों का स्नापन, शिव पुराण कथा प्रवचन तथा अंतिम दिन 17 जून बुधवार को गौरी सामिध्य शिववास, वेदी-ब्राह्मण पूजन, प्राण प्रतिष्ठा, स्थिर महापूजा, रुद्राभिषेक, हवन, मूलपाठ प्रवचन, महामृत्युंजय जाप, विप्रभोज, पूणार्हुति, कुमारी-बटुक पूजनभोज, सन्यासी व ब्राह्मण भोजन, विसर्जन व भव्य भंडारे का आयोजन होगा !सनातन मंडल परिवार, मटवारी ने क्षेत्र के सभी धर्मप्रेमी जनता से इस धार्मिक अनुष्ठान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आग्रह किया है।

चंदवा-चांपी मार्ग पर भीषण सड़क हादसा, केबिन में फंसे तीन लोगों को रेस्क्यू कर निकाला गया, रेफर

युवा समाजसेवी नौशाद अंसारी बने फरिश्ता, पलटे ट्रक में फंसे तीन लोगों को सुरक्षित निकाल बचाई जान

कमलेश कुमार गुप्ता

लातेहार। चंदवा थाना क्षेत्र के लुकिया मोड़ से लोहरदगा रोड स्थित चांपी पथ पर लोहे की प्लेट लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में चालक समेत तीन लोग ट्रक के केबिन में बुरी तरह फंस गए। सूचना मिलते ही युवा समाजसेवी सह झारखंड मुक्ति मोर्चा लातेहार अल्पसंख्यक उपाध्यक्ष मोहम्मद नौशाद आलम (नौशाद अंसारी) मौके पर पहुंचे और तत्काल गैस कटर की व्यवस्था कर रेस्क्यू अभियान शुरू कराया।घटना की जानकारी मिलते ही चंदवा थाना प्रभारी अशोक सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य में जुट गए। कई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद ट्रक के क्षतिग्रस्त केबिन को काटकर चालक, खलासी समेत तीन लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।घायल चालक धर्मेंद्र कुमार (23 वर्ष), पिता उदय यादव, ग्राम जबड़ा, जिला चतरा ने बताया कि वह राउरकेला से लोहे की प्लेट लेकर आ रहा था। चांपी घाटी में अचानक वाहन का संतुलन बिगड़ गया और ट्रक सड़क किनारे पलट गया। हादसे के समय ट्रक में सवार रामधारी यादव (40 वर्ष), पिता जगदेव यादव, इटखोरी (चतरा) तथा सत्येंद्र यादव (22 वर्ष), पिता महावीर यादव, छतरपुर (पलामू) भी गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों ने रास्ते में ट्रक से लिफ्ट ली थी।

रेस्क्यू के बाद तीनों घायलों को तत्काल चंदवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रिम्स, रांची रेफर कर दिया गया।बचाव अभियान में मोहम्मद नौशाद आलम, शमशाद आलम, इरशाद, दिलशाद, अंकित, राजेश, आर्यन पांडेय, अभिषेक समेत कई स्थानीय युवाओं ने सक्रिय भूमिका निभाई। वहीं चंदवा पुलिस की तत्परता और स्थानीय लोगों के सहयोग से एक बड़ा हादसा टल गया।

बिना स्वीकृत मानचित्र वाले भवनों को वैध कराने का सुनहरा अवसर, 25 जून तक करें आवेदन : नगर आयुक्त

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : नगर निगम हजारीबाग क्षेत्र के नागरिकों के लिए राहत भरी खबर है। झारखंड भवन नियमितीकरण योजना-2026 के तहत बिना स्वीकृत मानचित्र के निर्मित भवनों को वैधानिक मान्यता दिलाने की प्रक्रिया जारी है। नगर आयुक्त ने शहरवासियों से अपील की है कि वे अपनी संपत्ति को कानूनी रूप से सुरक्षित करने के लिए 25 जून 2026 से पहले आवेदन की प्रक्रिया पूरी कर लें। नगर निगम के अनुसार, जिन भवनों का निर्माण बिना स्वीकृत मानचित्र के किया गया है, उन्हें योजना के तहत नियमित कराया जा सकता है। इसके लिए आवेदक अपने निकट के मान्यता प्राप्त वास्तुकार या अभियंता (लाइसेंस प्राप्त तकनीकी विशेषज्ञ) की सहायता से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। नगर आयुक्त ओम प्रकाश गुप्ता ने कहा कि यह नागरिकों के लिए अपनी संपत्ति को वैध कराने का महत्वपूर्ण और अंतिम अवसर है। उन्होंने सभी सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों एवं जागरूक नागरिकों से इस जानकारी को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने की अपील की है, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति इस योजना के लाभ से वंचित न रहे। नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन करने वाले नागरिक ही इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकेंगे। इसलिए सभी भवन स्वामियों से समय रहते आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने का आग्रह किया गया है।

14 से 20 जून तक सभी प्रखंडों में लगेगा सात दिवसीय योग शिविर : रामजीवन पांडे

बिभा संवाददाता

रामगढ़. पतंजलि योग समिति, भारत स्वाभिमान के जिला संयोजक प्रमोद लाल की अध्यक्षता में मासिक बैठक जिला कार्यालय रामगढ में की गयी. बैठक में मुख्य रूप से भारत स्वाभिमान के प्रदेश प्रभारी रामजीवन पांडे मौजूद थे. इस बैठक में 21 जून 2026 अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को मनाने को लेकर विस्तार से चर्चा किया गया. बैठक को संबोधित करते हुये प्रदेश प्रभारी श्री पांडे ने कहा कि योग गुरू स्वामी रामदेव के नेतृत्व में योग की डंका पूरे विश्व में फैल रहा है. हमें योग की प्राचीनतम विद्या को हर घर तक पहुंचाना है. ताकि इस अलौकिक विद्या को अनुशरण कर लोग तन व मन से स्वस्थ्य हो सके. कहा कि जिला के सभी नियमित योग कक्षा वाले स्थल व सभी प्रखंडों में एक सात दिवसीय योग शिविर लगाना है. कहा के योग दिवस को लेकर 20 जून को जिला में योग जागरण यात्रा सह प्रभात फेरी निकाला जायेगा. इसमें अधिक से अधिक संख्या में कार्यकताओं की भागीदारी सुनिश्चित करना है. जो कि हम सभी जिम्मेवारी है. 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस प्रखंड व जिला स्तर पर मनाया जायेगा. बैठक में सर्वसम्मति से योग शिविर के माध्यम से पूरे जिला में जागरूकता अभियान चलाने व इसका अनुपालन जिला के सभी योग शिक्षक को करने का भी निर्णय लिया गया. इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से पतंजलि योग समिति प्रभारी वासुदेव कुमार, संगठन प्रभारी रामकिशोर, जिला कोषाध्यक्ष रजनीकांत, जिला महामंत्री महेश धोबी, जिला कार्यालय प्रभारी महेंद्र सोनी, जिला महिला महामंत्री लीलावती, जिला सोशल मीडिया प्रभारी संजय शुक्ला, रीता मानसता, चितरपूर प्रखंड प्रभारी प्रमोद, झलकू महतो, विजय गुप्ता, नरेश कुमार कर्ण, रामकुमार करमाली, विकास कुमार मुख्य रूप से मौजूद थे।

पूर्व प्रत्याशी मुन्ना सिंह अनसार नगर प्रीमियर लीग (सीजन-2) में हुए शामिल, विजेता व उपविजेता टीमों को किया सम्मानित

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग जिले के अनसार नगर, पगमिल (रोड नंबर-02) स्थित खेल मैदान में आयोजित अनसार नगर प्रीमियर लीग (सीजन-2) का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह शनिवार देर रात सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। पूरे कार्यक्रम के दौरान स्थानीय स्तर पर उत्साह और सहभागिता देखने को मिली। कार्यक्रम में पूर्व सदर विधानसभा प्रत्याशी मुन्ना सिंह अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। आयोजन समिति द्वारा उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। अतिथि मुन्ना सिंह ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी, मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर खिलाड़ियों और आयोजन समिति के बीच सकारात्मक संवाद भी हुआ। वहीं मुन्ना सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि यह समाज में अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास को मजबूत करने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि आज के समय में युवाओं को खेल गतिविधियों से जोड़ना आवश्यक है, ताकि वे नशा और गलत दिशा से दूर रहकर सकारात्मक मार्ग पर आगे बढ़ सकें। स्थानीय स्तर पर आयोजित ऐसे खेल आयोजन न केवल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करते हैं, बल्कि सामाजिक एकता और आपसी भाईचारे को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन भविष्य में और बड़े स्तर पर होने चाहिए, जिससे क्षेत्र की प्रतिभाओं को बेहतर अवसर मिल सके !प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने अनुशासन, खेल कौशल और टीम समन्वय का अच्छा प्रदर्शन किया। पूरे टूर्नामेंट में मुकाबलों के बीच कड़ा प्रतिस्पर्धात्मक माहौल देखने को मिला, जिससे दर्शक भी लगातार जुड़े रहे। जबकि समापन अवसर पर सभी टीमों के खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। आयोजन समिति ने अतिथि, खिलाड़ियों, स्थानीय नागरिकों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

एनटीएचए के कैडेट प्रेमचंद सोय और टूर्नामेंट के सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी आशीष तानी पूर्ति ने भारत को मेंस अंडर 18 एशिया कप का स्वर्ण पदक दिलाया

बिभा संवाददाता

रांची : जापान के काकामिगाहारा में आयोजित मेंस अंडर 18 एशिया कप 2026 में शानदार प्रदर्शन के बाद, जमशेदपुर स्थित नवल टाटा हॉकी अकादमी (एनटीएचए) भारतीय हॉकी के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि का जश्न मना रही है। एनटीएचए के दो प्रमुख कैडेट आशीष तानी पूर्ति और प्रेमचंद सोय ने भारतीय अंडर 18 राष्ट्रीय टीम को स्वर्ण पदक दिलाने में निर्णायक भूमिका निभाई। भारत ने फाइनल मुकाबले में मेजबान जापान को 4-1 से हराकर शानदार अंदाज में खिताब अपने नाम किया।

इस टूर्नामेंट ने राष्ट्रीय टीम के लिए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को तैयार करने वाले प्रमुख केंद्र के रूप में एनटीएचए की प्रतिष्ठा को और मजबूत किया। अकादमी के कैडेट्स ने भारत के अपराजित रहते हुए खिताब जीतने के अभियान में प्रत्यक्ष और महत्वपूर्ण योगदान दिया।

जापान में आयोजित इस चुनौतीपूर्ण और प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट के दौरान, जमशेदपुर स्थित एनटीएचए में मिले उच्चस्तरीय प्रशिक्षण, सामरिक कौशल और शारीरिक क्षमता का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। टूर्नामेंट के सबसे बड़े स्टार के रूप में उभरते हुए आशीष ने आधुनिक डिफेंसिव ड्रैग-फ्लिकिंग का शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 13 गोल के साथ एशिया कप के सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी के रूप में टूर्नामेंट का समापन किया। खास बात यह रही कि दबाव वाले अहम मुकाबलों में उन्होंने अपने खेल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। सेमीफाइनल और जापान के खिलाफ फाइनल दोनों में लगातार हैट्रिक लगाकर उन्होंने भारत की जीत में निर्णायक भूमिका निभाई। फाइनल में उन्होंने दूसरे, 28वें और 34वें मिनट में गोल दागे। उनके शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें फाइनल का प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया।

भारतीय मिडफील्ड के प्रमुख खिलाड़ी के रूप में प्रेमचंद ने अपनी शानदार समझ, तेज खेल और बेहतरीन नियंत्रण से भारत के खेल की रफ्तार तय की। उन्होंने विपक्षी टीमों की रक्षा पंक्ति को तोड़ते हुए लगातार फॉरवर्ड खिलाड़ियों के लिए मौके बनाए। चीनी ताइपे के खिलाफ उनका महत्वपूर्ण फील्ड गोल भी भारत की सफलता में अहम रहा। उनके प्रदर्शन ने पूरे टूर्नामेंट में एशियाई टीमों पर भारत की बढ़त बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए एनटीएचए के प्रोजेक्ट डायरेक्टर गुरमीत सिंह राव ने कहाः नवल टाटा हॉकी अकादमी और पूरे झारखंड के लिए यह बेहद गर्व का क्षण है। अशीष और प्रेमचंद को सिर्फ भारतीय टीम का हिस्सा ही नहीं, बल्कि एशियाई स्तर के फाइनल जैसे बड़े मुकाबले का रुख तय करते देखना हमारी अकादमी की सोच और प्रशिक्षण व्यवस्था की सबसे बड़ी सफलता है। जब हमने इन खिलाड़ियों का चयन किया था, तभी हमें उनके असाधारण प्रतिभाशाली होने का विश्वास था। आज उन्हें सुनियोजित और पेशेवर प्रशिक्षण के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय मंच पर टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर और बेहतरीन मिडफील्ड खिलाड़ी के रूप में उभरते देखना बेहद संतोष और गर्व की बात है। उन्होंने साबित कर दिया है कि हमारी उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्रणाली विश्वस्तरीय खिलाड़ी तैयार कर रही है।

कंगाली में आटा गीला का सामना करती ममता बनर्जी

मनोज कुमार अग्रवाल

ममता बनर्जी की बढ़ती परेशानियों की वजह ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस अपने 28 साल के इतिहास के सबसे बड़े आंतरिक संकट से जूझ रही है। पार्टी के 58 विधायकों ने बागी रुख अपनाते हुए निष्कासित नेता ऋतब्रत बनर्जी को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष चुन लिया है, जिसे विधानसभा स्पीकर ने मंजूरी भी दे दी है। इसके साथ ही, लगभग 20 से अधिक टीएमसी सांसदों के भी भाजपा के संपर्क में होने की खबरें सामने आ रही हैं।

आपने एक पुरानी कहावत तो जरूर सुनी होगी कंगाली में आटा गीला। यह ममता बनर्जी के साथ बिल्कुल खरी साबित हो रही है एक ओर वह सत्ता से बाहर हो गयीं हैं दूसरे ओर उनके अपने ही उनके खिलाफ मुखर हो गए हैं।

आपको बता दें पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की राजनीतिक और कानूनी परेशानियां मई 2026 में हुए विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की हार के बाद से लगातार बढ़ रही हैं। पार्टी के भीतर बड़ी बगावत और कानूनी मुकदमों ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

ममता बनर्जी की बढ़ती परेशानियों की वजह ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस अपने 28 साल के इतिहास के सबसे बड़े आंतरिक संकट से जूझ रही है। पार्टी के 58 विधायकों ने बागी रुख अपनाते हुए निष्कासित नेता ऋतब्रत बनर्जी को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष चुन लिया है, जिसे विधानसभा स्पीकर ने मंजूरी भी दे दी है। इसके साथ ही, लगभग 20 से अधिक टीएमसी सांसदों के भी भाजपा के संपर्क में होने की खबरें सामने आ रही हैं।

पार्टी पर पकड़ ढीली होने का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि संकट के बीच ममता बनर्जी द्वारा बुलाई गई हाई-लेवल बैठक में 80 में से केवल 8 विधायक और 41 में से सिर्फ 6 सांसद ही शामिल हुए। ज्यादातर निर्वाचित प्रतिनिधियों ने इस बैठक से दूरी बना ली, जो उनके नेतृत्व को एक सीधा चैलेंज माना जा रहा है।

राजनीतिक मोर्चे के साथ-साथ ममता बनर्जी अब कानूनी पचड़े में भी फंस गई हैं। चुनाव के दौरान दिए गए उनके बयानों और बांग्लादेश में हुई राजनीतिक हत्या के मामले को केंद्र सरकार से जोड़ने को लेकर उनके खिलाफ सिलीगुड़ी और कोलकाता में राजद्रोह और हेट स्पीच की शिकायतें व पुलिस रिपोर्ट दर्ज कराई गई हैं। याचिकाकताओं ने इसे देश की संप्रभुता और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया है।

सत्ता हाथ से जाने के बाद जमीनी स्तर पर भी भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण भगदड़ मची हुई है। उनके बेहद करीबी माने जाने वाले कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम और बिधाननगर की मेयर कृष्णा चक्रवर्ती ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। इसके अलावा राज्यभर में 100 से ज्यादा टीएमसी पार्षदों और स्थानीय नेताओं ने पार्टी छोड़ दी है।

ममता बनर्जी को अपने ही गढ़ भवानीपुर सीट से भाजपा के सुवेंदु अधिकारी के हाथों 15,105 वोटों से हार का सामना करना पड़ा। राज्य में 15 साल पुराने टीएमसी शासन का अंत हो गया है और सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा की नई

सरकार का गठन हो चुका है।

ममता बनर्जी इन सभी विपरीत हालातों के खिलाफ सड़कों से लेकर हाइकोर्ट तक कानूनी और राजनीतिक लड़ाई लड़ रही हैं।

आपको पता है कि पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव के परिणाम एक माह पूर्व 4 मई को सामने आए थे। इनमें ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस को निराशा का मुंह देखना पड़ा था। 294 सीटों वाली इस विधानसभा में उसे 80 सीटें ही मिली थीं। इस तरह 15 वर्ष तक प्रदेश की मुख्यमंत्री रहीं ममता का शासन खत्म हो गया था। ममता ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत कांग्रेस से की थी। लम्बी अवधि तक वह इसके साथ जुड़ी रहीं, परन्तु 28 वर्ष पूर्व 1998 में उन्होंने कांग्रेस से अलग होकर तृणमूल कांग्रेस (टी.एम.सी.) का गठन किया था और कम्युनिस्ट पार्टियों के तीन दशकों से भी अधिक प्रदेश में चले आ रहे लम्बे शासन को खत्म करने के लिए बड़ी दिलेरी और दृढ़ता से उसका मुकाबला किया था। इस समय लोकसभा में इनके 28 और राज्यसभा में 13 सांसद हैं, परन्तु विगत लम्बी अवधि से इस पार्टी के भीतर ममता की तानाशाही और टकराव वाली नीतियों के कारण असंतोष और असहमति चल रही थी, परन्तु उनकी प्रशासन पर सख्त पकड़ और कठोर फैसलों से यह बगावत अंदर-अंदर ही सुलगती रही थी।

ममता ने अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी को अपने साथ राजनीति में लाकर उसे अधिक शक्तियां दे दी थीं। बनर्जी के काम करने के ढंग-तरीके से भी पार्टी गलियारों में असंतोष था, जिसके संबंध में ममता को लगातार उनकी पार्टी के नेताओं द्वारा अवगत करवाया जाता रहा था परन्तु ममता ने इस बात की ओर ध्यान नहीं दिया। अपनी ताकत के दम पर उन्होंने बड़ी राष्ट्रीय नेता होने का भ्रम भी पाल लिया था, जिस कारण राष्ट्रीय स्तर पर दर्जनों ही पार्टियों द्वारा बनाए गए इंडिया गठबंधन की वह सदस्य जरूर बनी रही थीं, परन्तु इसमें शामिल अलग-अलग पार्टियों के सभी नेताओं से ऊंचा कद होने का भ्रम उन्होंने पाल रखा था। इसलिए विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने अपनी किसी भी सहयोगी पार्टी के साथ गठबंधन करने से इन्कार कर दिया था। उनके शासन के समय प्रदेश की आर्थिकता भी बेहद कमजोर हो गई थी और यह पूरी तरह कर्ज में डूब चुका था। केन्द्र के साथ लगातार टकराव रहने के कारण और उद्योग को समर्थन न मिलने के कारण प्रदेश की आर्थिकता डावांडोल हो गई थी। इसके साथ ही बेरोजगारी की दर भी बढ़ चुकी थी, परन्तु पिछला पूरा समय केन्द्र और अन्य पार्टियों के साथ टकराव बने रहने के कारण भी उनकी प्रशासनिक तौर पर पकड़ ढीली पड़ चुकी थी। ऐसी स्थिति लोगों के भीतर निराशा में बदलती गई। लगातार सरकार विरोधी भावनाओं के बढ़ने का अनुमान लगाने में वह असमर्थ रहीं और न ही वह दीवार पर लिखे को पढ़ सकीं, जिस कारण उन्हें चुनाव में निराशा का मुंह देखना पड़ा। हार के बाद भी उन्होंने खुले मन से आत्म-मंथन करने की बजाए अपनी पार्टी के भीतर असंतोष को अनदेखा किए रखा जो अंत में उनके लिए हानिकारक सिद्ध हुई। आंतरिक यह चिंगारी उस समय लपटें बन गई, जब उन्होंने ज्यादातर पार्टी नेताओं को अनदेखा करके अभिषेक बनर्जी के कहने पर विधानसभा में विपक्ष के नेता के लिए सैमन देव का नाम स्पीकर को भेज दिया, परन्तु ज्यादातर विधायक इस पद के लिए रिताव्रता बनर्जी के पक्ष में थे, परन्तु ममता ने इस बात पर ध्यान नहीं दिया और इस पद के लिए स्पीकर को विधायकों के हस्ताक्षर वाला एक पत्र भेज दिया, जिस कारण ज्यादातर नेताओं ने बगावत का मार्ग अपना लिया। इस मामले को लेकर ही बुधवार को पार्टी के 80 विधायकों में से 59 विधायकों ने विधानसभा के स्पीकर से सम्पर्क किया। अपने हस्ताक्षरों वाला पत्र उन्हें सौंपा और अपने गुट को असली तृणमूल कांग्रेस बताया। पार्टी के 28 वर्ष के के इतिहास में ममता पर पहली बार इतना बड़ा हमला हुआ है। इसकी उदाहरण महाराष्ट्र से मिलती है, जब 20 जून, 2022 को वहां शिव सेना के 55 में से 40 विधायकों ने एकनाथ शिंदे का उस समय साथ दिया था, जब उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री थे। उसके सप्ताह भर बाद ही शिंदे वहां भाजपा के समर्थन से मुख्यमंत्री बन गए थे। अब दो तिहाई सदस्यों के एकजुट होने से विधानसभा में ममता के समर्थक सदस्य 2 दर्जन से भी कम रह गए हैं, जिससे उनकी राजनीतिक हालत और भी दयनीय हो गई प्रतीत होती है।

दूसरी तरफ भाजपा को बड़ी जीत प्राप्त होने के कारण उसके नेताओं ने तृणमूल कांग्रेस के बागियों के साथ कोई भी समझौता करने से इंकार कर दिया है। रिताव्रता बनर्जी ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत वामपंथी विद्यार्थी संगठन से की थी। 34 वर्ष की उम्र में वह राज्यसभा के सदस्य बन गए थे और बाद में वह टी.एम.सी. में शामिल हो गए थे। ममता ने ही उन्हें वर्ष 2024 में राज्यसभा में भेजा था। विधानसभा चुनाव में वह उलबेरिया सीट से विधायक चुने गए हैं। चाहे ममता ने इस बड़ी चुनौती के समक्ष भी अपना हौसला कायम रखते हुए इन बागियों और भाजपा को ललकारा है। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा विरोधी पार्टियों से सम्पर्क करने की बात भी की है, परन्तु अब यह देखना शेष होगा, कि वह निकट भविष्य में प्रदेश और देश की राजनीति में किस तरह विचरण करेंगी।स्पष्ट है कि आज की राजनीति में साम दाम दंड भेद सब का चलन बढ़ गया है सत्ता में सबको समेट रखने की ताकत है लेकिन सत्ता से बाहर होते ही अपने सगे साथियों की हकीकत सामने आ जाती है कि उनके दिल में कितना खार छुपाए बैठे थे यह बदलते दौर की राजनीति की नंगी तस्वीर है इस को स्वीकार करना ही होगा।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

युद्ध खत्म होगा या नहीं?

युद्धविराम और समझौते की कथित बातचीत के बावजूद राष्ट्रपति ट्रंप ने हुंकार भरी है कि ईरान 21 दिन में खत्म हो जाएगा। वह सब कुछ तबाह कर देंगे। फिर ट्रंप युद्धविराम की नई परिभाषा देते हुए कहते हैं कि सीमित और संयमित गोलीबारी युद्धविराम ही है। कमोबेश बमबारी, मिसाइलों की बौछार और विनाशक हमले तो बंद हैं। अमरीकी राष्ट्रपति किन 21 दिनों की बात कर रहे हैं? 8 अप्रैल से तो कथित युद्धविराम है। अब शांति-समझौता करना चाहते हैं अथवा युद्ध आगे भी जारी रह सकता है? दूसरी तरफ ईरान के आईआरजीसी ने कुवैत और बहरीन के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर हमले कर तबाही मचा दी है। इन्हें अमरीकी सैन्य ठिकाने भी माना जाता है। कुवैत हवाई अड्डे का टर्मिनल-1 तो विनष्ट हो गया। वहां एक भारतीय (उज्जैन निवासी) मारा गया और 13 घायल हुए हैं। अन्य घायलों का आंकड़ा बहुत ज्यादा है। ईरान ने एक ही रात में चार देशों पर हमले कर अमरीकी पक्ष को थर्रा दिया है। ईरानी नौसेना ने ओमान खाड़ी में अमरीकी युद्धपोत पर हमला कर उसे क्षतिग्रस्त किया है। अमरीका के कान खड़े हो गए होंगे! युद्ध के सायरन बजने लगे हैं। लड़ाकू विमान आसमान में मंडराने, गरजने लगे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप एक तरफ समझौते को लेकर उम्मीद जताते हैं, तो दूसरी तरफ तबाही की धमकियां देते हैं! यह युद्धविराम कैसा है अथवा ईरान युद्ध का दूसरा चरण शुरू हो चुका है? इसी बीच अमरीकी कांग्रेस (संसद) की प्रतिनिधि सभा ने प्रस्ताव पारित किया है कि ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान रोका जाए और सैनिकों की वापसी शुरू की जाए। प्रस्ताव में यह निर्देश भी है कि यदि भविष्य में युद्ध की कार्रवाई अपरिहार्य हो, तो पहले कांग्रेस (संसद) की मंजूरी ली जाए। प्रस्ताव के पक्ष में 215 और उसके खिलाफ 208 वोट आए। राष्ट्रपति ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी के 4 सांसदों ने भी क्रॉस वोटिंग की और डेमोक्रेट्स का समर्थन किया। इससे पहले सीनेट में भी ट्रंप-समर्थक सांसदों ने उनके खिलाफ वोट दिए थे। संसद में पारित प्रस्ताव के जरिए राष्ट्रपति की निरंकुश युद्ध-शक्तियों को भी सीमित किया गया है। यह घटनाक्रम और परिदृश्य राष्ट्रपति ट्रंप के लिए राजनीतिक और संसदीय आघात से कम नहीं है। फिर भी राष्ट्रपति ट्रंप पारित प्रस्ताव को 'असंवैधानिक' करार देते हुए 'वीटो' कर सकते हैं, लेकिन वह राष्ट्रपति और संसद के बीच टकराव की नौबत से बचना चाहेंगे।

चिंतन-मनन

मृत्यु के उपरांत शरीर नष्ट हो जाता है

अष्टावप्र गीता में आचार्य अष्टावक्र कहते हैं कि मनुष्य शरीर मात्र शरीर नहीं है। वह चैतन्य आत्मा है। आत्मा ही इस शरीर की पोषक है। जैसे ही आत्मा इस शरीर से बाहर निकलती है, शरीर विकृत होने लगता है। बुद्धि, कर्म, भोग, अहंकार, लोभ, मोह शरीर और मन के धर्म हैं, आत्मा के नहीं। आत्मज्ञान के अभाव में ऐसी भ्रांति हुआ करती है कि मैं एक शरीर हूं, आत्मा नहीं। यही तो अज्ञान है। पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश इन पांच तत्वों से मिलकर शरीर बनता है, जो भौतिक, अनित्य और नष्ट होने वाला है।

मृत्यु के उपरांत शरीर नष्ट हो जाता है, पर हम शरीर के नष्ट हो जाने के बाद भी अगली यात्र पर निकल जाते हैं। जैसे पुराने वस्त्रों को छोड़कर नया वस्त्र धारण कर लेते हैं। यह शरीर हमारा वस्त्र मात्र है, जो भौतिक पदार्थों से मिलकर बना है। हम सब घर नहीं, बल्कि इसमें रहने वाले मालिक हैं। हम बार-बार यह कहते हैं कि हम शरीर नहीं आत्मा हैं, जो चैतन्य है। आत्मा का कोई वर्ण नहीं होता, वह ब्राण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र नहीं होती। वह तो चैतन्य-शक्ति मात्र है, जो समस्त प्रकार के जीवों में समान रूप से व्याप्त है। यह आत्मा न किसी वर्ण वाली है और न आश्रम वाली है। आत्मा की न कोई जाति होती है और न ही कोई धर्म होता है। ये चार आश्रम-ब्राचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास वाली भी नहीं है। आत्मा न कर्ता है और न भोक्ता है और न ही भोग्य विषय है। इन तीनों से परे असंग, निराकार और साक्षी मात्र है। 1कुछ लोग कहते हैं कि यह घोर कलयुग है, यह पंचम काल है। इसमें तो मुक्ति हो ही नहीं सकती। इस संदर्भ में आचार्य अष्टावप्र कहते हैं कि तुम अपने को चैतन्य में स्थिर कर लो तो अभी मुक्ति को प्राप्त हो सकते हो। जैसे दीपक जलते ही अंधेरा गायब हो जाता है, उसी तरह क्या आत्मज्ञान के प्रकाश से अज्ञान रूपी अंधकार गायब नहीं हो सकता। अज्ञान के मिटते ही जीव की सभी भ्रांतियां मिट जाती हैं। आत्मा चैतन्य है, मुक्ति है, सर्वत्र व्यापक है, वह किसी बंधन में बंधी नहीं है। आत्मा का कोई रूप नहीं है, वह निराकार है। उसी निराकार का रूप सृष्टि है। आकार बनते हैं, बिगड़ते हैं, किंतु मूल तत्व वही रहता है। जैसे सोने से विभिन्न आभूषण बनते हैं, बिगड़ते हैं, किंतु मूल तत्व सोना वही रहता है। इस तरह से हम कह सकते हैं, आत्मा ही सत्य है और आत्मा ही पुरातन है, आत्मा ही सनातन है।

समंदर रो रहा है और हम सो रहे हैं ...

दिलीप कुमार पाठक

शायद ही कोई ऐसा इंसान होगा जिसे समंदर किनारे बैठना अच्छा न लगता हो। पानी की उठती-गिरती लहरें, ठंडी हवा और दूर तक फैला नीला पानी हर किसी का मन मोह लेता है। लेकिन क्या कभी हम यह सोचते हैं कि जिस समंदर को हम सिर्फ घूमने-फिरने की जगह समझते हैं, वो असल में हमारी हर सांस से जुड़ा हुआ है? आज 8 जून को पूरी दुनिया विश्व महासागर दिवस मना रही है। यह दिन सिर्फ अखबारों में बधाई देने या भाषण झाड़ने का दिन नहीं है। यह दिन एक चेतावनी है उस समंदर की तरफ से, जो इंसानों की गलतियों की वजह से अब धीरे-धीरे बीमार पड़ रहा है।

संयुक्त राष्ट्र ने इस बार रीइमेजिन यानी फिर से सोचने की बात कही है, जो हमें याद दिलाती है कि अगर समंदर नहीं बचा, तो हमारा वजूद भी नहीं बचेगा। किताबों में तो लिख दिया जाता है कि धरती पर सत्तर प्रतिशत पानी है। लेकिन आसान भाषा में समझें तो यह समंदर हमारे ग्रह के फेफड़े हैं। हम जो सांस लेते हैं, उसकी आधी से ज्यादा ऑक्सीजन समंदर के छोटे-छोटे पौधों से आती है, न कि सिर्फ जंगलों से। दुनिया का मौसम बदलना, टाइम पर बारिश होना और धरती का तापमान काबू में रहना, यह सब इसी नीले समंदर के दम पर मुमकिन हो पाता है। लेकिन इसके बदले में हम इंसान समंदर को क्या दे रहे हैं? सिर्फ और सिर्फ अपना कचरा! हमारे घरों, नालों और फैक्ट्रियों का सारा गंदा पानी और केमिकल आखिरकार समंदर में ही जाकर मिलता है। इससे भी बड़ा दुश्मन है प्लास्टिक। हर साल लाखों टन प्लास्टिक की बोतलें, थैलियां और चिप्स के पैकेट समंदर में फेंक दिए जाते हैं। आज हालत यह है कि समंदर के बीचों-बीच प्लास्टिक के तैरते हुए बड़े-बड़े पहाड़ बन चुके हैं। इस इंसानी लापरवाही की सबसे भारी कीमत बेजुबान समुद्री जीव चुका रहे हैं। कछुओं के मुंह में प्लास्टिक की स्ट्रॉ फंस जाती है, तो मछलियों के पेट से टनों प्लास्टिक की थैलियां निकल रही हैं। और नुकसान सिर्फ उनका नहीं हो रहा। जो मछलियां इस प्लास्टिक को खाती हैं, जब वही मछलियां इंसानों की थाली तक पहुंचती हैं, तो वो जहर घूम-फिरकर हमारे खुद के शरीर में आ जाता है। अगर हम भारत की बात करें, तो हमारी तटीय सीमा बहुत बड़ी है। करोड़ों मछुआरों के परिवारों की रोटी-रोटी इसी समंदर से चलती है। लेकिन पिछले कुछ सालों में आपने भी ध्यान दिया होगा कि समुद्री तूफानों की गिनती अचानक बढ़ गई है। आए दिन चक्रवात तबाही मचाते हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि हमारी गलतियों से समंदर गर्म हो रहा है और उसका गुस्सा इन तूफानों के रूप में हमारे शहरों पर फूट रहा है। हम प्रकृति को जो दे रहे हैं, वही लौटकर हमारे पास आ रहा है। अब सवाल यह है कि एक आम आदमी क्या कर सकता है? हमें कोई बहुत बड़ा काम नहीं करना है, बस अपनी छोटी-छोटी आदतें बदलनी हैं। जब भी हम किसी बीच या नदी किनारे घूमने जाएं, तो वहां कचरा न फैलाएं। सिंगल-यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल बंद कर दें। आज हमारे हाथ से छूटी एक प्लास्टिक की बोतल कल किसी मासूम जीव की जान ले सकती है।

रही बात सरकारों और नेताओं की, तो बड़े-बड़े वादे और कागजी नियम बहुत बन चुके। अब जरूरत इस बात की है कि फैक्ट्रियों के मालिक और नगर निगम वाले शहर का गंदा नाला सीधे नदियों और समंदर में गिराना बंद करें। जब तक इन पर तगड़ा जुमार्ना नहीं लगेगा और कैमरे लगाकर निगरानी नहीं होगी, तब तक कुछ बदलने वाला नहीं है। आखिर में बात बस इतनी सी है कि समंदर हमें चुपचाप जीवन दे रहा है और हम बदले में उसे धीरे-धीरे मार रहे हैं। अगर हम आज भी नहीं सुधरे, तो आने वाले समय में समंदर किनारे सिर्फ कचरे के ढेर और बदबू ही मिलेगी, सुकून नहीं। इसलिए, इस 8 जून को मोबाइल पर केवल फोटो और स्टेटस लगाने का दिखावा करने के बजाय, खुद से एक छोटा सा वादा करें कि हम अपनी तरफ से गंदगी नहीं फैलाएंगे।

(लेखक पत्रकार हैं)

पाकिस्तान के बाद अब बांग्लादेश से रक्षा संबंध बना रहा तुर्किये, भारत को दो तरफ से घेरने की रणनीति!

नीरज कुमार दुबे

दक्षिण एशिया की बदलती भू राजनीतिक बिसात पर अब एक नया और बेहद खतरनाक समीकरण तेजी से उभर रहा है। भारत विरोधी रवैये के लिए लंबे समय से चर्चित तुर्किये अब केवल पाकिस्तान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उसने बांग्लादेश के साथ भी अपने रक्षा और सामरिक रिश्तों को तेजी से विस्तार देना शुरू कर दिया है। ढाका पहुंचे तुर्किये के विदेश मंत्री हाकान फिदान ने जिस तरह बांग्लादेश को दक्षिण एशिया की सुरक्षा संरचना का महत्वपूर्ण स्तंभ बताया, उसने नई दिल्ली की चिंता और गहरा दी है। इस बयान को भारत के चारों ओर रणनीतिक दबाव बनाने की सुनियोजित चाल के रूप में देखा जा रहा है।

तुर्किये ने साफ संकेत दे दिया है कि वह दक्षिण एशिया में अपनी मौजूदगी केवल व्यापार या मानवीय सहायता तक सीमित नहीं रखना चाहता। ढाका में हुई उच्च स्तरीय वार्ता में रक्षा सहयोग, रक्षा उत्पादन, सामरिक साझेदारी और आर्थिक विस्तार पर जिस गंभीरता से चर्चा हुई, वह भारत के लिए साधारण घटना नहीं है। बांग्लादेश ने तुर्किये को रक्षा सामग्री निर्माण में निवेश का खुला न्योता दिया है। दोनों देशों ने पारंपरिक सहयोग से आगे बढ़कर रणनीतिक साझेदारी की दिशा में कदम बढ़ाने की बात कही है। यह वही तुर्किये है जिसने पाकिस्तान के साथ मिलकर वर्षों तक भारत विरोधी मोचेबंदी की, कश्मीर मुद्दे पर खुलकर इस्लामाबाद का साथ दिया और इस्लामी सहयोग संगठन के मंचों पर भारत के खिलाफ माहौल बनाने का प्रयास किया।

उधर, दिल्ली की सबसे बड़ी चिंता यह है कि तुर्किये अब भारत के पश्चिमी मोर्चे पर पाकिस्तान और पूर्वी मोर्चे पर बांग्लादेश के साथ समानांतर सामरिक रिश्ते बना रहा है। यह दो तरफा दबाव की रणनीति जैसी दिखाई देती है। पाकिस्तान पहले से ही तुर्किये के रक्षा उद्योग, ड्रोन तकनीक और सैन्य प्रशिक्षण का लाभ उठा रहा है। अब यदि वही ढांचा बांग्लादेश तक पहुंचता है, तो भारत के लिए सुरक्षा समीकरण और जटिल हो जाएंगे। खास तौर पर तब, जब बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद नई सरकार अपनी विदेश नीति को नए ढंग से गढ़ने की कोशिश कर रही है।

इसके अलावा, तुर्किये और बांग्लादेश के बीच केवल रक्षा सहयोग ही नहीं, बल्कि आर्थिक और संस्थागत साझेदारी भी तेजी से बढ़ रही है। दोनों देश व्यापार को तेरह अरब डॉलर से बढ़ाकर बीस अरब डॉलर तक ले जाने की तैयारी में हैं। विशेष आर्थिक क्षेत्रों में तुर्किये को निवेश का निमंत्रण दिया गया है। वस्त्र, दवा निर्माण, जहाज निर्माण और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाया जा रहा है। ढाका में अंतरराष्ट्रीय स्तर का अस्पताल और नर्सिंग संस्थान स्थापित करने का प्रस्ताव भी दिया गया है। यह साफ दिखाता है कि तुर्किये केवल सैन्य साझेदारी नहीं, बल्कि दीर्घकालिक प्रभाव स्थापित करने की नीति पर काम कर रहा है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि तुर्किये दक्षिण एशिया में खुद को मुस्लिम दुनिया के प्रभावशाली संरक्षक के रूप में स्थापित करना चाहता है। रोहिंग्या मुद्दे पर उसकी सक्रियता, गाजा पर आक्रामक बयानबाजी और बांग्लादेश के साथ मानवीय सहयोग इसी रणनीति का हिस्सा हैं। लेकिन इसके पीछे छिपा बड़ा उद्देश्य क्षेत्रीय प्रभाव विस्तार और भारत की सामरिक चुनौती को बढ़ाना है।

वैसे तो तुर्किये लगातार यह कह रहा है कि भारत को उसके पाकिस्तान से रिश्तों की वजह से उससे दूरी नहीं बनानी चाहिए। लेकिन असली सवाल भरोसे का है। राष्ट्रपति एर्दोआन कई बार खुलकर कश्मीर पर पाकिस्तान के समर्थन में बयान दे चुके हैं। तुर्किये ने पाकिस्तान के साथ अपने रक्षा रिश्ते भी काफी मजबूत कर लिए हैं। इतना ही नहीं, पिछले साल भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के दौरान तुर्किये ने पाकिस्तान को रक्षा उपकरण और ड्रोन तक मुहैया कराए थे। भारत ने पाकिस्तान की तरफ से आए जिन कई ड्रोनों को मार गिराया था, उनमें तुर्किये में बने ड्रोन भी शामिल थे। ऐसे में तुर्किये का भारत से दोस्ती और संतुलन की बात करना नई दिल्ली को एक सोची समझी रणनीतिक चाल जैसा लगता है। यही वजह है कि भारत भी अब तुर्किये को उसी की भाषा में जवाब दे रहा है।

दरअसल, भारत ने हाल के वर्षों में साइप्रस और ऑर्मेनिया के साथ अपने रक्षा संबंधों को तेजी से मजबूत किया है। ऑर्मेनिया अब भारतीय हथियारों का बड़ा खरीदार बन चुका है। साइप्रस के साथ भी भारत रणनीतिक और रक्षा सहयोग बढ़ा रहा है। यह सीधे-सीधे तुर्किये को संदेश है कि यदि अंकारा भारत के पड़ोस में दखल बढ़ाएगा, तो नई दिल्ली भी तुर्किये के सामरिक क्षेत्र में जवाबी दबाव बनाएगी। जिस तरह तुर्किये पाकिस्तान और अब बांग्लादेश के जरिए भारत को घेरने की कोशिश कर रहा है, उसी तरह भारत भी तुर्किये के विरोधी या प्रतिस्पर्धी देशों के साथ संबंध मजबूत कर रहा है। यह नई शीत प्रतिद्वंद्विता का संकेत है।

उधर, बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान की विदेश नीति भी इस समय भारत के लिए गहरी चिंता का विषय बनती जा रही है। भारत की ओर से सबसे पहले आधिकारिक यात्रा का निमंत्रण मिलने के बावजूद रहमान ने पहले मलेशिया और फिर चीन जाने का फैसला किया। ढाका ने साफ तौर पर यह संदेश देने की कोशिश की कि वह अब केवल भारत पर निर्भर रहने वाली नीति से आगे बढ़ना चाहता है। खास बात यह है कि चीन यात्रा के दौरान तीस्ता परियोजना समेत कई बड़े रणनीतिक मुद्दों पर बातचीत की संभावना जताई जा रही है। साथ ही तारिक रहमान की मलेशिया यात्रा को केवल एक सामान्य विदेश दौरे के तौर पर नहीं देखा जा रहा है। इसके पीछे साफ रणनीतिक सोच दिखाई दे रही है। बांग्लादेश नहीं चाहता था कि नई सरकार की पहली विदेश यात्रा सीधे भारत या चीन में से किसी एक देश की तरफ झुकाव का संकेत दे। यही वजह है कि ढाका ने मलेशिया को पहले पड़ाव के तौर पर चुना, ताकि वह खुद को तटस्थ दिखा सके और भारत, चीन प्रतिस्पर्धा से दूरी बनाने का संदेश दे सके। लेकिन इसके राजनीतिक और सामरिक मायने काफी बड़े हैं। मलेशिया यात्रा के बाद चीन जाने की तैयारी यह संकेत देती है कि बांग्लादेश अब अपनी विदेश नीति को नए संतुलन के साथ आगे बढ़ाना चाहता है। इससे भारत की चिंता इसलिए बढ़ रही है क्योंकि ढाका अब एक साथ चीन, तुर्किये, पाकिस्तान और अन्य इस्लामी देशों के साथ अपने रिश्ते मजबूत करने की दिशा में बढ़ता दिख रहा है। यह आने वाले समय में भारत के लिए कूटनीतिक और रणनीतिक चुनौती को और कठिन बना सकता है। देखा जाये तो भारत के लिए यह समय बेहद सतर्क रहने का है। पाकिस्तान के साथ तुर्किये की साझेदारी पहले ही चिंता का कारण थी, लेकिन अब यदि बांग्लादेश भी उसी धुरी का हिस्सा बनने लगता है, तो यह भारत की पूर्वी सुरक्षा संरचना के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है। हालांकि भारत को कम करके आंकना ढाका, इस्लामाबाद और अंकारा तीनों की सबसे बड़ी भूल साबित हो सकती है। भले ही बांग्लादेश चीन, पाकिस्तान और तुर्किये के साथ मिलकर नए समीकरण बनाने की कोशिश करे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीति बेहद दूरदर्शी और बहुस्तरीय मानी जाती है। कभी कभार ऐसा लग सकता है कि भारत चुप क्यों है, लेकिन इतिहास गवाह है कि सही समय आने पर प्रधानमंत्री मोदी का जवाब बेहद सटीक और ताकतवर होता है। कूटनीति का जवाब कूटनीति से और रणनीतिक चालों का जवाब उससे भी बड़ी चाल से देना ही मोदी की कार्यशैली रही है। यही वजह है कि आज भारत केवल अपने विरोधियों की गतिविधियों पर नजर नहीं रख रहा, बल्कि उनके हर कदम का जवाब देने के लिए समानांतर रणनीतिक मोर्चे भी तैयार कर रहा है।

अधिकतर हिन्दुओं के पास अपने ही धर्मग्रंथ को पढ़ने की फुरसत नहीं है। वेद, उपनिषद पढ़ना तो दूर, वे गीता तक को नहीं पढ़ते जबकि गीता को 1 घंटे में पढ़ा जा सकता है। हालांकि कई जगह वे भागवत पुराण सुनने या रामायण का अखंड पाठ करने के लिए समय निकाल लेते हैं या घर में सत्यनारायण की कथा करवा लेते हैं। लेकिन आपको यह जानकारी होना चाहिए कि पुराण, रामायण और महाभारत हिन्दुओं के धर्मग्रंथ नहीं हैं, धर्मग्रंथ तो वेद ही हैं।

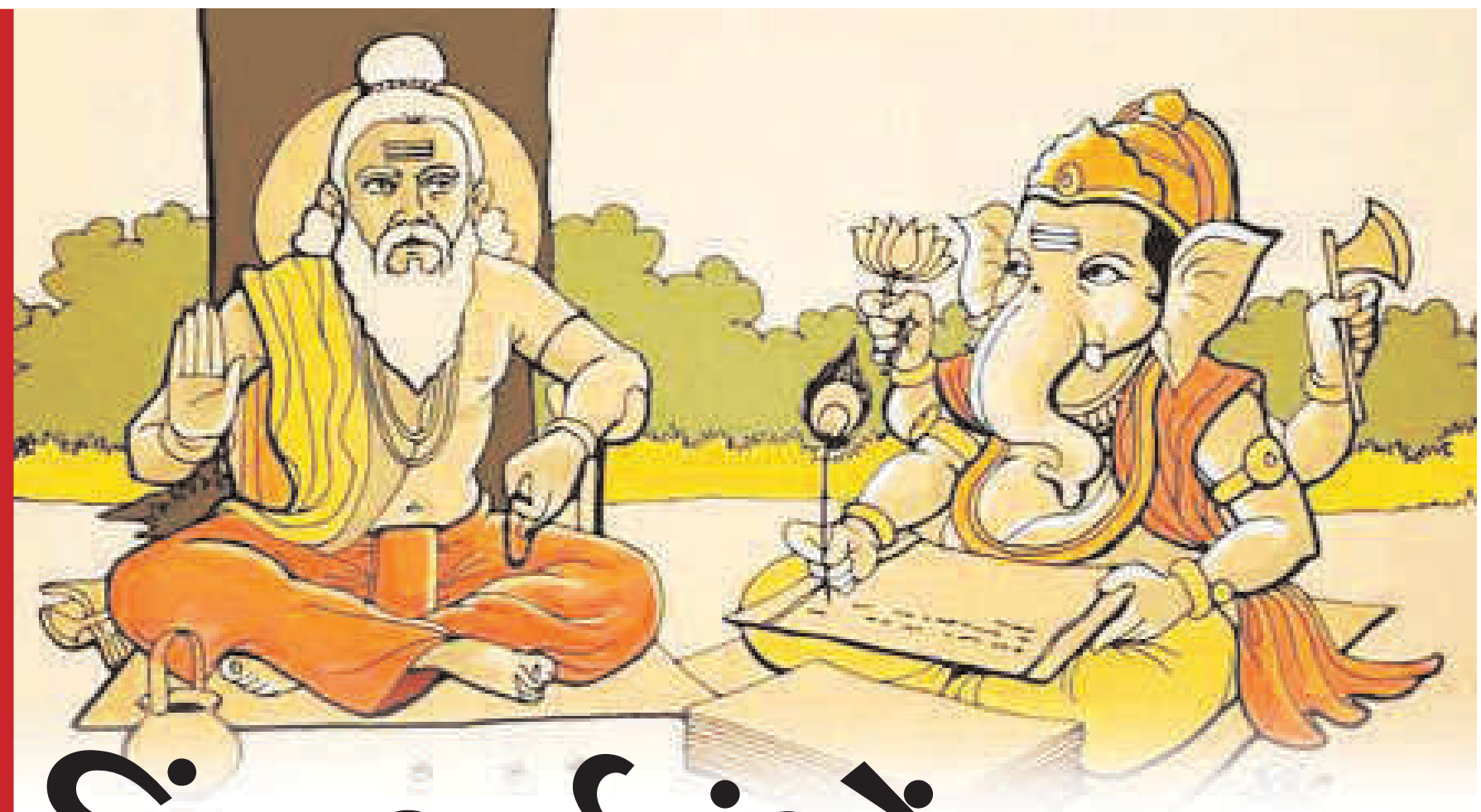

हिंदू धर्मग्रंथों का सार

जानिए किस ग्रंथ में क्या है?

शास्त्रों को 2 भागों में बांटा गया है- श्रुति और स्मृति। श्रुति के अंतर्गत धर्मग्रंथ वेद आते हैं और स्मृति के अंतर्गत इतिहास और वेदों की व्याख?या की पुस्तकें पुराण, महाभारत, रामायण, स्मृतियां आदि आते हैं। हिन्दुओं के धर्मग्रंथ तो वेद ही हैं। वेदों का सार उपनिषद है और उपनिषदों का सार गीता है। आओ जानते हैं कि उक्त ग्रंथों में क्या है।

वेदों में क्या है?

वेदों में ब्रह्म (ईश्वर), देवता, ब्रह्मांड, ज्योतिष, गणित, रसायन, औषधि, प्रकृति, खगोल, भूगोल, धार्मिक नियम, इतिहास, संस्कार, रीति-रिवाज आदि लगभग सभी विषयों से संबंधित ज्ञान भरा पड़ा है। वेद 4 हैं- ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद। ऋग्वेद का आयुर्वेद, यजुर्वेद का धनुर्वेद, सामवेद का गंधर्व वेद और अथर्ववेद का स्थापत्य वेद ये क्रमश: चारों वेदों के उपवेद बतलाए गए हैं।

ऋग्वेद : ऋक अर्थात स्थिति और ज्ञान। इसमें भौगोलिक स्थिति और देवताओं के आवाहन के मंत्रों के साथ बहुत कुछ है। ऋग्वेद की ऋचाओं में देवताओं की प्रार्थना, स्तुतियां और देवलोक में उनकी स्थिति का वर्णन है। इसमें जल चिकित्सा, वायु चिकित्सा, सौर चिकित्सा, मानस चिकित्सा और हवन द्वारा चिकित्सा आदि की भी जानकारी मिलती है।

यजुर्वेद : यजु अर्थात गतिशील आकाश एवं कर्म। यजुर्वेद में यज्ञ की विधियां और यज्ञों में प्रयोग किए जाने वाले मंत्र हैं। यज्ञ के अलावा तत्वज्ञान का वर्णन है। तत्वज्ञान अर्थात रहस्यमयी ज्ञान। ब्रम्हांड, आत्मा, ईश्वर और पदार्थ का ज्ञान। इस वेद की 2 शाखाएं हैं- शुक्ल और कृष्ण।

सामवेद : साम का अर्थ रूपांतरण और संगीत। सौम्यता और उपासना। इस वेद में ऋग्वेद की ऋचाओं का संगीतमय रूप है। इसमें सविता, अग्नि और इन्द्र देवताओं के बारे में जिक्र मिलता है। इसी से शास्त्रीय संगीत और नृत्य का जिक्र भी मिलता है। इस वेद को संगीत शास्त्र का मूल माना जाता है। इसमें संगीत के विज्ञान और मनोविज्ञान का वर्णन भी मिलता है।

अथर्ववेद : थर्व का अर्थ है कंपन और अथर्व का अर्थ अकंपन। इस वेद में रहस्यमयी विद्याओं, जड़ी-बूटियों, चमत्कार और आयुर्वेद आदि का जिक्र है। इसमें भारतीय परंपरा और ज्योतिष का ज्ञान भी मिलता है।

उपनिषद क्या है?

उपनिषद वेदों का सार है। सार अर्थात निचोड़ या संक्षिप्त। उपनिषद भारतीय आध्यात्मिक चिंतन के मूल आधार हैं, भारतीय आध्यात्मिक दर्शन के स्रोत हैं। ईश्वर है या नहीं, आत्मा है या नहीं, ब्रह्मांड कैसा है आदि सभी गंभीर, तत्वज्ञान, योग, ध्यान, समाधि, मोक्ष आदि की बातें उपनिषद में मिलेंगी। उपनिषदों को प्रत्येक हिन्दू को पढ़ना चाहिए। इन्हें पढ़ने से ईश्वर, आत्मा, मोक्ष और जगत के बारे में सच्चा ज्ञान मिलता है।

वेदों के अंतिम भाग को 'वेदांत' कहते हैं। वेदांतों को ही उपनिषद कहते हैं। उपनिषद में तत्वज्ञान की चर्चा है। उपनिषदों की संख्या वैसे तो 108 है, परंतु मुख्य 12 माने गए हैं, जैसे- 1.ईश, 2.केन, 3.कठ, 4.प्रश्न, 5.मुण्डक, 6.माण्डूक्य, 7.तैत्तिरीय, 8.ऐतरेय, 9.छांदोग्य, 10. बृहदारण्यक, 11.कौषीतकि और 12.श्वेताश्वतर।

षड्दर्शन क्या है?

गीता में क्या है?

महाभारत के 18 अध्यायों में से 1 भीष्म पर्व का हिस्सा है गीता। गीता में भी कुल 18 अध्याय हैं। 10 अध्यायों की कुल श्लोक संख्या 700 है। वेदों के ज्ञान को नए तरीके से किसी ने व्यवस्थित किया है तो वे हैं भगवान श्रीकृष्ण। अत: वेदों का पॉकेट संस्करण है गीता, जो हिन्दुओं का सर्वमान्य एकमात्र ग्रंथ है। किसी के पास इतना समय ही नहीं है कि वह वेद या उपनिषद पढ़े। उनके लिए गीता ही सबसे उत्तम धर्मग्रंथ है। गीता को बार-बार पढ़ने के बाद ही वह समझ में आने लगती है। गीता में भक्ति, ज्ञान और कर्म मार्ग की चर्चा की गई है। उसमें यम-नियम और धर्म-कर्म के बारे में भी बताया गया है। गीता ही कहती है कि ब्रह्म (ईश्वर) एक ही है। गीता को बार-बार पढ़ेंगे तो आपके समक्ष इसके ज्ञान का रहस्य खुलता जाएगा। गीता के प्रत्येक शब्द पर एक अलग ग्रंथ लिखा जा सकता है। गीता में सृष्टि उत्पत्ति, जीव विकास क्रम, हिन्दू संदेशवाहक क्रम, मानव उत्पत्ति, योग, धर्म-कर्म, ईश्वर, भगवान, देवी-देवता, उपासना, प्रार्थना, यम-नियम, राजनीति, युद्ध, मोक्ष, अंतरिक्ष, आकाश, धरती, संस्कार, वंश, कुल, नीति, अर्थ, पूर्व जन्म, जीवन प्रबंधन, राष्ट्र निर्माण, आत्मा, कर्मसिद्धांत, त्रिगुण की संकल्पना, सभी प्राणियों में मैत्रीभाव आदि सभी की जानकारी है। श्रीमद्भगवद्गीता योगेश्वर श्रीकृष्ण की वाणी है। इसके प्रत्येक श्लोक में ज्ञानरूपी प्रकाश है जिसके प्रस्फुटित होते ही अज्ञान का अंधकार नष्ट हो जाता है। ज्ञान-भक्ति-कर्म योग मार्गों की विस्तृत व्याख्या की गई है। इन मार्गों पर चलने से व्यक्ति निश्चित ही परम पद का अधिकारी बन जाता है। गीता को अर्जुन के अलावा और संजय ने सुना और उन्होंने धृतराष्ट्र को सुनाया। गीता में श्रीकृष्ण ने 574, अर्जुन ने 85, संजय ने 40 और धृतराष्ट्र ने 1 श्लोक कहा है। उपरोक्त ग्रंथों के ज्ञान का सार बिंदुवार :

ईश्वर के बारे में :

ब्रह्म (परमात्मा) एक ही है जिसे कुछ लोग सगुण (साकार) तो कुछ लोग निर्गुण (निराकार) कहते हैं। हालांकि वह अजन्मा, अप्रकट है। उसका न कोई पिता है और न ही कोई उसका पुत्र है। वह किसी के भाग्य या कर्म को नियंत्रित नहीं करता। न कि वह किसी को दंड या पुरस्कार देता है। उसका न तो कोई प्रारंभ है और न ही अंत। वह अनादि और अनंत है। उसकी उपस्थिति से ही संपूर्ण ब्रह्मांड चलायमान है। सभी कुछ उसी से उत्पन्न होकर अंत में उसी में लीन हो जाता है। ब्रह्ममलीन।

ब्रह्मांड के बारे में :

यह दिखाई देने वाला जगत फैलता जा रहा है और दूसरी ओर से यह सिकुड़ता भी जा रहा है। लाखों सूर्य, तारे और धरतीयों का जन्म है, तो उसका अंत भी। जो जन्मा है वह मरेगा भी। सभी कुछ उसी ब्रह्म से जन्मे और उसी में लीन हो जाने वाले हैं। यह ब्रह्मांड परिवर्तनशील है। इस जगत का संचालन उसी की शक्ति से स्वत: ही होता है, जैसे कि सूर्य के आकर्षण से ही धरती अपनी धूरी पर टिकी हुई होकर चलायमान है। उसी तरह लाखों सूर्य और तारे एक महासूर्य के आकर्षण से टिके होकर संचालित हो रहे हैं। उसी तरह लाखों महासूर्य उस एक ब्रह्मा की शक्ति से ही जगत में विद्यमान हैं।

आत्मा के बारे में :

आत्मा का स्वरूप ब्रह्म (परमात्मा) के समान है। जैसे सूर्य और दीपक में जो फर्क है उसी तरह आत्मा और परमात्मा में फर्क है। आत्मा के शरीर में होने के कारण ही यह शरीर संचालित हो रहा है। ठीक उसी तरह जिस तरह कि संपूर्ण धरती, सूर्य, ग्रह-नक्षत्र और तारे भी उस एक परमपिता की उपस्थिति से ही संचालित हो रहे हैं। आत्मा का न जन्म होता है और न ही उसकी कोई मृत्यु होती है। आत्मा एक शरीर को छोड़कर दूसरा शरीर धारण करती है। यह आत्मा अजर और अमर है। आत्मा को प्रकृति द्वारा 3 शरीर मिलते हैं- एक, वह जो स्थूल आंखों से दिखाई देता है। दूसरा, वह जिसे सूक्ष्म शरीर कहते हैं, जो कि ध्यानी को ही दिखाई देता है और तीसरा, वह शरीर जिसके कारण शरीर कहते हैं, उसे देखना अत्यंत ही मुश्किल है। बस उसे वही आत्मा महसूस करती है, जो कि उसमें रहती है। आप और हम दोनों ही आत्मा हैं। हमारे नाम और शरीर अलग-अलग हैं लेकिन भीतरी स्वरूप एक ही हैं।

स्वर्ग और नरक के बारे में :

वेदों के अनुसार पुराणों के स्वर्ग या नर्क को गतियों से समझा जा सकता है। स्वर्ग और नर्क 2 गतियां हैं। आत्मा जब देह छोड़ती है तो मूलत: 2 तरह की गतियां होती हैं- 1.अगति और 2.गति।

1.अगति : अगति में व्यक्ति को मोक्ष नहीं मिलता है उसे फिर से जन्म लेना पड़ता है।

2.गति : गति में जीव को किसी लोक में जाना पड़ता है या वह अपने कर्मों से मोक्ष प्राप्त कर लेता है।

*अगति के 4 प्रकार हैं- 1.क्षिणोदर्क, 2.भूमोदर्क, 3.अगति और 4. दुर्गति।

*क्षिणोदर्क : क्षिणोदर्क अगति में जीव पुन: पुण्यात्मा के रूप में मृत्युलोक में आता है और संतों-सा जीवन जीता है।

*भूमोदर्क : भूमोदर्क में वह सुखी और ऐश्वर्यशाली जीवन पाता है।

*अगति : अगति में नीच या पशु जीवन में चला जाता है।

*दुर्गति : दुर्गति में वह कीट-कौड़ों जैसा जीवन पाता है।

* गति के भी 4 प्रकार- गति के अंतर्गत 4 लोक दिए गए हैं- 1. ब्रह्मलोक, 2.देवलोक, 3.पितृलोक और 4.नर्कलोक। जीव अपने कर्मों के अनुसार उक्त लोकों में जाता है।

तीन मार्गों से यात्रा :

जब भी कोई मनुष्य मरता है या आत्मा शरीर को त्यागकर यात्रा प्रारंभ करती है तो इस दौरान उसे 3 प्रकार के मार्ग मिलते हैं। ऐसा कहते हैं कि उस आत्मा को किस मार्ग पर चलाया जाएगा और यह केवल उसके कर्मों पर निर्भर करता है। ये 3 मार्ग हैं- अर्चि मार्ग, धूम मार्ग और उत्पत्ति-विनाश मार्ग। अर्चि मार्ग ब्रह्मलोक और देवलोक की यात्रा के लिए होता है, वहीं धूममार्ग पितृलोक की यात्रा पर ले जाता है और उत्पत्ति-विनाश मार्ग नर्क की यात्रा के लिए है।

धर्म और मोक्ष के बारे में :

धर्मग्रंथों के अनुसार धर्म का अर्थ है यम और नियम को समझकर उसका पालन करना। नियम ही धर्म है। धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष में से मोक्ष ही अंतिम लक्ष्य होता है। हिन्दू धर्म के अनुसार व्यक्ति को मोक्ष के बारे में विचार करना चाहिए। मोक्ष क्या है? स्थितप्रज्ञ आत्मा को मोक्ष मिलता है। मोक्ष का भावार्थ यह कि आत्मा शरीर नहीं है, इस सत्य को पूर्णत: अनुभव करके ही अशरीरी होकर स्वयं के अस्तित्व को पुख?ता करना ही मोक्ष की प्रथम सीढ़ी है।

व्रत और त्योहार के बारे में :

हिन्दू धर्म के सभी व्रत, त्योहार या तीर्थ सिर्फ मोक्ष की प्राप्त हेतु ही निर्मित हुए हैं। मोक्ष तब मिलेगा जब व्यक्ति स्वस्थ रहकर प्रसन्नचित्त और खुशहाल जीवन जीएगा। व्रत से शरीर और मन स्वस्थ होता है। त्योहार से मन प्रसन्न होता है और तीर्थ से मन और मस्तिष्क में वैराग्य और अध्यात्म का जन्म होता है।

मौसम और ग्रह-नक्षत्रों की गतियों को ध्यान में रखकर बनाए गए व्रत और त्योहारों का महत्व अधिक है। व्रतों में चतुर्थी, एकादशी, प्रदोष, अमावस्या, पूर्णिमा, श्रावण मास और कार्तिक मास के दिन व्रत रखना श्रेष्ठ है। यदि उपरोक्त सभी नहीं रख सकते हैं तो श्रावण के पूरे महीने व्रत रखें। त्योहारों में मकर संक्रांति, महाशिवरात्रि, नवरात्रि, रामनवमी, कृष्ण जन्माष्टमी और हनुमान जन्मोत्सव ही मनाएं। पर्व में श्राद्ध और कुंभ का पर्व जरूर मनाएं।

व्रत करने से काया निरोगी और जीवन में शांति मिलती है। सूर्य की 12 और 12 चन्द्र की संक्रांतियां होती हैं। सूर्य संक्रांतियों में उत्सव का अधिक महत्व है, तो चन्द्र संक्रांति में व्रतों का अधिक महत्व है। चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ, आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद, आश्विन, कार्तिक, अगहन, पौष, माघ और फाल्गुन। इसमें से श्रावण मास को व्रतों में सबसे श्रेष्ठ मास माना गया है। इसके अलावा प्रत्येक माह की एकादशी, चतुर्दशी, चतुर्थी, पूर्णिमा, अमावस्या और अधिकमास में व्रतों का अलग-अलग महत्व है। सौरमास और चान्द्रमास के बीच बढ़े हुए दिनों को मलमास या अधिकमास कहते हैं। साधुजन चातुर्मास अर्थात 4 महीने श्रावण, भाद्रपद, आश्विन और कार्तिक माह में व्रत रखते हैं।

उत्सव, पर्व और त्योहार सभी का अलग-अलग अर्थ और महत्व है। प्रत्येक ऋतु में एक उत्सव है। उन त्योहार, पर्व या उत्सव को मनाने का महत्व अधिक है जिनकी उत्पत्ति स्थानीय परंपरा या संस्कृति से न होकर जिनका उल्लेख वैदिक धर्मग्रंथ, धर्मसूत्र, स्मृति, पुराण और आचार संहिता में मिलता है। चन्द्र और सूर्य की संक्रांतियों के अनुसार कुछ त्योहार मनाए जाते हैं। 12 सूर्य संक्रांतियां होती हैं जिसमें 4 प्रमुख हैं- मकर, मेष, तुला और कर्क। इन 4 में मकर संक्रांति महत्वपूर्ण है। सूर्योपासना के लिए प्रसिद्ध पर्व है छठ, संक्रांति और कुंभ। पर्वों में रामनवमी, कृष्ण जन्माष्टमी, गुरुपूर्णिमा, वसंत पंचमी, हनुमान जयंती, नवरात्रि, शिवरात्रि, होली, ओणम, दीपावली, गणेश चतुर्थी और रक्षाबंधन प्रमुख हैं। हालांकि सभी में मकर संक्रांति और कुंभ को सर्वोच्च माना गया है।

तीर्थ के बारे में :

तीर्थ और तीर्थयात्रा का बहुत पुण्य है। जो मनमाने तीर्थ और तीर्थ पर जाने के समय हैं, उनकी यात्रा का सनातन धर्म से कोई संबंध नहीं। तीर्थों में 4 धाम ज्योतिर्लिंग, अमरनाथ, शक्तिपीठ और सप्तपुरी की यात्रा का ही महत्व है। अयोध्या, मथुरा, काशी और प्रयाग को तीर्थों का प्रमुख केंद्र माना जाता है जबकि कैलाश मानसरोवर को सर्वोच्च तीर्थ माना गया है। बद्रीनाथ, द्वारका, रामेश्वरम और जगन्नाथपुरी ये 4 धाम हैं। सोमनाथ, द्वारका, महाकालेश्वर, श्रीशैल, भीमाशंकर, ?कारेश्वर, केदारनाथ, विश्वनाथ, त्र्यंबकेश्वर, रामेश्वरम, घृष्णेश्वर और बैद्यनाथ ये द्वादश ज्योतिर्लिंग हैं। काशी, मथुरा, अयोध्या, द्वारका, माया, कांची और अवंति उज्जैन ये सप्तपुरियां हैं। उपरोक्त कहे गए तीर्थ की यात्रा ही धर्मसम्मत है।

संस्कार के बारे में :

संस्कारों के प्रमुख प्रकार 16 बताए गए हैं जिनका पालन करना हर हिन्दू का कर्तव्य है। इन संस्कारों के नाम है- गर्भाधान, पुंसवन, सीमंतोन्नयन, जातकर्म, नामकरण, निष्क्रमण, अन्नप्राशन, मुंडन, कर्णवेधन, विद्यारंभ, उपनयन, वेदारंभ, केशांत, सम्वर्तन, विवाह और अंत्येष्टि। प्रत्येक हिन्दू को उक्त संस्कार को अच्छे से नियमपूर्वक करना चाहिए। यह मनुष्य के सभ्य और हिन्दू होने की निशानी है। उक्त संस्कारों को वैदिक नियमों के द्वारा ही संपन्न किया जाना चाहिए।

पाठ करने के बारे में :

वेदों, उपनिषद या गीता का पाठ करना या सुनना प्रत्येक हिन्दू का कर्तव्य है। उपनिषद और गीता का स्वयं अध्ययन करना और उसकी बातों की किसी जिज्ञासु के समक्ष चर्चा करना पुण्य का कार्य है। लेकिन किसी बहसकर्ता या भ्रमित व्यक्ति के समक्ष वेद वचनों को कहना निषेध माना जाता है। प्रतिदिन धर्मग्रंथों का कुछ पाठ करने से देव शक्तियों की कृपा मिलती है। हिन्दू धर्म में वेद, उपनिषद और गीता के पाठ करने की परंपरा प्राचीनकाल से रही है। वक्त बदला तो लोगों ने पुराणों में उल्लेखित कथा की परंपरा शुरू कर दी, जबकि वेदपाठ और गीता पाठ का अधिक महत्व है।

धर्म, कर्म और सेवा के बारे में :

धर्म-कर्म और सेवा का अर्थ यह कि हम ऐसा कार्य करें जिससे हमारे मन और मस्तिष्क को शांति मिले और हम मोक्ष का द्वार खोल पाएं। साथ ही जिससे हमारे सामाजिक और राष्ट्रीय हित भी साधे जाते हों अर्थात ऐसा कार्य जिससे परिवार, समाज, राष्ट्र और स्वयं को लाभ मिले। धर्म-कर्म को कई तरीके से साधा जा सकता है, जैसे- 1.व्रत, 2. सेवा, 3.दान, 4.यज्ञ, 5.प्रायश्चित, दीक्षा देना और मंदिर जाना आदि।

सेवा का मतलब यह कि सर्वप्रथम माता-पिता, फिर बहन-बेटी, फिर भाई-बंधु की किसी भी प्रकार से सहायता करना ही धार्मिक सेवा है। इसके बाद अपंग, महिला, विद्यार्थी, संन्यासी, चिकित्सक और धर्म के रक्षकों की सेवा-सहायता करना पुण्य का कार्य माना गया है। इसके अलावा सभी प्राणियों, पक्षियों, गाय, कुत्ते, कौओं, चींटी आति को अन्न-जल देना- ये सभी यज्ञ कर्म में आते हैं।

दान के बारे में :

दान से इन्द्रिय भोगों के प्रति आसक्ति छूटती है। मन की ग्रथियां खुलती हैं जिससे मृत्युकाल में लाभ मिलता है। देव आराधना का दान सबसे सरल और उत्तम उपाय है। वेदों में 3 प्रकार के दाता कहे गए हैं- 1.उक्तम, 2.मध्यम और 3. निकृष?टतम। धर्म की उन्नति, रूप, सत्य विद्या के लिए जो देता है, वह उत्तम। कीर्ति या स्वार्थ के लिए जो देता है वह मध्यम और जो वेश ?यागमनादि, भांड, भाटे, पंडे को देता वह निकृष्ट माना गया है। पुराणों में अन्नदान, वस्त्रदान, विद्यादान, अभयदान और धनदान को ही श्रेष्ठ माना गया है, यही पुण ?य भी है।

यज्ञ के बारे में :

यज्ञ के प्रमुख 5 प्रकार हैं- ब्रहमयज्ञ, देवयज्ञ, पितृयज्ञ, वैश्वदेव यज्ञ और अतिथि यज्ञ। यज्ञ पालन से ऋषि ऋण, देव ऋण, पितृ ऋण, धर्म ऋण, प्रकृति ऋण और मातृ ऋण समाप्त होता है। नित्य संध्यावंदन, स्वाध्याय तथा वेदपाठ करने से ब्रह्म यज्ञ संपन्न होता है। देवयज्ञ सत्संग तथा अग्निहोत्र कर्म से संपन्न होता है। अग्नि जलाकर होम करना अग्निहोत्र यज्ञ है। पितृयज्ञ को श्राद्धकर्म भी कहा गया है। यह यज्ञ पिंडदान, तर्पण और संतानोत्पत्ति से संपन्न होता है। वैश्वदेव यज्ञ को भूत यज्ञ भी कहते हैं। सभी प्राणियों तथा वृक्षों के प्रति करुणा और कर्तव्य समझना व उन्हें अन्न-जल देना ही भूत यज्ञ कहलाता है। अतिथि यज्ञ से अर्थ मेहमानों की सेवा करना। अपंग, महिला, विद्यार्थी, संन्यासी, चिकित्सक और धर्म के रक्षकों की सेवा-सहायता करना ही अतिथि यज्ञ है। इसके अलावा अग्निहोत्र, अश्वमेध, वाजपेय, सोमयज्ञ, राजसूय और अग्निचयन का वर्णण यजुर्वेद में मिलता है।

मंदिर जाने के बारे में :

प्रति गुरुवार को मंदिर जाना चाहिए। घर में मंदिर नहीं होना चाहिए। मंदिर में जाकर परिक्रमा करना चाहिए। भारत में मंदिरों, तीर्थों और यज्ञादि की परिक्रमा का प्रचलन प्राचीनकाल से ही रहा है। मंदिर की 7 बार (सप्तपदी) परिक्रमा करना बहुत ही महत्वपूर्ण है। यह 7 परिक्रमा विवाह के समय अग्नि के समक्ष भी की जाती है। इसी प्रदक्षिणा को इस्लाम धर्म ने परंपरा से अपनाया जिसे तवाफ कहते हैं। प्रदक्षिणा षोडशोपचार पूजा का एक अंग है। प्रदक्षिणा की प्रथा अतिप्राचीन है। हिन्दू सहित जैन, बौद्ध और सिख धर्म में भी परिक्रमा का महत्व है। इस्लाम में मक्का स्थित काबा की 7 परिक्रमा का प्रचलन है। पूजा-पाठ, तीर्थ परिक्रमा, यज्ञादि पवित्र कर्म के दौरान बिना सिले सफेद या पीत वस्त्र पहनने की परंपरा भी प्राचीनकाल से हिन्दुओं में प्रचलित रही है। मंदिर जाने या संध्यावंदन के पूर्व आचमन या शुद्धि करना जरूरी है। इसे इस्लाम में वुजू कहा जाता है।

संध्यावंदन के बारे में :

संध्यावंदन को संध्योपासना भी कहते हैं। मंदिर में जाकर संधिकाल में ही संध्यावंदन की जाती है। वैसे संधि 8 वक्त की मानी गई है। उसमें भी 5 महत्वपूर्ण हैं। 5 में से भी सूर्य उदय और अस्त अर्थात 2 वक्त की संधि महत्वपूर्ण है। इस समय मंदिर या एकांत में शौच, आचमन, प्राणायामादि कर गायत्री छंद से निराकार ईश्वर की प्रार्थना की जाती है। संध्योपासना के 4 प्रकार हैं- 1.प्रार्थना, 2.ध्यान, 3. कीर्तन और 4.पूजा-आरती। व्यक्ति की जिसमें जैसी श्रद्धा है, वह वैसा करता है।

धर्म की सेवा के बारे में :

धर्म की प्रशंसा करना और धर्म के बारे में सही जानकारी को लोगों तक पहुंचाना प्रत्येक हिन्दू का कर्तव्य होता है। धर्म प्रचार में वेद, उपनिषद और गीता के ज्ञान का प्रचार करना ही उत्तम माना गया है। धर्म प्रचारकों के कुछ प्रकार हैं। हिन्दू धर्म को पढ़ना और समझना जरूरी है। हिन्दू धर्म को समझकर ही उसका प्रचार और प्रसार करना जरूरी है। धर्म का सही ज्ञान होगा, तभी उस ज्ञान को दूसरे को बताना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को धर्म प्रचारक होना जरूरी है। इसके लिए भगवा वस्त्र धारण करने या संन्यासी होने की जरूरत नहीं। स्वयं के धर्म की तारीफ करना और बुराइयों को नहीं सुनना ही धर्म की सच्ची सेवा है।

मंत्र के बारे में :

वेदों में बहुत सारे मंत्रों का उल्लेख मिलता है, लेकिन जपने के लिए सिर्फ प्रणव और गायत्री मंत्र ही कहा गया है, बाकी मंत्र किसी विशेष अनुष्ठान और धार्मिक कार्यों के लिए है। वेदों में गायत्री नाम से छंद है जिसमें हजारों मंत्र हैं किंतु प्रथम मंत्र को ही गायत्री मंत्र माना जाता है। उक्त मंत्र के अलावा किसी अन्य मंत्र का जाप करते रहने से समय और ऊर्जा की बर्बादी है। गायत्री मंत्र की महिमा सर्वविदित है। दूसरा मंत्र है महामृत्युंजय मंत्र, लेकिन उक्त मंत्र के जप और नियम कठिन है इसे किसी जानकार से पूछकर ही जपना चाहिए।

प्रायश्चित के बारे में :

प्राचीनकाल से ही हिन्दुओं में मंदिर में जाकर अपने पापों के लिए प्रायश्चित करने की परंपरा रही है। प्रायश्चित करने के महत्व को स्मृति और पुराणों में विस्तार से समझाया गया है। गुरु और शिष्य परंपरा में गुरु अपने शिष्य को प्रायश्चित करने के अलग-अलग तरीके बताते हैं। दुष्कर्म के लिए प्रायश्चित करना तपस्या का एक दूसरा रूप है। यह मंदिर में देवता के समक्ष 108 बार साष्टांग प्रणाम, मंदिर के इर्द-गिर्द चलते हुए साष्टांग प्रणाम और कावडी अर्थात वह तपस्या, जो भगवान मुरुगन को अर्पित की जाती है, जैसे कृत्यों के माध्यम से की जाती है। मूलत: अपने पापों की क्षमा भगवान शिव और वरुणदेव से मांगी जाती है, क्योंकि क्षमा का अधिकार उनको ही है। जैन धर्म में 'क्षमा पर्व' प्रायश्चित करने का दिन है।

दीक्षा देने के बारे में :

दीक्षा देने का प्रचलन वैदिक ऋषियों ने प्रारंभ किया था। प्राचीनकाल में पहले शिष्य और ब्राह्मण बनाने के लिए दीक्षा दी जाती थी। माता-पिता अपने बच्चों को जब शिक्षा के लिए भेजते थे तब भी दीक्षा दी जाती थी। हिन्दू धर्मानुसार दिशाहीन जीवन को दिशा देना ही दीक्षा है। दीक्षा एक शपथ, एक अनुबंध और एक संकल्प है। दीक्षा के बाद व्यक्ति द्विज बन जाता है। द्विज का अर्थ दूसरा जन्म। दूसरा व्यक्तित्व। सिख धर्म में इसे अमृत संचार कहते हैं।

यह दीक्षा देने की परंपरा जैन धर्म में भी प्राचीनकाल से रही है, हालांकि दूसरे धर्मों में दीक्षा को अपने धर्म में धर्मांतरित करने के लिए प्रयुक्त किया जाने लगा। हिन्दू धर्म से इस परंपरा को ईसाई धर्म ने अपनाया जिसे वे बपस्तिमा कहते हैं। अलग-अलग धर्मों में दीक्षा देने के भिन्न-भिन्न तरीके हैं। यहूदी धर्म में खतना करके दीक्षा दी जाती है।

वेद से निकला षड्दर्शन

वेद और उपनिषद को पढ़कर ही 6 ऋषियों ने अपना दर्शन गढ़ा है। इसे भारत का षड्दर्शन कहते हैं। दरअसल, यह वेद के ज्ञान का श्रेणीकरण है। ये 6 दर्शन हैं- 1.न्याय, 2.वैशेषिक, 3.सांख्य, 4. योग, 5.मीमांसा और 6.वेदांत। वेदों के अनुसार सत्य या ईश्वर को किसी एक माध्यम से नहीं जाना जा सकता। इसीलिए वेदों ने कई मार्गों या माध्यमों की चर्चा की है।

राज्यसभा में मजबूत हो सकता है एनडीए, बदले राजनीतिक समीकरणों पर नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की स्थिति आने वाले महीनों में और मजबूत हो सकती है। हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों और विभिन्न दलों में बदलते समीकरणों के बाद भाजपा नेतृत्व वाले गठबंधन के लिए उच्च सदन में दो-तिहाई बहुमत जुटाने की संभावनाओं पर चर्चा तेज हो गई है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार पश्चिम बंगाल में टीएमसी की टूट, आम आदमी पार्टी के कुछ सांसदों के भाजपा खेमे में जाने और विभिन्न राज्यों में बदलते राजनीतिक समीकरणों ने एनडीए की स्थिति को मजबूत किया है। इसके अलावा पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु की राजनीति में लगातार संभावित बदलावों पर भी नजर रखी जा रही है। संविधान संशोधन जैसे महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराने के लिए संसद के दोनों सदनों में विशेष बहुमत की आवश्यकता होती है। ऐसे में राज्यसभा में संख्या बल बढ़ाना केंद्र सरकार के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि विपक्षी दल इन दावों को राजनीतिक अटकलें बताते हुए कहते हैं कि आगामी चुनाव और क्षेत्रीय दलों की रणनीतियां ही भविष्य की तस्वीर स्पष्ट करेंगी। फिलहाल राज्यसभा के बदलते समीकरण राष्ट्रीय राजनीति का महत्वपूर्ण विषय बने हुए हैं।

ऑटोमेटिक सिग्नलिंग कार्य से 21 ट्रेनें प्रभावित, कई मार्ग बदले गए

बरेली (एजेंसी)। मुरादाबाद-गाजियाबाद रेलखंड के पिलखुआ-कुचेसर रोड सेक्शन में ऑटोमेटिक ब्लॉक सिग्नलिंग कमीशनिंग कार्य के चलते रेलवे ने 21 ट्रेनों के संचालन में बदलाव किया है। इसके तहत कई ट्रेनों के मार्ग परिवर्तित किए गए हैं, जबकि कुछ को पुनर्निर्धारित और नियंत्रित कर चलाया जाएगा। रेलवे अधिकारियों के अनुसार लालकुआं-आनंद विहार एक्सप्रेस, छपरा-दिल्ली एक्सप्रेस, न्यू जलपाईगुड़ी-उधना एक्सप्रेस, लखनऊ-आनंद विहार एक्सप्रेस और सहरसा-अमृतसर एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनों को वैकल्पिक मार्गों से चलाया जाएगा। कुछ ट्रेनों का बरेली, मुरादाबाद, अमरोहा और हापुड़ जैसे स्टेशनों पर ठहराव भी अस्थायी रूप से समाप्त रहेगा। इसके अलावा सहरसा-आनंद विहार, मुजफ्फरपुर-पोरबंदर और लालकुआं-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस समेत आठ ट्रेनों को निर्धारित समय से देरी से रवाना किया जाएगा। रेलवे ने यात्रियों से यात्रा से पहले ट्रेन की स्थिति जांचने की अपील की है।

पुर्तगाल में फायरिंग के बाद विदेशी धरती पर गैंगवार की चर्चा तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। पुर्तगाल में हुई एक कथित फायरिंग घटना के बाद विदेशों में सक्रिय भारतीय मूल के आपराधिक गिरोहों के बीच गैंगवार की चर्चाएं तेज हो गई हैं। सोशल मीडिया पर वायरल पोस्टों में राहुल आर.के. मीणा और सुनील मीणा गैंग का नाम सामने आया है, हालांकि इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वायरल पोस्टों में दावा किया गया है कि पुर्तगाल के विला नोवा डी मिलफोंटेस क्षेत्र में एक कथित प्रतिद्वंद्वी गिरोह के ठिकाने पर कई राउंड फायरिंग की गई। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो और ऑडियो संदेशों में कुछ लोगों ने घटना की जिम्मेदारी लेने का भी दावा किया है। पोस्ट में इसे प्रतिद्वंद्वी गिरोहों के लिए चेतावनी बताया गया है और भविष्य में गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई है। हालांकि स्थानीय पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि विदेशों में सक्रिय भारतीय मूल के अपराधी नेटवर्क और उनके बीच बढ़ते टकराव चिंता का विषय हैं। फिलहाल वायरल सामग्री की सत्यता और घटना की परिस्थितियों की जांच की जा रही है।

दिल्ली के अयप्पा मंदिर में सबरीसम भवन का उद्घाटन करेंगे शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह रविवार को नई दिल्ली के आरके पुरम स्थित प्रसिद्ध अयप्पा मंदिर परिसर में नवनिर्मित सबरीसम भवन का उद्घाटन करेंगे। यह उद्घाटन समारोह शाम 5:30 बजे आयोजित किया जाएगा, जहां गृह मंत्री शाह औपचारिक रूप से इस नवनिर्मित भवन को श्रद्धालुओं और मंदिर समुदाय को समर्पित करेंगे। इस नई सुविधा का मुख्य उद्देश्य मंदिर के बुनियादी ढांचे का विस्तार करना तथा उसकी धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों को और अधिक सशक्त बनाना है। मंदिर प्रशासन के अधिकारियों के अनुसार, सबरीसम भवन वर्षभर आयोजित होने वाले विभिन्न आध्यात्मिक समारोहों, सामुदायिक कार्यक्रमों, धर्मार्थ पहलों और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में कार्य करेगा। इस उद्घाटन कार्यक्रम की महत्ता को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्री के कार्यालय ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए लिखा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह नई दिल्ली के अयप्पा मंदिर परिसर में नवनिर्मित सबरीसम भवन का उद्घाटन करेंगे। नई दिल्ली के आरके पुरम में स्थित अयप्पा मंदिर को पूरे उत्तर भारत में भगवान अयप्पा के सबसे प्रमुख और पूजनीय मंदिरों में से एक माना जाता है। वर्ष 1980 में स्थापित किया गया यह भव्य मंदिर अपनी पारंपरिक केरल शैली की उत्कृष्ट वास्तुकला के लिए देश भर में प्रसिद्ध है। यह मंदिर दिल्ली-एनसीआर के साथ-साथ आसपास के पड़ोसी राज्यों से भी बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए गहरी आस्था का केंद्र है। समय के साथ यह राष्ट्रीय राजधानी में रह रहे मलयाली समुदाय और भगवान अयप्पा के भक्तों के लिए एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक मंच के रूप में विकसित हुआ है। इस मंदिर में नियमित रूप से पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठान, भजन, विशेष पूजा, सांस्कृतिक उत्सव तथा जनसेवा से जुड़े अनेक कार्य आयोजित किए जाते हैं। इसकी भूमिका केवल पूजा-अर्चना तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यहां सामाजिक कल्याण और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने वाले कई बड़े सेवा कार्य भी संचालित किए जाते हैं।

कैप्टन अमरिंदर सिंह शाह-नड्डा से मिले, कांग्रेस वापसी की अटकलें खारिज

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के वरिष्ठ नेता जे.पी. नड्डा से मुलाकात की। इस उच्च-स्तरीय बैठक ने न केवल उनके कांग्रेस में लौटने की तमाम अटकलों पर विराम लगा दिया, बल्कि 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों से पहले राज्य में भाजपा की रणनीति और संगठन विस्तार के लिए इसे बेहद अहम माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, कैप्टन ने पंजाब की मौजूदा राजनीतिक स्थिति, भाजपा के जनाधार को मजबूत करने और पार्टी के सामने मौजूद चुनौतियों को लेकर अपने अनुभव साझा किए।

जंतर-मंतर के प्रदर्शन को बताया ट्रेलर और दे दिया सरकार को अल्टीमेटम

-कॉकरोच जनता पार्टी ने कहा- मांग नहीं मानी गई तो 7 दिन बाद फिर लौटेंगे

-शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर आंदोलन तेज करने की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। परीक्षा प्रणाली में कथित अनियमितताओं, पेपर लीक की घटनाओं और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने शनिवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद रविवार को पार्टी ने सोशल मीडिया पर कार्यक्रम का वीडियो साझा करते हुए केंद्र सरकार को सात दिन का अल्टीमेटम दिया है और चेतावनी दी है कि मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा।

कॉकरोच जनता पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए वीडियो के साथ लिखा कि शिक्षा व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया गया और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग उठाई गई। पार्टी ने दावा किया कि यह केवल शुरुआत है और यदि जवाबदेही तय नहीं की गई तो आंदोलन का दायरा और बड़ा होगा। प्रदर्शन के दौरान सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछले एक महीने से शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की जा रही है, लेकिन इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि परीक्षा प्रणाली में लगातार सामने आ रही समस्याओं के बावजूद सरकार छात्रों और युवाओं की चिंताओं को गंभीरता से नहीं ले रही है।

आंदोलन को दिया जाएगा देशव्यापी स्वरूप

कॉकरोच जनता पार्टी ने अपने बयान में कहा है कि यदि सात दिनों के भीतर केंद्रीय शिक्षा मंत्री को पद से नहीं हटाया गया तो अगले शनिवार को फिर से जंतर-मंतर पर प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। साथ ही आंदोलन को देशव्यापी स्वरूप देने की भी चेतावनी दी गई है। अभिजीत दीपके ने कहा कि मौजूदा प्रदर्शन आंदोलन का अंत नहीं, बल्कि शुरुआत है। उन्होंने दावा किया कि यदि मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो छात्रों और युवाओं की आवाज को देश के हर राज्य और शहर तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा और रोजगार से जुड़े मुद्दों पर युवाओं में बढ़ती नाराजगी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

अनेक संगठन और समूह आए समर्थन में

प्रदर्शन को विभिन्न छात्र संगठनों और राजनीतिक समूहों का भी समर्थन मिला। आंदोलन स्थल पर कई छात्र नेता मौजूद रहे। सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षा सुधार के पक्षधर सोनम वांगचुक ने भी कार्यक्रम में पहुंचकर आंदोलन के प्रति समर्थन जताया। उन्होंने कहा कि जब न्याय और जवाबदेही की मांगों को अनसुना किया जाता है, तब लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाना आवश्यक हो जाता है। सीजेपी का यह प्रदर्शन ऐसे समय हुआ है जब देश में परीक्षा प्रणाली, पेपर लीक और शिक्षा सुधार जैसे मुद्दों को लेकर युवाओं और अभिभावकों में सरकार के प्रति नाराजगी जारी है।

मुंबई एयरपोर्ट पर सोना तस्करी का बड़ा खुलासा, भाजपा से जुड़े पदाधिकारी समेत 5 गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोना तस्करी के खिलाफ राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भाजपा से जुड़े एक पदाधिकारी सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने आरोपियों के कब्जे से 5 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का सोना और अन्य सामान बरामद किया है। डीआरआई द्वारा की गई इस कार्रवाई में गिरफ्तार आरोपियों में अजित आचरेकर का नाम प्रमुख रूप से सामने आया है। जानकारी के अनुसार, आचरेकर भाजपा की एक श्रमिक (कामगार) संगठन में सचिव के पद पर कार्यरत हैं। उनके अलावा रोहित कुमार सिंह, संतोष सुभाष, समीमुल्ला शाह, हमीद लेबेरीफखान और फलिल मोहम्मद कासिम को भी हिरासत में लिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, डीआरआई की टीम ने मुंबई एयरपोर्ट परिसर में संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर इन लोगों को रोका और पूछताछ शुरू की। जांच के दौरान अधिकारियों को सोना तस्करी से जुड़े महत्वपूर्ण सबूत मिले, जिसके बाद सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। प्रारंभिक जांच में बरामद सोने की कीमत 5 करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है। अधिकारियों का मानना है कि यह मामला केवल एक तस्करी की घटना नहीं, बल्कि किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़ा हो सकता है। जानकारी के अनुसार, अजित आचरेकर ने कुछ महीने पहले ही भाजपा की सदस्यता ग्रहण की थी। उनका पार्टी में प्रवेश महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण की मौजूदगी में आयोजित एक कार्यक्रम में हुआ था। इसके बाद उन्हें पार्टी की श्रमिक इकाई में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई थी। डीआरआई अब इस बात की जांच कर रही है कि इस तस्करी के पीछे कोई अंतरराष्ट्रीय सोना तस्करी गिरोह सक्रिय था या नहीं। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि विदेशों में मौजूद किन व्यक्तियों या संगठनों के नेटवर्क का इस्तेमाल इस अवैध कारोबार के लिए किया गया। अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच जारी है और आने वाले दिनों में इस तस्करी रैकेट से जुड़े अन्य लोगों के नाम भी सामने आ सकते हैं। फिलहाल सभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और बरामद सोने के स्रोत तथा उसके अंतिम गंतव्य का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

अब हरिद्वार में बिरयानी नाम पर ऐतराज, संतों ने वेज पुलाव कहने को कहा

-अखाड़ा के सदस्य बोले-इससे सनातनी समुदाय की धार्मिक भावनाओं का सम्मान होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरिद्वार,(ईएमएस)। हरिद्वार के अखंड परशुराम अखाड़ा ने भोजनालयों से अपने साइनबोर्ड और मेनू से बिरयानी शब्द हटाने का आग्रह किया है। उनका प्रस्ताव है कि पवित्र शहर की धार्मिक पवित्रता बनाए रखने के लिए वेज बिरयानी का नाम बदलकर वेज पुलाव कर दिया जाए। संतों ने हरिद्वार भर में कई खाद्य विक्रेताओं का दौरा किया और दावा किया कि चूंकि बिरयानी पारंपरिक रूप से मांसाहारी भोजन से जुड़ी है, इसलिए इस पवित्र धार्मिक स्थल पर इसका इस्तेमाल अनुचित है और इससे स्थानीय लोगों और आने वाले श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हो सकती हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अखंड परशुराम अखाड़ा के सदस्यों ने कहा कि प्रस्तावित बदलाव से विक्रेताओं के व्यवसाय पर कोई असर नहीं पड़ेगा, बल्कि इससे सनातनी समुदाय की धार्मिक भावनाओं का सम्मान होगा। अखाड़ा के एक सदस्य ने कहा कि हरिद्वार एक पवित्र नगर है। हमने दुकानदारों से आग्रह किया है कि मांस से बने व्यंजनों के पर्याय माने जाने वाले इस पकवान को यहां 'बिरयानी' के नाम से न बेचा जाए। हमने उनसे इसे 'वेज पुलाव' के नाम से बेचने को कहा है। सभी दुकानदारों से अनुरोध किया है कि वे अपने मेनू और साइनबोर्ड पर बिरयानी शब्द के स्थान पर वेज पुलाव लिखें। यदि कोई इसके बाद भी बिरयानी शब्द का प्रयोग करता रहेगा, तो हम उसके खिलाफ औपचारिक विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। हमारा उद्देश्य शहर की पवित्रता और धार्मिक वातावरण को बनाए रखना है। हम सभी विक्रेताओं से अनुरोध करते हैं कि वे इस अनुरोध में सहयोग करें ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार का विवाद न हो।

इंडिया ब्लॉक की बैठक से डीएमके-आप ने बनाई दूरी, जेएमएम भी नाराज

-सीपीआई-एम ने कहा- बीजेपी से 'डील' के आरोप गठबंधन की मूल भावना के खिलाफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिया ब्लॉक की सोमवार को होने वाली बैठक से पहले मतभेद सामने आ गए हैं। डीएमके द्वारा कांग्रेस की मौजूदगी के कारण इस बैठक से दूर रहने की घोषणा के बाद अब सीपीआई-एम ने भी कांग्रेस की कार्यशैली पर नाराजगी जताई है। सीपीआई-एम ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि केरल में उसके नेताओं द्वारा लगाए गए बीजेपी के साथ 'डील' के आरोप गठबंधन की मूल भावना के खिलाफ हैं। सूत्रों का कहना है कि झारखंड राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस द्वारा उम्मीदवार उतारे जाने से बाद से हेमंत सोरेन की पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा भी नाखुश है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीपीआई-एम महासचिव एम ए बेबी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र लिखकर इस मुद्दे पर स्पष्टीकरण मांगा है। साथ ही इस पत्र की कई कॉपियां गठबंधन के अन्य सहयोगी दलों को भी भेजी हैं। बेबी ने पत्र में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के बयानों पर ऐतराज जताया है। उन्होंने कहा कि केरल विधानसभा चुनाव अभियान में कांग्रेस ने बार-बार ये प्रचार किया कि सीपीआई-एम और बीजेपी के बीच राजनीतिक समझौता है और तत्कालीन सीएम पिनराई विजयन और पीएम मोदी के बीच खास डील हुई है। सीपीआई-एम ने इसे विपक्षी गठबंधन की भावना के खिलाफ बताया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक माकपा नेता ने इन आरोपों को पूरी तरह से मनगढ़ंत करार दिया है जिसे वो किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं कर सकते! उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व को याद दिलाया कि केरल की धरती पर आरएसएस और बीजेपी के खिलाफ सीधे राजनीतिक लड़ाई लड़ते हुए माकपा ने अपने सैकड़ों समर्पित कार्यकर्ताओं को खोया है। बेबी ने अपने पत्र में कहा कि इंडिया ब्लॉक बीजेपी के खिलाफ राजनीतिक लड़ाई के लिए बना था और ऐसे वक्त में सहयोगी दलों पर ही संदेह जताना गठबंधन की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाता है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इन आरोपों पर स्थिति स्पष्ट नहीं की गई तो 8 जून यानी सोमवार की गठबंधन बैठक से पहले ही एकता पर सवाल खड़े हो जाएंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस के रवैये पर कड़े सवाल उठाने के बावजूद सीपीआई-एम ने विपक्षी एकजुटता और समन्वय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है। बेबी ने साफ किया कि उनकी पार्टी संसद के अंदर मोदी सरकार की तानाशाही, सांप्रदायिक और जनविरोधी नीतियों का मजबूती से विरोध करने के लिए अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर काम करती रहेगी। वहीं, दिल्ली में होने वाली इस रणनीतिक बैठक में ममता बनर्जी, अभिषेक बनर्जी, उद्धव ठाकरे, अखिलेश यादव और राहुल गांधी जैसे शीर्ष नेताओं के शामिल होने की संभावना है। हालांकि, कांग्रेस के साथ मतभेदों के चलते डीएमके के इस बैठक में शामिल होने की उम्मीद कम हैं। दूसरी ओर आम आदमी पार्टी ने भी इस बैठक से दूरी बना ली है, जिससे विपक्षी गठबंधन की एकजुटता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

उधर, झारखंड में आगामी राज्यसभा चुनावों में दो राज्यसभा सीटों में से एक पर कांग्रेस द्वारा अपने उम्मीदवार प्रणव झा की घोषणा करने पर जेएमएम भी कांग्रेस से नाराज है। सूत्रों का कहना है कि सीएम हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ जेएमएम राज्य की दोनों सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारना चाहती थी, क्योंकि जेएमएम-कांग्रेस गठबंधन के पास दोनों सीटें जीतने के लिए पर्याप्त संख्या बल है। इसी बीच शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने गठबंधन में किसी भी तरह की फूट या बिखराव के दावों को खारिज किया है। राउत ने कहा कि भले ही डीएमके ने इस बैठक से दूरी बना ली हो, लेकिन विपक्ष को तमिलनाडु में टीवीके के रूप में एक मजबूत वैकल्पिक मित्र मिल गया है।

कर्नाटक में रामलिंगा रेड्डी ने लिया इस्तीफा वापस, विपक्ष की रणनीति को झटका

-सुरजेवाला बोले- रेड्डी का व्यापक प्रशासनिक अनुभव पार्टी संरचना के लिए अमूल्य

बेंगलुरु (एजेंसी)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के कर्नाटक राज्य प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने घोषणा की है कि वरिष्ठ नेता रामलिंगा रेड्डी ने आधिकारिक तौर पर अपना इस्तीफा वापस ले लिया है। सुरजेवाला ने इस बात पर जोर दिया कि रेड्डी का व्यापक प्रशासनिक अनुभव पार्टी संरचना के लिए अमूल्य बना है और पुष्टि की कि अनुभवी राजनेता संगठन के एक निष्ठावान सिपाही के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वाह करते रहेंगे और अपना मंत्री पद बरकरार रखेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस समाधान ने विपक्ष की रणनीतियों को झकझोर दिया है, क्योंकि कांग्रेस नेतृत्व का कहना है कि आंतरिक परिवर्तन के सुचारू प्रबंधन को लेकर बीजेपी अभी भी स्तब्ध है। केंद्रीय नेतृत्व और रेड्डी के बीच संगठनात्मक शिकायतों के समाधान के लिए गहन चर्चा के बाद इस्तीफे को वापस लेने का फैसला लिया। मतभेद को एक संक्षिप्त गलतफहमी बताते हुए, सुरजेवाला ने राज्य इकाई में रामलिंगा रेड्डी के गहरे संस्थागत महत्व को दोहराया। गतिरोध को शीघ्रता से हल करके, पार्टी ने अपने मंत्रिमंडल की स्थिरता को बनाए रखने और एक अहम विधायी मोड़ पर एकजुट होकर सामने आने में सफलता प्राप्त की है। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि समाधान ने गुटबाजी की संभावित कमजोरियों को समाप्त कर दिया है, जिससे उच्च कमान को अपना पूरा ध्यान अपने मुख्य विधायी और शासन संबंधी एजेंडों पर केंद्रित करने का अवसर मिला है।

रिपोर्ट के मुताबिक नेतृत्व संकट को सुलझाने के साथ-साथ, कांग्रेस ने आगामी विधानसभा चुनावों के लिए अपनी रणनीतिक तैयारियों को सफलतापूर्वक सुव्यवस्थित कर लिया है। वरिष्ठ नेता बी के हरिप्रसाद ने अपने सहयोगियों के साथ राज्यसभा और राज्य विधान परिषद दोनों की अहम सीटों के लिए औपचारिक रूप से नामांकन दाखिल किया है। यह समन्वित नामांकन दाखिल करना पार्टी के राज्य तंत्र द्वारा अपनी विधायी शक्ति को मजबूत करने के लिए किए जा रहे उच्चस्तरीय समन्वित प्रयास को दर्शाता है। यह प्रक्रिया कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की उपस्थिति में किए गए हाई-प्रोफाइल नामांकन दाखिल करने के बाद हुई है, जो राज्य इकाई के दीर्घकालिक विकास के लिए केंद्र के मजबूत समर्थन का संकेत है।

युवा भविष्य को सुरक्षित करने में विश्वास रखते हैं, वे कठपुतली नहीं बनेंगे

बीजेपी अध्यक्ष नवीन ने बिना नाम लिए सीजेपी के संस्थापक पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने आरोप लगाया है कि कुछ ताकतें देश के युवाओं को नकारात्मक राजनीति की ओर धकेलने का कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत के युवा राष्ट्र निर्माण और अपने भविष्य को सुरक्षित करने में विश्वास रखते हैं। वे किसी के हाथ की कठपुतली नहीं बनेंगे। झारखंड के रांची में बुद्धिजीवियों के साथ संवाद करते हुए नितिन नबीन ने कहा कि कुछ लोग विदेश में बैठकर यह सोचते हैं कि वे भारत के युवाओं को दिशा दे सकते हैं। हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनका यह बयान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके के संदर्भ में माना जा रहा है।

उन्होंने कहा कि आज का युवा नवाचार, सृजन और राष्ट्र निर्माण की सोच के साथ आगे बढ़ रहा है। देश में करीब दो लाख स्टार्टअप युवाओं की मेहनत और प्रतिभा का परिणाम हैं। भारत वैश्विक सूचना प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। नबीन ने कहा कि विरोध करना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन यह लोकतांत्रिक मर्यादाओं के अंदर होना चाहिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जो लोग युवाओं को व्यवस्था विरोधी राजनीति की ओर धकेलना चाहते हैं, उन्हें समझ लेना चाहिए कि भारत का युवा सकारात्मक राजनीति का ही चयन करेगा। बीजेपी अध्यक्ष ने पीएम मोदी के विकसित भारत 2047 विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले 12 सालों में देश में बड़े बदलाव हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि 25 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी से बाहर आए हैं, 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है और 54 करोड़ जनधन खाते खोले गए हैं। उन्होंने महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण, स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना और स्वच्छता अभियान जैसी योजनाओं का भी उल्लेख किया। नबीन दो दिवसीय झारखंड दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने पार्टी नेताओं के साथ संगठनात्मक बैठकों में हिस्सा लिया और पार्टी को मजबूत करने पर चर्चा की। उनका यह दौरा झारखंड में राज्यसभा की दो सीटों के चुनाव से पहले अहम माना जा रहा है।

नाम बदलने की राजनीति: सांस्कृतिक पुनर्जागरण या राजनीतिक रणनीति?

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार और विभिन्न राज्यों में भाजपा की सरकारों ने स्थलों, इमारतों के नाम परिवर्तन का जो दौर चलाया उसे लेकर अब सवाल खड़े होने लगे हैं। देश में शहरों, गली-मोहल्ले, सड़कों, रेलवे स्टेशनों और अब विश्वविद्यालयों के नाम बदलने का सिलसिला लगातार तेज होता जा रहा है। हाल ही में भोपाल स्थित बरकतुल्ला विश्वविद्यालय का नाम बदलकर मां वाग्देवी भोजपाल विश्वविद्यालय किए जाने के प्रस्ताव पास होने के बाद यह बहस फिर तेज हो गई है कि नाम परिवर्तन के पीछे वास्तविक उद्देश्य क्या है।

अनावश्यक तौर पर किए जा रहे नाम परिवर्तन की आलोचना करने वालों का तर्क है कि यह प्रक्रिया राजनीतिक लाभ और भाजपा के वैचारिक एजेंडे का हिस्सा है। उनका कहना है कि नाम बदलने से रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और महंगाई जैसी मूलभूत समस्याओं का समाधान नहीं होता। विशेषज्ञों के अनुसार नाम परिवर्तन किए जाने से सरकार पर आर्थिक प्रभाव भी पड़ता है। सरकारी दस्तावेजों, साइनबोर्ड, वेबसाइटों और रिकॉर्ड को अपडेट करने में भारी खर्च आता है। इसके साथ ही सदियों की पहचान बने स्मारक अपनी असली पहचान भी खोते चले जाते हैं। उनकी पहचान कायम करने के लिए अलग से प्रयास किए जाते हैं, जिसमें काफी समय लग जाता है, जबकि दुनियाभर में ऐसे कार्यों की आलोचना ही होती है, कोई इसकी प्रशंसा नहीं करता दिखता। हालांकि समर्थकों का मानना है कि यह एक बार का निवेश है, जबकि सांस्कृतिक पहचान का लाभ लंबे समय तक बना रहता है।

विवाद को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी के नेता भी मुखर हुए हैं उन्होंने कहा है, कि यह कदम देश को औपनिवेशिक और विदेशी शासकों की विरासत से मुक्त कर भारतीय सांस्कृतिक पहचान को पुनर्स्थापित करने के लिए उठाए जा रहे हैं। पार्टी के अनुसार, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व वाले पुराने नामों को वापस लाकर राष्ट्रीय गौरव को मजबूत किया जा रहा है। इस पर विरोधी खेमा कहता देखा जाता है कि बरकतुल्ला भोपाली जैसे स्वतंत्रता सेनानी के नाम की जगह कोई और नाम रखा जाना औपनिवेशिक और विदेशी शासकों की विरासत से मुक्त करने जैसी सोच से जोड़कर कैसे देखा जा सकता है? अब इस तरह के नाम परिवर्तन को लेकर सोशल मीडिया पर विरोध दर्ज कराया जाने लगा है। विरोध करने वालों का कहना है कि नाम परिवर्तन करने की जगह मूलभूत समस्याओं पर ध्यान दिया जाए तो बेहतर होगा।

7.88 ग्राम ड्रग्स के साथ युवक गिरफ्तार

पुलिस ने कहा, नशे के कारोबार पर जारी रहेगी सख्त कार्रवाई

बिभा संवाददाता

राजमहल। राधानगर पुलिस को नशीले पदार्थों व अवैध कारोबार के खिलाफ गुप्त सूचना के अधर कर छापेमारी करते हुए 7.88 ग्राम एमडीएमए ड्रग के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। जिसकी जानकारी राजमहल एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी ने प्रेस कांफ्रेंस कर दिया। उन्होंने बताया कि 6 जून 2026 को पुलिस अधीक्षक को उधवा ओवर ब्रिज के पास अवैध रूप से मनोजेत्तेजक पदार्थ की खरीद-

बिक्री होने की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना की सत्यता जांचने और त्वरित कार्रवाई के लिए तत्काल एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। वहीं छापेमारी दल में उधवा बीडीओ सह सीओ जयंत कुमार तिवारी की मौजूदगी में राधानगर थाना पुलिस ने जैसे ही मौके पर दबिश दी, पुलिस को देखकर एक व्यक्ति भागने लगा। मुस्तैद पुलिस बलों ने घेराबंदी कर उसे खदेड़कर पकड़ लिया, जिसकी तलाशी लेने पर उसके पास से एमडीएमए ड्रग्स बरामद हुआ। कहा गिरफ्तार आरोपी की पहचान पहाड़गांव निवासी फिरोज शेख (23) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के पास से 7.88 ग्राम अवैध एमडीएमए ड्रग्स बरामद किया है। कहा इस मामले को लेकर राधानगर थाना में कांड संख्या 198/26 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 21/27 के तहत मामला दर्ज कर आगे का अनुसंधान शुरू कर दिया गया है। पुलिस ने नशीले पदार्थों को जब्त करने के साथ ही आरोपी फिरोज शेख को विधिवत गिरफ्तार कर लिया और रविवार को उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। साथ ही एसडीपीओ ने कहा कि नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी रहेगी और ऐसे कारोबार में शामिल लोगों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। वहीं छापेमारी टीम में उधवा के अंचलाधिकारी जयंत कुमार तिवारी, राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज, पुलिस अधिकारी पंकज कुमार दुबे, सुनील कुमार मेहता, हवलदार प्रहलाद मेहरा, आरक्षी दुलारचंद यादव सहित अन्य पुलिस बल शामिल थे।

होटल ड्रीम स्टार में देर रात बवाल, ठहरे युवकों और कर्मचारियों के बीच मारपीट

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । नगर थाना क्षेत्र के चौक बाजार स्थित होटल ड्रीम स्टार में शनिवार देर रात ठहरे युवकों और होटल कर्मचारियों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते मामला मारपीट तक पहुंच गया। घटना के बाद दोनों पक्षों ने नगर थाना में एक-दूसरे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार बिहार के पूर्णिया जिले के फुलवरिया निवासी विनोद कुमार चौहान अपने साथियों के साथ होटल के कमरा नंबर 201 और 203 में ठहरे हुए थे। देर रात किसी बात को लेकर होटल कर्मियों और युवकों के बीच कहासुनी हुई, जो बाद में मारपीट में बदल गई। घटना में विनोद कुमार चौहान को हल्की चोटें आईं। वहीं घायल विनोद कुमार चौहान ने होटल कर्मचारियों पर मारपीट का आरोप लगाते हुए नगर थाना में आवेदन दिया है। वहीं प्राथमिकी में गोपाल कुमार, सुसांत कुमार और राजा कुमार समेत अन्य लोगों को आरोपी बनाया गया है। इधर होटल प्रबंधन ने भी युवकों पर शराब पीकर हंगामा करने, कर्मचारियों के साथ मारपीट तथा जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। होटल मैनेजर गोपाल कुमार ने शिकायत में कुंदन यादव, रूपेश कुमार मंडल, राजू कुमार चौहान, विनोद कुमार चौहान, चंदन चौहान और अशोक मंडल को नामजद किया है। वहीं होटल प्रबंधन का कहना है कि संबंधित युवक अपने साथ शराब लेकर आए थे और नशे की हालत में होटल परिसर में हंगामा कर रहे थे। विरोध करने पर कर्मचारियों के साथ मारपीट की गई, जिसकी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद होने की बात कही जा रही है। सूत्रों के अनुसार, घटना को बिहार में लागू शराबबंदी से जोड़कर भी देखा जा रहा है। चर्चा है कि कमरे की जांच के दौरान बीयर के कई खाली कैन मिले हैं। हालांकि पुलिस ने मामले में जांच पूरी होने तक किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से इनकार किया है। वहीं नगर थाना प्रभारी अमित गुप्ता ने बताया कि दोनों पक्षों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

करंट की चपेट में आने से मासूम की मौत, घर में पसरा मातम

राजमहल(बिभा) । राजमहल थाना क्षेत्र के भैंसमारी गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहाँ बिजली के करंट की चपेट में आने से चार वर्षीय मासूम अंश कुमार की मौत हो गई। मिली प्राप्त जानकारी के अनुसार, अंश अपने घर के पास खेल रहा था, तभी वह अनजाने में बिजली के खुले तार या किसी करंट युक्त उपकरण की चपेट में आ गया। आनन-फानन में परिजनों ने उसे अस्पताल पहुँचाया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। वही घटना के बाद परिवार में चीख-पुकार मच गई है। मासूम के जाने से माँ-बाप का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे गाँव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। ग्रामीण एक छोटी-सी लापरवाही से बुझी इस जिंदगी पर अपना दुख व्यक्त कर रहे हैं। वहीं, स्थानीय पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जाँच शुरू कर दी है। पुलिस घटना के कारणों की पड़ताल कर रही है कि आखिर करंट लगने की वजह क्या थी और कहीं बिजली विभाग की लापरवाही तो नहीं है।

हज 2027 आवेदन से पहले पासपोर्ट दुरुस्त रखने का निर्देश

साहेबगंज (बिभा)। वर्ष 2027 में हज यात्रा पर जाने के इच्छुक लोगों के लिए हज कमेटी ऑफ इंडिया ने आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। वहीं जिला हज समन्वयक मोहम्मद अनवर अली ने हज यात्रियों से समय रहते पासपोर्ट बनवाने एवं उसकी वैधता सुनिश्चित करने की अपील की है। साथ ही उन्होंने बताया कि हज कमेटी ऑफ इंडिया के हालिया सर्कुलर के अनुसार हज 2027 के लिए आवेदन करने वाले सभी यात्रियों के पास मशीन रीडेबल वैध पासपोर्ट होना अनिवार्य है। पासपोर्ट की वैधता कम से कम 31 दिसंबर 2027 तक होनी चाहिए। जिला हज समन्वयक ने कहा कि जिन लोगों के पास पासपोर्ट नहीं है या जिनके पासपोर्ट की अवधि निर्धारित समय तक मान्य नहीं है, वे जल्द आवश्यक प्रक्रिया पूरी करें। उन्होंने आवेदन भरते समय विशेष सावधानी बरतने की सलाह देते हुए कहा कि पासपोर्ट में नाम स्पष्ट रूप से दर्ज होना चाहिए तथा सरनेम और लास्ट नेम का कॉलम खाली नहीं छोड़ा जाए। उन्होंने बताया कि पासपोर्ट में त्रुटिपूर्ण या अधूरी जानकारी होने पर हज आवेदन और सत्यापन प्रक्रिया में परेशानी हो सकती है। इसलिए सभी आवेदकों को निर्देशों का पालन करते हुए सही जानकारी के साथ आवेदन भरना चाहिए। वहीं मोहम्मद अनवर अली ने कहा कि समय रहते सभी औपचारिकताएं पूरी कर लेने से हज आवेदन प्रक्रिया सुचारु रूप से संपन्न होगी और यात्रियों को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ेगा।

एसआईआर व संगठन मजबूती को लेकर झामुमो प्रखंड कमिटी की बैठक आयोजित

बिभा संवाददाता

उधवा । उधवा प्रखंड स्थित आलम पेट्रोल पंप के निकट टूनू स्कूल परिसर में रविवार को एसआईआर एवं संगठन मजबूती को लेकर झामुमो की प्रखंड कमिटी बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अय्यूब अली ने किया। बैठक में मुख्य रूप से झामुमो जिला अध्यक्ष अरुण सिंह,जिला सचिव सुरेश टुडू,सांसद प्रतिनिधि संजीव सामू हेंब्रम,केंद्रीय समिति सदस्य एखलाकुर रहमान,महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष बसंती हांसदा आदि शामिल हुए। बैठक के दौरान प्रखंड कमिटी,पंचायत कमिटी, बीएलए-2 एवं दर्जन कार्यकर्ता उपस्थित हुए। इस दौरान जिलाध्यक्ष अरुण सिंह ने एसआईआर एवं संगठन मजबूती को लेकर एसआईआर मैपिंग,एलोमनी (विसंगति) सूची में नाम आने एवं एसआईआर की पूरी प्रक्रिया को

लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों से रिपोर्ट मिल रही है कि इनोमली (विसंगति) सूची में नाम आ रहा है। वैसे मतदाता संबंधित बीएलओ से मिलकर इसका समाधान करा लें। कहा कि एसआईआर के दौरान किसी भी वास्तविक मतदाताओं का नाम नहीं छुटे इसका विशेष ध्यान देना है। इस दौरान मैपिंग के होने वाली आवश्यक समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना गया एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। कहा कि हमें सतर्क रहने की आवश्यकता है। वहीं मुख्य अतिथियों ने एसआईआर को लेकर आवश्यक सुझाव दिया गया। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष राजमहल अनीसुर रहमान,प्रखंड सचिव उधवा विश्वजीत मंडल, कोषाध्यक्ष अब्दुल शेख,जिला संगठन सचिव काजू मालिक,जिला संगठन सचिव तमरुद्दीन शेख,जिला अल्पसंख्यक सचिव इब्राहिम सेख,जिप सदस्य रानी हांसदा, कीनू सोरेन, यासिन शेख, हफीजुर रहमान, अनवारूल हक, आलमगीर बादल, जहांगीर अली, टिपू सुल्तान, वहीदुल इस्लाम, नाईम शेख, जैनुल आबेदीन, वर्णवास सोरेन, सकल हेंब्रम, साबिना आसमिन, प्रदीप मंडल, गुलाब शेख सहित अन्य मौजूद थे।

राजमहल शहर व ग्रामीणों फीडर में आज रहेगी बिजली आपूर्ति बाधित

राजमहल(बिभा) । विद्युत शक्ति उपकेंद्र मंडई में मेंटेनेंस कार्य को लेकर सोमवार को 11केवी राजमहल शहर एवं ग्रामीण फीडर में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। इसकी जानकारी देते हुए विद्युत कनीय अभियंता चंदन कुमार ने बताया कि मेंटेनेंस कार्य को लेकर 11केवी राजमहल शहर एवं ग्रामीण फीडर में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। उन्होंने बताया कि विद्युत शक्ति उपकेंद्र मंडई में मेंटेनेंस कार्य किया जाना है। उन्होंने उपभोक्ताओं से असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया है। साथ ही उन्होंने बताया कि मेंटेनेंस कार्य पूर्ण होते ही क्षेत्र में सुचारू रूप से बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

बरहेट में झामुमो प्रखंड कमेटी की बैठक, पंचायत स्तर पर मैपिंग कार्य में तेजी लाने पर जोर

बिभा संवाददाता

बरहेट । झारखंड मुक्ति मोर्चा बरहेट प्रखंड कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को प्रखंड कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष सह प्रमुख बर्नार्ड मरांडी ने की। बैठक में संगठनात्मक मजबूती, पंचायत स्तर पर मैपिंग कार्य तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही बैठक के दौरान पार्टी के बीएलए-2, पंचायत अध्यक्ष एवं सचिवों के साथ मैपिंग प्रतिशत और अनमैपिंग से संबंधित विषयों की समीक्षा की गई। प्रखंड अध्यक्ष बर्नार्ड मरांडी ने सभी पदाधिकारियों को पंचायत स्तर पर सक्रिय रहकर संगठनात्मक कार्यों को गति देने का निर्देश दिया। बैठक में 12 जून को साहेबगंज टाउन हॉल में आयोजित कार्यक्रम को लेकर भी चर्चा हुई। इस दौरान झामुमो के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता विनोद पांडे के आगमन की जानकारी सभी कार्यकताओं को दी गई। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पंचायत स्तर पर जिम्मेदारियां तय की गईं। संगठन की ओर से सभी 22 पंचायतों में 44 पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है, जिनकी निगरानी में मैपिंग का कार्य संपन्न कराया जाएगा। नेताओं ने कहा कि पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत बनाने के लिए सभी कार्यकताओं को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। मौके पर प्रखंड सचिव मुजिबुर रहमान, पूर्व जिलाध्यक्ष प्रो. नजरूल इस्लाम, लखिराम हेंब्रम, एजाज अंसारी, प्रो. हासिम अख्तर, चारलेश सोरेन, समदा सोरेन, बाबुधन टुडू, मुश्ताक अंसारी, कौशर अंसारी, मुन्ना अंसारी, अहमद हुसैन, संजय सोरेन, लड्डू भगत, इस्लाम अंसारी, सुनिता टुडू, खालिक आलम सहित विभिन्न पंचायतों के अध्यक्ष, सचिव एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा के प्रबुद्ध नागरिक संवाद में उठा संथाल परगना को केंद्र शासित प्रदेश बनाने का मुद्दा

बिभा संवाददाता

राजमहल । भारतीय जनता पार्टी के तत्वावधान में रांची में आयोजित प्रबुद्ध नागरिक संवाद कार्यक्रम सह विकसित भारत 2047 संकल्प सभा में देश की आंतरिक सुरक्षा, सीमावर्ती क्षेत्रों की स्थिति और विकसित भारत के विजन पर व्यापक चर्चा हुई। कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। वहीं कार्यक्रम के दौरान हिन्दू धर्म रक्षा मंच के केंद्रीय अध्यक्ष संत कुमार घोष ने संथाल परगना क्षेत्र में तेजी से हो रहे जनसांख्यिकीय परिवर्तन पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि यह विषय केवल सामाजिक नहीं बल्कि देश की आंतरिक सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ है। वहीं संत कुमार घोष ने लिखित रूप से मांग करते हुए प्रस्ताव रखा कि झारखंड के संथाल परगना, पश्चिम बंगाल के मालदा जिला और बांग्लादेश सीमा से जुड़े संवेदनशील क्षेत्रों को मिलाकर एक नया केंद्र शासित प्रदेश बनाया जाए। उन्होंने कहा कि सीमांचल क्षेत्र को केंद्र शासित प्रदेश घोषित करना विकसित भारत 2047 के संकल्प और राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण कदम हो सकता है। वहीं सभा में वक्ताओं ने कहा कि भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए आर्थिक विकास के साथ-साथ सीमाओं की सुरक्षा और आंतरिक स्थिरता भी आवश्यक है। कार्यक्रम में कई शिक्षाविद, प्रबुद्ध नागरिक और सामाजिक प्रतिनिधि शामिल हुए, जिन्होंने विकसित भारत के संकल्प को मजबूत करने पर बल दिया।

निःशुल्क हाइड्रोशिल व हर्निया ऑपरेशन शिविर, आज और कल होगा पंजीयन

साहेबगंज । एसोसिएशन ऑफ सर्जन ऑफ इंडिया, साहेबगंज शाखा एवं सूर्या हेल्थ एजुकेशन ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क हाइड्रोशिल एवं हर्निया ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर को लेकर 08 एवं 09 जून को सूर्या सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में मरीजों का पंजीयन किया जाएगा। वहीं सर्जन डॉ. विजय कुमार ने बताया कि इच्छुक मरीज मोबाइल नंबर 9431188486 पर संपर्क कर भी अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। पंजीकृत मरीजों की चिकित्सकीय जांच 10 जून को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक की जाएगी। वहीं जांच के बाद ऑपरेशन की आवश्यकता पाए जाने पर 15 एवं 16 जून को सूर्या सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में निःशुल्क ऑपरेशन किया जाएगा। शिविर में सर्जन डॉ. विजय कुमार, डॉ. सुमित कुमार एवं डॉ. इस्तमाउल खान अपनी सेवाएं देंगे। साथ ही कहा कि डॉ. विजय कुमार ने जरूरतमंद लोगों से शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि मरीज अपने साथ आयुष्मान कार्ड, लाल कार्ड, राशन कार्ड एवं आधार कार्ड अवश्य लेकर आएं।

मॉडल कॉलेज में पर्यावरण, योग और गंगा स्वच्छता का संदेश, सप्ताहभर चले अभियान का हुआ समापन

बिभा संवाददाता

राजमहल । विश्व पर्यावरण दिवस 2026 सप्ताह के समापन अवसर पर मॉडल कॉलेज राजमहल में रविवार को पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, योग जागरूकता एवं नमामि गंगे मिशन के तहत स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण संतुलन, जल संरक्षण और गंगा स्वच्छता को लेकर विद्यार्थियों एवं आम लोगों को जागरूक किया गया। वहीं कॉलेज परिसर में जिला वन विभाग एवं नमामि गंगे योजना के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम के दौरान लगभग 100 पौधे लगाए गए। वृक्षारोपण के माध्यम से हरियाली बढ़ाने और जलवायु संतुलन बनाए रखने का संदेश दिया गया। वक्ताओं

ने कहा कि वृक्ष पर्यावरण को स्वच्छ रखने के साथ-साथ गंगा नदी के जलग्रहण क्षेत्र को सुरक्षित रखने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। इस दौरान योग अभ्यास एवं जागरूकता सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली, मानसिक संतुलन तथा स्वच्छ वातावरण के महत्व के बारे में बताया गया। नमामि गंगे मिशन के तहत आयोजित स्वच्छता अभियान में भी छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। बेहतर योगदान देने वाले विद्यार्थियों को अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य एवं पर्यावरणविद् डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने की। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और प्रत्येक व्यक्ति को जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने ह्लमाता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याःह्व का उल्लेख करते हुए प्रकृति संरक्षण को जीवन का दायित्व बताया। वहीं विधायक प्रतिनिधि महरूफ उर्फ गुड्डू ने भी वृक्षारोपण कर सभी को पर्यावरण संरक्षण एवं गंगा स्वच्छता का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही स्वच्छ और हरित समाज का निर्माण संभव है। वहीं कार्यक्रम में सहायक निदेशक भूतत्व कुणाल कौशल, उपनिदेशक भूतत्व संथाल परगना अंचल दुमका तथा नगर प्रशासक सह सीडीपीओ दानिश हुसैन सहित कई अतिथि मौजूद रहे। अतिथियों ने पर्यावरण संरक्षण, सतत विकास और योग के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। वहीं कुणाल कौशल ने विद्यार्थियों को जियोलॉजी विषय में रोजगार और शोध की संभावनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि राजमहल क्षेत्र भू-विज्ञान अध्ययन के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, जहां फॉसिल अध्ययन, खनन और पर्यावरण विज्ञान के क्षेत्र में भविष्य के अनेक अवसर मौजूद हैं। इस दौरान मुस्कान कनोडिया, शिक्षक अनिकेत कुमार सहित कॉलेज के शिक्षक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। पूरे आयोजन के दौरान पर्यावरण संरक्षण, गंगा स्वच्छता और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने वाला सकारात्मक माहौल देखने को मिला। अंत में प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने सभी अतिथियों, विद्यार्थियों एवं सहयोगी विभागों के प्रति आभार व्यक्त किया।

तालझारी में झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन का विस्तार, अमित चौधरी को मिली प्रखंड अध्यक्ष की जिम्मेदारी

बिभा संवाददाता

तालझारी । तालझारी मिशन मैदान में रविवार को झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन विस्तार, पत्रकार हितों की सुरक्षा तथा सदस्यता अभियान को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता अमित चौधरी ने की, जबकि साहेबगंज जिला से पहुंचे जे.जे.ए. के निवर्तमान जिला अध्यक्ष सह प्रदेश सचिव अरविंद ठाकुर मुख्य रूप से उपस्थित रहे। वहीं बैठक के दौरान सर्वसम्मति से तालझारी प्रखंड कमेटी का गठन किया गया। इसमें अमित चौधरी को प्रखंड अध्यक्ष मनोनीत किया गया। वहीं रिजवानुल हक को उपाध्यक्ष, सूरज शेखर को सचिव, गोविंद ठाकुर को संयुक्त सचिव व फतेह आलम को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं बैठक में पत्रकारों के अधिकार, सुरक्षा, बीमा सुविधा और संगठन को मजबूत बनाने के लिए बड़े स्तर पर सदस्यता अभियान चलाने जैसे मुद्दों पर भी गंभीर चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि पत्रकार समाज और लोकतंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ हैं, इसलिए उनकी सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। मौके पर अभिलेख मरांडी, कालीचरण मंडल, संजय सिंह, रतन कुमार, रूपेश मंडल सहित कई पत्रकार मौजूद रहे। बैठक के अंत में संगठन को और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने का संकल्प लिया गया।

अगले दो दशक तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दबदबा बनाना चाहते हैं वैभव

मुम्बई (एजेंसी)। 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी भारतीय टी20 टीम में जगह मिलने पर बेहद खुश हैं। वैभव का कहना है कि उनका लक्ष्य अगले दो दशक तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलना है। इस बल्लेबाज ने एक राजस्थान रॉयल्स के मैनेजर रोमी भिंडर को दिए गए एक साक्षात्कार में कहा कि वह इस प्रारुप में दबदबा बनाना चाहते हैं। वैभव को घरेलू क्रिकेट के बाद आईपीएल में भी बेहतरीन प्रदर्शन के लिए आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 दौरों के साथ-साथ ही एशियाई खेलों के लिए शामिल किया गया है। अपने लक्ष्यों को लेकर वैभव ने कहा, मैं केवल खेलने नहीं आया हूं। मैं अगले 10 से 20 साल तक प्रभावी प्रदर्शन चाहता हूं। उन्होंने आईपीएल फाइनल के बाद पूर्व कप्तान विराट कोहली के साथ हुई मुलाकात को याद करते हुए कहा जब उन्होंने मेरे कंधे पर हाथ रखा, तो असल में मुझे लग रहा था कि मेरा सपना पूरा हो गया है। यह पल उनके लिए केवल एक मुलाकात से कहीं बढ़कर था, यह एक युवा खिलाड़ी के लिए किसी सपने के सही होने जैसा था।

आईपीएल 2026 के अपने प्रदर्शन को लेकर हुए, वैभव ने माना है कि व्यक्तिगत सफलता के बावजूद कुछ निराशा भी थी। उन्होंने कहा, अगर अंतिम मैच में हम जल्दी विकेट नहीं खोते तो हम आईपीएल 2026 का फाइनल खेल रहे होते। अपनी टीम राजस्थान रॉयल्स के भविष्य के लिए उन्होंने कहा कि आने वाले समय में हम अधिक से अधिक बार ट्रॉफी जीतना चाहेंगे।साथ ही कहा कि उन्हें लाल गेंद क्रिकेट से भी प्यार है। उन्होंने कहा, मुझे लाल गेंदब वाला क्रिकेट खेलना है क्योंकि मैं इसे पसंद करता हूं। मेरा सपना तीनों प्रारुपों में खेलना है। वैभव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने को लेकर उत्साहित होने के साथ ही आत्मविश्वास से भरे दिखे।

सूर्यकुमार को बाहर नहीं किया गया बल्कि आराम दिया गया है: एमएसके प्रसाद

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व चयनकर्ता एमएसके प्रसाद का कहना है कि सूर्यकुमार यादव को भारतीय टी20 टीम से बाहर किये जाने की बातें गलत हैं। वास्तवकता ये है कि उन्हें आराम दिया गया है। वहीं इससे पहले शनिवार को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आयरलैंड और - इंग्लैंड दौरे के अलावा एशियाई खेलों के लिए भी टीम घोषित कर दी थी पर इसमें सूर्यकुमार को शामिल नहीं किया गया। चयनकर्ताओं ने सूर्यकुमार की जग श्रेयस अय्यर को नया कप्तान भी बना दिया। इससे ये कहा जा रहा है कि सूर्यकुमार का अंतरराष्ट्रीय करियर अब समाप्त हो गया है। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने 2026 टी20 विश्व कप खिताब जीता था पर इस दौरान उनका स्वयं का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। इसी कारण इस बार उन्हें टीम में जगह नहीं मिली। वहीं प्रसाद का कहना है कि सूर्यकुमार को जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या की तरह आराम दिया गया है और वह जल्द ही टीम में वापसी करेंगे।

प्रसाद ने कहा, आप अपने विश्वकप विजेता कैप्टन को ऐसे नहीं हटाते। जिस प्रकार से बुमराह और हार्दिक पांड्या को आराम दिया गया है। मेरा मानना है कि उसकी प्रकार से ही सूर्यकुमार को भी आराम दिया गया होगा। उन्होंने आगे कहा, ÷वह बहुत अच्छा और बहुत बड़ा खिलाड़ी है, उसे इस प्रकार से अचानक ही बाहर नहीं किया जा सकता।

दूसरी बोर बोर्ड ने सूर्या को किसी भी दौरे के लिए नहीं रखा है जबकि बुमराह का नाम एशियाई खेलों के लिए शामिल है। इससे साफ है कि चयनसमिति की भविष्य की योजनाओं में सूर्यकुमार शामिल नहीं हैं। इसका एक कारण उनका अनकी बढ़ती उम्र को भी माना जा रहा है।

शुभमन को टी20 टीम से बाहर रखने का कारण सामने आया

-बीसीसीआई चाहता है कि अभी एकदिवसीय विश्वकप पर ही ध्यान दें

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टी20 टीम के नये कप्तान की दौड़ में शुभमन गिल को प्रमुख दावेदार माना जा रहा था पर उनकी जगह पर श्रेयस अय्यर को कप्तानी मिल गयी। इस पर कई प्रशंसकों का हैरान भी हुई क्योंकि शुभमन ने हाल ही में समाप्त हुए आईपीएल में 700 से अधिक रन बनाये थे। वहीं अब उन्हें टी20 टीम की कप्तानी नहीं दिये जाने का कारण सामने आया है।

चयन समिति ने शुभमन कहा दिया था कि अभी वह 2027 एकदिवसीय विश्व कप तक टेस्ट और एकदिवसीय मुकाबलों तक ही सीमित रहें। जिससे वह बड़े आईसीसी टूर्नामेंटों के लिए तरोताजा बने रहें। चयनकर्ताओं को लगता था कि अगर शुभमन तीनो प्रारुपों की कप्तानी करेंगे तो उन्हें थकान होने की आशंका है क्योंकि भारतीय टीम का अगले 18 महीने का कार्यक्रम बेहद व्यस्त है।

गौरतलब है कि गिल को 2027 विश्व कप शुरू होने से पहले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के नौ टेस्ट मैचों में भारत की कप्तानी करनी है और करीब 35 एकदिवसीय भी खेलने हैं। इसके अतिरिक्त, वह आईपीएल में गुजरात टाइटन्स के कप्तान भी हैं। ऐसे में उन्हें टेस्ट और एकदिवसीय विश्व कप के लिए पूरी तरह से फिट और केंद्रित रखना जरुरी है। इसी कारण चयनकर्ता उन्हें सभी प्रारूपों में एक साथ खेलने के बोझ से बचाना चाहते हैं जिससे उनकी फॉर्म और फिटनेस प्रभावित न हो और वह बड़े मुकाबलों में प्रभावी भूमिका निभा सकें।

इसके अलावा, वर्तमान टी20 टीम में शीर्ष क्रम में संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और पदार्पण करने जा रहे वैभव सूर्यवंशी जैसे खिलाड़ी पहले से ही मौजूद हैं। ऐसे में किसी और बल्लेबाज को शीर्ष क्रम बल्लेबाज को शीर्ष क्रम में शामिल करना टीम संतुलन को बिगाड़ देगा। शुभमन की कमजोर आईपीएल फॉर्म को देखते हुए, उन्हें टी20 टीम से बाहर रखने का मुख्य कारण भविष्य को देखते हुए बनायी गयी रणनीतिक प्राथमिकता ही है, न कि प्रदर्शन।

इसी कारण शुभमन को टी20 प्रारुप में शामिल नहीं किया गया है पर माना जा रहा है कि साल 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक या ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले उन्हें फिर से इस प्रारूप में शामिल किया जा सकता है। साल 2028 में होने वाले दो बड़े टी20 टूर्नामेंट के लिए अभी काफी समय है। ऐसे में शुभमन का ध्यान निकट भविष्य के मुकाबलों पर है।

भारत के पहली पारी के 564 रनों के जवाब में अफगानिस्तान ने 113 रनों पर ही पांच विकेट गंवाये

- राहुल के बाद शुभमन ने भी लगाया शतक

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। शुभमन गिल और केवल राहुल के शानदार शतकों और ऋषभ पंत के अर्धशतक की सहायता से भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच की पहली पारी आठ विकेट पर 564 रनों पर घोषित कर दी। इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहले पारी में पांच विकेट पर केवल 113 रन ही बनाये। दिन का खेल समाप्त होने के समय रहमत शाह 41 रनों पर खेल रहे थे। वहीं अन्य बल्लेबाज सस्ते में ही सिमट गये।

इस प्रकार अफगान टीम भारतीय टीम से पहली पारी के आधार पर 451 रनों से पीछे हैं। भारत की ओर से पदार्पण कर रहे गेंदबाज मानव सुथार ने केवल 21 रन देकर तीन खिलाड़ियों को आउट किया। वहीं प्रसिद्ध कृष्णा ने दो विकेट लिए।

इससे पहले आज पूरे दिन भारतीय बल्लेबाज और गेंदबाज हावी रहे। भारत ने 368/3 से आगे खेलना शुरु किया।

भारतीय टीम की ओर से कप्तान शुभमन गिल ने 126 रन की बेहतरीन पारी खेली जबकि केएल राहुल ने 100 रन बनाए। वॉशिंगटन सुंदर 52 रन बनाकर नाबाद रहे।

पहले दिन की तरह ही भारतीय बल्लेबाजों ने दूसरे दिन भी जमकर रन बनाये। पहले दिन जहां केएल राहुल ने शतक लगाय था, वहीं दूसरे दिन कप्तान शुभमन ने कप्तानी पारी खेलकर 126 रन बनकार स्कोर आगे बढ़ाया। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे साई सुदर्शन ने भी 81 रन बनाए और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

दूसरे दिन आक्रामक बल्लेबाज ऋषभ ने अपने स्वाभाविक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 81 रन बनाए। इसके अलावा मानव सुथार ने दो छक्के लगाकर 28 रन बनाये। वहीं जबकि मोहम्मद सिराज ने सिर्फ 12 गेंदों में 22 रन बना दिये। कुलदीप यादव 9 रन बनाकर नाबाद रहे। इससे भारतीय टीम ने 564 रन का विशाल स्कोर बनाया।

वहीं अफगान टीम की ओर से सलीम सफी ने 140 रन देकर सबसे अधिक छह विकेट लिए। सफी ने नई गेंद से शानदार गेंदबाजी करते हुए भारतीय बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। वहीं हशमतुल्लाह शाहिदी ने एक विकेट लिया।

भारतीय टी20 टीम की कप्तानी मिलने से सम्मानित अनुभव कर रहा : श्रेयस अय्यर

मुम्बई। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के नये कप्तान बनाये जाने से श्रेयस अय्यर बेहद खुश है। श्रेयस ने कहा कि वह कप्तानी दिये जाने से सम्मानित अनुभव कर रहे हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समितिन ने शनिवार को हुई बैठक में सूर्यकुमार यादव की जगह पर अय्यर को नय कप्तान घोषित कर दिया था। कप्तानी की जिम्मेदारी मिलने से अय्यर ने कहा कि उन्हें गर्व का अनुभव हो रहा है। मुंबई टी20 लीग में सोबो मुंबई फाल्कन्स की ओर से खेल रहे श्रेयस ने कहा कहा, यह बहुत अच्छा एहसास है और इस स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करना और टीम की कप्तानी करना सम्मान की बात है। अय्यर ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए आगे कहा कि उन्होंने उसी दिन अपनी टीम के लिए महत्वपूर्ण रन बनाए और जीत दिलाई। इससे राष्ट्रीय टीम की कमान संभालने से पहले उनका आत्मविश्वास और बढ़ा है।

जब उनसे उन प्रशंसकों के लिए कोई संदेश देने को कहा गया जिन्होंने वर्षों से उनका समर्थन किया है, तो श्रेयस ने स्वीकार किया कि उन्हें प्रशंसकों से अपार प्यार मिला है। उन्होंने कहा, मुझे प्रशंसक बहुत पसंद हैं - जिस तरह से उन्होंने मेरा समर्थन किया है और इतने सालों में अपना योगदान दिया है। मुझे लगता है कि यह बहुत बड़ी बात है, और मैं उन पर अपना प्यार और सम्मान बरसाना चाहता हूं। उन्होंने अपने प्रशंसकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया और उनके निरंतर समर्थन के महत्व पर जोर दिया। वहीं, कप्तानी में इस महत्वपूर्ण बदलाव की आधिकारिक घोषणा के बाद, निवर्तमान कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी उन्हें बधाई दी।। सूर्यकुमार ने इस घटनाक्रम को मुंबई क्रिकेट के लिए एक गर्व का क्षण भी बताया।

श्रेयस अय्यर सफल कप्तान साबित होंगे : रोहित

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने टी20 प्रारुप के लिए कप्तान बनाये गये श्रेयस अय्यर की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनमें वो सभी खूबियां है जो सफल कप्तान में होनी चाहिये। ऐसे में कप्तान के तौर पर उनका कार्यकाल सफल रहेगा। रोहित के अनुसार कप्तान के तौर पर उन्हें आईपीएल और घरेू क्रिकेट में अच्छा अनुभव है जो उनके काम आयेगा। उन्होंने कहा है कि अय्यर भारतीय टीम को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और देश के भावी कप्तान के रूप में एक शानदार कार्यकाल बिताएंगे। रोहित ने कहा कि श्रेयस को आईपीएल कप्तानी के अनुभवों का भी लाभ मिलेगा। रोहित ने कहा कि कोलकाता नाइट राइडर्स को 2024 का खिताब जिताने और फिर 2025 में पंजाब किंग्स को फाइनल तक पहुंचाने के उनके अच्छे रिकॉर्ड को देखते हुए, उन्हें पूरा विश्वास है कि वह भारतीय टीम की कप्तान संभालने के लिए तैयार हैं। टी20 मुंबई लीग के ब्रांड एंबेसडर बने रोहित ने कहा, मुझे भरोसा है कि पिछले कुछ साल में उन्होंने अपनी फ्रेंचाइजी के लिए जिस तरह से कप्तानी की है, उसे देखते हुए उनका समय अच्छा रहेगा। रोहित ने कहा कि मुंबई के क्रिकेटरों के लिए कुछ भी आसान नहीं होता क्योंकि मुकाबला कड़ा होता है। उन्होंने कहा, देखिए, मुंबई में खेलना और मुंबई का प्रतिनिधित्व करना आपको बहुत कुछ सिखाता है क्योंकि यहां कुछ भी आसानी से नहीं मिलता। रोहित ने स्पष्ट किया कि कप्तानी ऐसी चीज है जिसे हासिल करना पड़ता है और अपने आसपास के लोगों का सम्मान पाना होता है, और अय्यर के पास ये सभी खूबियां मौजूद हैं।

2027 विश्व कप हेतु विकेटकीपिंग को लेकर पठान ने रखा अपना पक्ष

नई दिल्ली। भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने 2027 क्रिकेट विश्व कप को लेकर भारतीय टीम की संभावित विकेटकीपिंग रणनीति पर अपने विचार साझा किए हैं। उनका मानना है कि आगामी विश्व कप के लिए केएल राहुल और ईशान किशन भारत की पहली पसंद के विकेटकीपर-बल्लेबाज हो सकते हैं। साथ ही उन्होंने संजू सैमसन को भी एक मजबूत विकल्प बताया है। दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया और जिम्बाब्वे की संयुक्त मेजबानी में होने वाले 2027 विश्व कप के लिए भारतीय टीम के पास विकेटकीपर की भूमिका निभाने वाले कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी मौजूद हैं। ऐसे में टीम प्रबंधन के सामने चयन को लेकर दिलचस्प चुनौती रहने वाली है। एक बातचीत के दौरान इरफान पठान ने कहा कि उनकी प्राथमिकता सूची में केएल राहुल सबसे ऊपर हैं। उनके अनुसार राहुल एक ऐसे विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं जो मध्यक्रम में बल्लेबाजी करने के साथ-साथ टीम की जरूरत के अनुसार विभिन्न भूमिकाएं निभा सकते हैं। पठान ने राहुल को बहुमुखी खिलाड़ी बताते हुए कहा कि वह टीम संतुलन के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण हैं। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर का मानना है कि ईशान किशन भी विश्व कप योजनाओं का अहम हिस्सा हो सकते हैं। उनके मुताबिक टीम को ऐसे बल्लेबाज की जरूरत होती है जो शीर्ष क्रम में आक्रामक बल्लेबाजी कर सके और तेज गेंदबाजों की शॉर्ट गेंदों का प्रभावी ढंग से सामना कर सके। इस कारण ईशान किशन को भी मजबूत दावेदार माना जाना चाहिए। हालांकि पठान ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि टीम में अतिरिक्त स्थान उपलब्ध होता है तो संजू सैमसन को अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि सैमसन ने जब भी वनडे क्रिकेट में मौका पाया है, उन्होंने प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। उनके अनुसार संजू अब पहले की तुलना में अधिक परिपक्व बल्लेबाज बन चुके हैं और दबाव की परिस्थितियों में लंबी पारियां खेलने की क्षमता विकसित कर चुके हैं। संजू सैमसन का वनडे रिकॉर्ड भी उनके पक्ष में जाता है। उन्होंने अब तक 16 एकदिवसीय मुकाबलों में 56.66 की शानदार औसत और लगभग 100 के स्ट्राइक रेट से 510 रन बनाए हैं। सीमित अवसरों के बावजूद उनका प्रदर्शन लगातार प्रभावशाली रहा है। दूसरी ओर केएल राहुल पिछले कुछ वर्षों में भारत के प्रमुख विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में स्थापित हुए हैं।

गुलाबी गेंद के इस्तेमाल के पक्ष में गौतम गंभीर: बोले- मैच का नतीजा निकलना सबसे जरूरी

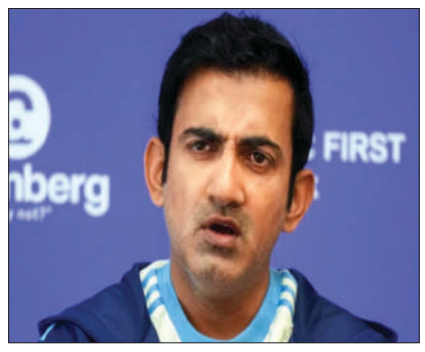

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टेस्ट क्रिकेट में खराब रोशनी की स्थिति से निपटने के लिए गुलाबी गेंद के इस्तेमाल का समर्थन किया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा हाल ही में लिए गए फैसले का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि यदि किसी मैच का परिणाम निकालने का अवसर मौजूद हो तो उसे हर हाल में सुनिश्चित किया जाना चाहिए। टेस्ट क्रिकेट में अक्सर खराब रोशनी के कारण खेल रोकना पड़ता है, जिससे मैच का समय प्रभावित होता है और कई बार नतीजा भी नहीं निकल पाता। इसी समस्या के समाधान के लिए आईसीसी ने एक नया प्रयोग मंजूर किया है। इसके तहत पारंपरिक लाल गेंद से शुरू होने वाले टेस्ट मैचों में यदि रोशनी की समस्या पैदा होती है और दोनों टीमें सहमत हों, तो फ्लडलाइट की रोशनी में गुलाबी गेंद का इस्तेमाल किया जा सकेगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य खेल के अधिक से अधिक ओवर पूरे कराना और मैच को परिणाम तक पहुंचाने की संभावना बढ़ाना है।

आईसीसी बोर्ड की हालिया बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। नया नियम एक अक्टूबर से लागू होगा। इसके तहत लाल गेंद से खेल शुरू होगा, लेकिन रोशनी कम होने की स्थिति में गुलाबी गेंद का उपयोग कर मैच जारी रखा जा सकेगा। हालांकि इसके लिए दोनों टीमों की सहमति अनिवार्य होगी। अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच से पहले मीडिया से बातचीत में गौतम गंभीर ने कहा कि उन्हें यह फैसला बेहद पसंद आया है। उनके अनुसार क्रिकेट का उद्देश्य केवल खेलना नहीं बल्कि परिणाम तक पहुंचना भी है। उन्होंने कहा कि यदि परिस्थितियां अनुमति देती हैं और दोनों टीमें तैयार हैं तो मैच को बीच में रोकने के बजाय वैकल्पिक व्यवस्था अपनाई जानी चाहिए। गंभीर ने इस फैसले के पीछे व्यावहारिक पहलुओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत को अगले वर्ष फरवरी-मार्च में घरेलू मैदान पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेलनी है। इस श्रृंखला के कुछ मुकाबले पूर्वी भारत के शहरों में प्रस्तावित हैं, जहां सूर्यास्त अपेक्षाकृत जल्दी होता है। ऐसे में खराब रोशनी के कारण खेल प्रभावित होने की आशंका बनी रहती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि कोई टीम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में हो और आखिरी टेस्ट मैच खराब रोशनी के कारण बिना नतीजे के समाप्त हो जाए, तो यह खेल और टीम दोनों के लिए निराशाजनक स्थिति होगी। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि एक ही मैच में लाल गेंद से गुलाबी गेंद में बदलाव खिलाड़ियों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन बड़े लक्ष्य हासिल करने के लिए परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालना भी जरूरी है।

श्रेयस की जगह शुभमन को बनाया जाना चाहिये था कप्तान : मांजरेकर

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर का मानना है कि श्रेयस अय्यर की जगह पर शुभमन गिल को भारतीय टी20 टीम का कप्तान बनाया जाता तो बेहतर रहता। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति ने शनिवार को सूर्यकुमार यादव को हटाकर श्रेसस को कप्तानी सौंप दी थी। इस फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए मांजरेकर ने कहा था कि शुभमन के पास अधिक काबिलियत और अनुभव है। वह 6 महीने पहले तक टी20 प्रारुप में शामिल थे पर अब उन्हें बाहर कर दिय गया है। श्रेयस को आयरलैंड के खिलाफ दो मैच, इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैच और फिर एशियन गेम्स के लिए टी20 टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि श्रेयस ने करीब 3 साल से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है। उन्होंने आईपीएल में 500 रन बनाये थे, वहीं शुभमन दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। उन्होंने 732 रन बनाए थे। मांजरेकर ने कहा है कि टी20 इस बार ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में खेला जाएगा, जहां शुभमन का रिकार्ड काफी अच्छ रहा है। इसके अलवा उनका तकनीक भी इन देशों में सफल रहती। की टेक्निक अच्छी हो सकती है। मांजरेकर ने कहा, ' श्रेयस को कप्तानी दिया जाना हैरानी की बात है। उन्हें पिछले कुछ महीनों से टी20 दल में जगह तक नहीं मिल पा रही थी जबकि अब उन्हें सीधे तौर पर ही कप्तानी दे दी है। वहीं होता ये है कि किसी भी खिलाड़ी को पहले उपकप्तानी दी जाती है। वहीं जगह पक्के पर कप्तान बनाया जाता है। मुझे लगता है कि शुभमन में लंबे समय टी20 कप्तान बनने के लिए श्रेयस से बेहतर योग्यता है।' ऐसे में मेरा मानना है कि शुभमन को कप्तान बनाया जाता तो अधिक बेहतर होता।

वैभव सूर्यवंशी को टेस्ट खेलना चाहिए, लेकिन थोपना नहीं चाहिए : रविचंद्रन अश्विन

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट के भविष्य, युवा खिलाड़ियों की सोच और आधुनिक क्रिकेट की चुनौतियों पर खुलकर अपने विचार रखे हैं। अश्विन ने कहा कि युवा प्रतिभा वैभव सूर्यवंशी को टेस्ट क्रिकेट जरूर खेलना चाहिए, लेकिन किसी खिलाड़ी पर इस प्रारूप को थोपना उचित नहीं होगा। अश्विन ने कहा कि व्यक्तिगत तौर पर वह मानते हैं कि वैभव सूर्यवंशी जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी को टेस्ट क्रिकेट में अपनी क्षमता आजमानी चाहिए क्योंकि यह खेल का सर्वोच्च प्रारूप है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि किसी युवा खिलाड़ी को वह रास्ता अपनाने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता जिसे वह स्वयं नहीं चुनना चाहता। उनके अनुसार आज का क्रिकेट माहौल और बदलती प्राथमिकताएं खिलाड़ियों की सोच को प्रभावित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर कोचिंग के दौरान उन्होंने शायद ही किसी युवा क्रिकेटर को रेड बॉल क्रिकेट खेलने की तीव्र इच्छा के साथ आते देखा हो। अधिकांश खिलाड़ी जल्दी से आक्रामक शॉट सीखना चाहते हैं और सीमित ओवरों के क्रिकेट की ओर आकर्षित होते हैं। टेस्ट क्रिकेट के भविष्य को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए अश्विन ने कहा कि इस प्रारूप को समय के साथ विकसित होने की जरूरत है। उनका मानना है कि टेस्ट टीम में जगह बनाने का प्रमुख आधार प्रथम श्रेणी क्रिकेट होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, लेकिन कई उत्कृष्ट प्रथम श्रेणी खिलाड़ी अवसरों के अभाव में राष्ट्रीय टीम तक नहीं पहुंच पाते। ऐसे में सवाल यह है कि युवा खिलाड़ी वर्षों तक घरेलू क्रिकेट को समर्पित क्यों रहें, जब उन्हें पर्याप्त आर्थिक लाभ और अवसर नहीं मिलते। अश्विन के अनुसार टेस्ट क्रिकेट केवल भारत की नहीं बल्कि वैश्विक चुनौती बन चुका है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को लंबे दौरों, लगातार यात्रा, चार दिवसीय और पांच दिवसीय मैचों तथा शारीरिक दबाव का सामना करना पड़ता है, जबकि सीमित ओवरों के क्रिकेट में कम समय में अधिक कमाई की संभावना रहती है। इसके बावजूद उन्होंने कहा कि किसी रोमांचक टेस्ट मैच में जीत का जो संतोष मिलता है, उसकी तुलना किसी अन्य प्रारूप से नहीं की जा सकती। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि यदि क्रिकेट प्रशासक वास्तव में टेस्ट क्रिकेट को मजबूत बनाना चाहते हैं तो युवा खिलाड़ियों को ऐसे कोचों के मार्गदर्शन में तैयार किया जाना चाहिए जो पारंपरिक क्रिकेट मूल्यों को महत्व देते हों।

शमी ने बंगाल प्रो टी20 लीग में हैट्रिक लगाकर सिलिगुड़ी स्ट्राइकर्स को जीत दिलायी

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम में वापसी करने में असफल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने बंगाल प्रो टी20 लीग में हैट्रिक लगाकर एक नया रिकार्ड बनाया है1 शमी ने इस लीग में सर्वोटेक सिलिगुड़ी स्ट्राइकर्स की ओर से खेलते हुए शमी ने टूर्नामेंट की पहली हैट्रिक लेकर एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। उनके इस असाधारण प्रदर्शन से सिलिगुड़ी स्ट्राइकर्स ने श्राची राढ़ टाइगर्स को 24 रनों से हरा दिया। शमी ने लगातार तीन विकेट लेकरउनक प्रदर्शन, फॉर्म और फिटनेस पर सवाल उठाने वालों को करारा जवाब दिया है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए सर्वोटेक सिलिगुड़ी स्ट्राइकर्स ने तेजी से खेलते हुए 20 ओवरों में केवल 4 विकेट के नुकसान पर 208 रन बना दिये। युवा बल्लेबाज विशाल भाटी ने केवल 46 गेंदों में 86 रन बना दिये। उनकी इस पारी में 5 चौके और 6 छक्के शामिल थे, जिसने। भाटी के अलावा करण लाल ने 39 रनों की पारी खेली। वहीं प्रमोद चंदीला ने केवल 16 गेंदों में नाबाद 36 रन बनाकर टीम को 200 रनों के ऊपर पहुंचाय। शमी ने दो गेंदों पर 8 रन बनाये। इसके बाद 209 रनों के कठिन लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्राची राढ़ टाइगर्स ने भी आक्रामक शुरुआत की। उसके सलामी बल्लेबाजों ने तेजी से रन बनाये। शुभम डे ने 25 गेंदों पर 48 रन जबकि राहुल प्रसाद ने भी 26 गेंदों में 44 रन बना दिय। टीम तेजी से लक्ष्य की ओर बढ़ रही थी तभी लगातार अंतराल पर विकेट गिरने से उनकी लय बिगड़ गयी। टीम बड़ी साझेदारियां बनाने में विफल रही और यही जिससे उसे हार का सामना करना पड़ा।

भारत के लिए खेलना सपना सच होने जैसा है, घरेलू क्रिकेट में की गई मेहनत रंग लाई:मानव सुथार

नई दिल्ली (एजेंसी)। युवा मानव सुथार के लिए अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में पहली बार भारतीय टीम में जगह बनाना सपने के सच होने जैसा है जिन्होंने गली-मोहल्लों में क्रिकेट का ककहरा सीखा और लगातार हतोत्साहित किए जाने के बावजूद क्रिकेट को करियर के रूप में चुना। राजस्थान के इस 30 वर्षीय खिलाड़ी ने घरेलू क्रिकेट और भारत ए की तरफ से लगातार अच्छे प्रदर्शन के बलबूते पर भारतीय टीम में जगह बनाई।

सुथार ने जियोस्टार पर कहा, 'क्रिकेट हमेशा से मेरे परिवार का एक अहम हिस्सा रहा है। मेरे पिताजी को क्रिकेट बहुत पसंद है और घर में सभी लोग नियमित रूप से मैच देखते हैं। बचपन में मैं भी उनके साथ बैठकर मैच देखा करता था। यहीं से क्रिकेट के प्रति मेरी दिलचस्पी बढ़ी। मैंने अपने दोस्तों के साथ गलियों में खेलना शुरू किया। गली क्रिकेट में मैंने इस खेल का ककहरा सीखा जैसे बल्ला पकड़ना और गेंदबाजी करना।'

उन्होंने कहा, 'जब मैं 10 या 11 साल का था, तब मैंने एक अच्छी क्रिकेट अकादमी में प्रवेश लिया तथा कोच धीरज सर और विनोद सर के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लेना शुरू किया। उन्होंने मुझे सही तकनीक सिखाई और मेरे खेल को बेहतर बनाने में मदद की।' सुथार ने कहा, 'मुझे पहली बड़ी सफलता तब मिली जब मैं अंडर-14 वर्ग में राजस्थान के लिए खेला। उससे मुझे काफी प्रेरणा मिली और मुझे लगा कि मैं क्रिकेट को अपना करियर बना सकता हूं।'

मानव के लिए राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने तक का सफर आसान नहीं रहा लेकिन टीम में एक स्थान के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए उन्होंने हौसला नहीं खोया और मेहनत करते रहे। उन्होंने कहा, 'भारत जैसे बड़ी जनसंख्या वाले देश में क्रिकेट में सफल होना कभी आसान नहीं होता। कुछ ही स्थान के लिए कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा करते हैं। मुझे भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। कई लोगों ने मुझे अपनी पढ़ाई पर ध्यान देने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि क्रिकेट में कोई संभावना नहीं है और मैं अपना समय बर्बाद कर रहा हूं।'

मानव ने कहा, 'लेकिन मैंने हार नहीं मानी। मैं लगातार कड़ी मेहनत करता रहा। मुझे भारतीय टीम में चुने जाने की उम्मीद थी। यह इंतजार का खेल था और मैंने धैर्य बनाए रखा।' सुथार ने 2022-23 रणजी ट्रॉफी से ही लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने अब तक 29 प्रथम श्रेणी के मैचों में 129 विकेट लिए हैं। उन्होंने बल्लेबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन किया और खुद को एक ऑलराउंडर के रूप में स्थापित किया। उनके नाम पर प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अभी तक एक शतक

और छह अर्धशतक दर्ज हैं।'

मानव ने 2024 में गुजरात टाइटन्स के साथ टी20 में पदार्पण किया, लेकिन उस सत्र में केवल एक मैच खेला। उन्हें 2025 में खेलने का मौका नहीं मिला, लेकिन 2026 में उन्होंने चार मैच खेले। उन्होंने कहा, 'भारतीय टीम में जगह बनाकर अच्छा लग रहा है। घरेलू क्रिकेट और भारत ए के लिए की गई सारी मेहनत रंग लाई है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करना मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। सारी कुर्बानियों का आखिरकार फल मिल गया। मैं देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हूं।'

तोरपा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए विधायक ने किया 10 एम्बुलेंस प्रदान

एम्बुलेंस का उपयोग मरीजों के हित में ससमय हो : विधायक

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के तोरपा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र अंतर्गत तोरपा रनिया कर्रा और बानो प्रखंड में स्वास्थ्य सुविधा को सुदृढ़ बेहतर बनाने और आम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में तोरपा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के जनप्रतिनिधि सुदीप गुड़िया ने तोरपा प्रखंड मुख्यालय परिसर में तोरपा प्रखंड को 3 रनिया प्रखंड को 2 और बानो प्रखंड को 4 गोविंदपुर 1 एंबुलेंस और शव वाहन प्रदान किया है।

मौके पर, सुदीप गुड़िया ने बताया कि हेमंत सोरेन का प्रयास है कि गाँव गाँव तक स्वास्थ्य सुविधा

पहुँचे। इसीलिए तोरपा निर्वाचन क्षेत्र अंतर्गत सभी प्रखण्डों के अस्पतालों के लिए एम्बुलेंस प्रदान किया गया। साथ ही, शव वाहन दिया गया है। इससे लोगों को त्वरित उपचार के लिए सुविधा मिल सके। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को स्पष्ट रुप से कहा कि उपचार करवाने में मरीजों को किसी प्रकार से कष्ट नहीं होना चाहिए। क्योंकि वही लोग अस्पताल जाते हैं ज ओर अस्वस्थ होते हैं। ऐसे में सभी को सही समय में अच्छी देखभाल के साथ उपचार

के चिकित्सक नर्स व कर्मी मरीजों से अच्छा व्यवहार और सहयोग करें। ताकि उनके व्यवहार और वाणी से ही बिमारी का ईलाज हो जाता है। बिमार मरीज मानसिक रुप से बिमार नहीं हों ऐसा व्यवहार अपनाना चाहिए। इसलिए ही इस विभाग में कार्य का जिम्मा दिया गया है जिसे बखुबी निभाने से ही लोग स्वस्थ हो सकेंगे।

विधायक मद से प्राप्त एम्बुलेंस तोरपा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के चार प्रखंडों में एंबुलेंस सेवा उपलब्ध होने से ग्रामीण व सुदुर इलाकों में निवास करने वाले लाचार बीमार और गर्भवती महिलाओं को इसका सीधा लाभ मिलने की उम्मीद अब बढ़ गयी है। एंबुलेंस सेवा बहाल होने से जरूरतमंद आसानी से अस्पताल तक पहुँच कर स्वास्थ्य सुविधा का लाभ ले सकेंगे। प्रखंड परिसर तोरपा से विधायक सुदीप गुडिया के द्वारा सभी एंबुलेंस और शव को हरि झंडा दिखाकर रवाना किया गया। मौके पर, प्रखंड विकास पदाधिकारी, स्वास्थ्य विभाग के प्रखण्ड चिकित्सा पदाधिकारी के अलावे स्थानीय लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

एयरफोर्स अफसर से 23 लाख की ठगी, पत्नी और ससुर पर एफआईआर

बिभा संवाददाता

रातु : राजधानी रांची के रातू थाना में एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने सबको चौंका दिया है। भारतीय वायुसेना के एक अधिकारी ने अपनी पत्नी और ससुर पर 23 लाख रुपये से ज्यादा की ठगी करने का आरोप लगाया है। अधिकारी का कहना है कि भरोसे का फायदा उठाकर उनसे लाखों रुपये लिए गए, लेकिन बाद में न तो पैसा लौटाया गया और न ही कोई संतोषजनक जवाब मिला। मामले को लेकर रातू थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है और पुलिस जांच में जुट गई है।

शादी के बाद शुरू हुआ पैसों का लेन-देन

पीड़ित एयरफोर्स अधिकारी के अनुसार शादी के बाद पारिवारिक जरूरतों और विभिन्न कारणों का हवाला देकर उनसे कई बार पैसे मांगे गए। पत्नी और ससुर की बातों पर भरोसा कर उन्होंने अलग-अलग समय पर लाखों रुपये दिए। अधिकारी का आरोप है कि धीरे-धीरे यह रकम 23 लाख रुपये से अधिक हो गई। अधिकारी का कहना है कि जब उन्होंने अपनी रकम वापस मांगनी शुरू की तो टालमटोल की जाने लगी। शुरूआत में उन्हें भरोसा दिलाया गया कि जल्द पैसे लौटा दिए जाएंगे, लेकिन समय बीतने के बावजूद रकम वापस नहीं की गई। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ता चला गया।

ठगी का एहसास होने पर पहुंचा पुलिस के पास

पीड़ित ने आरोप लगाया कि काफी समय तक इंतजार करने और बातचीत के जरिए मामला सुलझाने की कोशिश के बाद भी कोई समाधान नहीं निकला। जब उन्हें लगा कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है, तब उन्होंने पुलिस की शरण ली और रातू थाना में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद रातू थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अब बैंक लेन-देन, दस्तावेजों और शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दोनों पक्षों के दावों की होगी जांच

पुलिस का कहना है कि मामला पारिवारिक रिश्तों और आर्थिक लेन-देन से जुड़ा है, इसलिए हर पहलू की बारीकी से जांच की जा रही है। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि आरोपों में कितनी सच्चाई है और किसकी क्या भूमिका रही है। फिलहाल पुलिस मामले से जुड़े साक्ष्य जुटाने में लगी है। बैंकिंग रिकॉर्ड, लेन-देन से जुड़े दस्तावेज और दोनों पक्षों के बयान दर्ज किए जाएंगे। जांच पूरी होने के बाद कानूनी प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

तेज रफ्तार मोटरसाइकिल सवार दो लोग दुर्घटना से घायल , रेफर

रनिया(बिभा) । तेज रफ्तार मोटरसाइकिल सवार दो युवक रनिया थाना क्षेत्र के डिगरी केरागढ़ा गाँव में सड़क दुर्घटना से घायल हो गये। घटना रविवार की शाम 5:00 बजे की? है। घटना के बाद दोनों युवकों को रेफरल अस्पताल तोरपा लाया गया । युवकों की पहचान रनिया थाना क्षेत्र के तुरीगड़ा गाँव निवासी सलीम तोपनो और जॉनसन तोपनो के रुप में हुई है। जानकारी के मुताबिक बाइक सवार गांव सरिता से अपने गाँव तुरीगड़ा वापस लौट रहे थे। घटना के बाद बाइक में क्षतिग्रस्त हो गया है। जानकारी के अनुसार, तेज रफ्तार के कारण वाहन से नियंत्रण खोने पर हुई दुर्घटना में बाइक सवार दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायल को सिर पर गम्भीर चोट लगी है। घटना के बाद दोनों घायलों को एंबुलेंस से उपचार के लिए रेफरल अस्पताल तोरपा लाया गया.जहां चिकित्सकों ने शुरूआती उपचार के बाद बेहतर उपचार के लिए सदर अस्पताल खूँटी रेफर कर दिया है।

बुंडू में 100 से अधिक मरीजों को विशेषज्ञों ने दी रोगों से बचाव की जानकारी

बुण्डू (बिभा)। प्रखण्ड के माझी टोली विद्यालय प्रांगण में रविवार को निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के काफी संख्या में मरीजों ने स्वास्थ्य जाँच कराई तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त किया। शिविर में विटालिया हॉस्पिटल के डायरेक्टर, जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. विनय कुमार महेश्वरी ने हर्निया, हाइड्रोसील, पथरी, पाइल्स, अपेंडिक्स, गॉलब्लैडर एवं प्रोस्टेट संबंधी रोगों से पीड़ित मरीजों की जाँच कर उन्हें निशुल्क परामर्श दिया। साथ ही रोगों के लक्षण, बचाव एवं उपचार के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी भी साझा की। डॉ. महेश्वरी ने कहा कि समय पर जांच एवं उचित उपचार से इन बीमारियों का सफल इलाज संभव है। आवश्यकता अनुसार मरीजों को आगे की चिकित्सा एवं शल्य चिकित्सा (ऑपरेशन) संबंधी सलाह भी दी गई। शिविर के सफल आयोजन में मजदूर सेवा संगठन के अध्यक्ष ठाकुर जीतमोहन प्रमाणिक, ग्रामीण चिकित्सक राजेंद्र प्रसाद, दुखन सिंह मुंडा, गुरुवा मुंडा, जयप्रकाश सेठ व विद्यालय समिति का विशेष सहयोग किया।

उपायुक्त ने किया बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, 77 कर्मियों का स्थानांतरण

खूँटी (बिभा)। जिला प्रशासन में कार्य व्यवस्था को अधिक प्रभावी और सुचारू बनाने के उद्देश्य से उपायुक्त द्वारा तृतीय श्रेणी कर्मियों का व्यापक स्थानांतरण किया गया है। जारी आदेश के अनुसार, कुल 77 कर्मियों को विभिन्न कार्यालयों एवं प्रखंडों में नई जिम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं। स्थानांतरण सूची में सर्वाधिक संख्या लिपिक संवर्ग के कर्मचारियों की है। जिसमें कुल 66 लिपिकीय कर्मियों को अलग-अलग प्रखंडों और कार्यालयों में पदस्थापित किया गया है। इनमें उच्च वर्गीय लिपिक, निम्न वर्गीय लिपिक तथा अन्य कार्यालय कर्मी शामिल हैं। प्रशासन का मानना है कि इस फेरबदल से कार्यालयों में कार्य निष्पादन की गति बढ़ेगी तथा प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और दक्षता आएगी। इसके अलावा समाहरणालय संवर्ग के नौ कर्मियों को विभिन्न कार्यालयों में स्थानांतरित किया गया है, ताकि आवश्यकता वाले विभागों में मानव संसाधन की कमी को दूर किया जा सके। वहीं समाहरणालय अंतर्गत कार्यरत दो अनुसेवकों का भी स्थानांतरण किया गया है। जिला प्रशासन के इस निर्णय को नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा माना जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, स्थानांतरित कर्मियों को शीघ्र ही अपने नए पदस्थापन स्थल पर योगदान देने का निर्देश दिया गया है। इस प्रशासनिक फेरबदल से विभिन्न प्रखंडों और कार्यालयों में कार्य संचालन को और अधिक सुदृढ़ बनाने में मदद मिलेगी।

अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद में उमड़े श्रद्धालु

रांची(बिभा)। श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम और श्री राधा-कृष्ण प्रणामी मंदिर पुंदाग में रविवार को 269वें श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का भव्य आयोजन किया गया। परम पूज्य डॉ. संत शिरोमणि स्वामी सदानंद महाराज के सानिध्य में आयोजित इस कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया और भगवान श्री राधा-कृष्ण के दर्शन कर महाप्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के दौरान भगवान श्री राधा-कृष्ण का विशेष श्रृंगार किया गया। मंदिर के पुजारी अरविंद कुमार पांडेय ने वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ भगवान को महाप्रसाद अर्पित किया। इसके बाद श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। महाप्रसाद में वेजिटेबल खिचड़ी, लीची शरबत, सत्तू पानी, शीतल जल एवं आलू चिप्स शामिल थे। मंदिर परिसर में करीब दो हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर भजन गायक मनीष सोनी ने राधा-कृष्ण एवं अन्नपूर्णा मैया की महिमा पर आधारित भजनों की प्रस्तुति देकर भक्तों को भावविभोर कर दिया। भजन संध्या के बाद सामूहिक महाआरती का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। ट्रस्ट के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि पूरे दिन में पांच हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर दर्शन किए। कार्यक्रम में ट्रस्ट के पदाधिकारी, सदस्य सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

जरिया के कच्छुवा 12 पड़हा के ऐतिहासिक जतरा में दिखा जनजातीय संस्कृति की झलक

पेड़ को जीवित रहने के लिए जड़ की जरूरी है उसी तरह जनजातीय समाज के लिए परम्परा जरूरी : निशा उराँव

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के कर्रा प्रखंड अंतर्गत बारंगो जरिया गाँव में रविवार को कच्छुवा 12 पड़हा जतरा का ऐतिहासिक आयोजन आयोजन किया गया। कच्छुवा 12 पड़हा संचालन समिति के द्वारा पारम्परिक संस्कृति, नृत्य और लोक परम्पराओं से सजा यह जतरा लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बना।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व पंचायती राज निदेशक सह भारत सरकार की इनकम टैक्स कमिश्नर निशा उरांव उपस्थित रही। जहाँ रुढ़िवादी जनजातीय संस्कृति का समागम देखने को मिला। इससे प्रतीत होता है कि लोग अपने संस्कृति रुढ़िवादी परम्परा के प्रति स्नेह प्रेम और श्रद्धा रखते हैं।

इस बीच मुख्य अतिथि निशा उराँव ने सभा को संबोधित करते हुए कही कि हम जनजाति प्रकृति के पूजक है और हमारी परम्परा व संस्कृति प्रकृति से जुड़ी हुई है हमारी परम्परा में हर मौसम, हर महीने, सभी पर्व- त्यौहार , रीति रिवाज, जन्म-मृत्यु के गीत है। जिस तरह से किसी भी पेड़ को जीवित रहने के लिए जड़ की जरूरत होती है उसी तरह जनजातीय समाज के लिए परम्परा जरूरी है। हमारा समाज हमारी परम्परा, रीति-रिवाज ही हमारी पहचान है। इसी क्रम में उन्होंने पेशा कानून, ग्राम सभा का अधिकार व आदिवासी परम्परागत व्यवस्था पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी।

जतरा में मुख्य रूप कच्छुवा पड़हा राजा बुधवा धान, डहरू पाहन, सुमन मुंडा, चरण खलखो, हाकाजांग पंचायत मुखिया शांति तिर्की, लोधमा टीओपी प्रभारी, लोधमा अशोक कुजूर, पंचायत समिति सदस्य भोला खान, बाना पाहन, करमा पाहन, मिलन होरो सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे.

पड़हा जतरा में जरिया, पदमपुर , बारंगो, गलालौंग, गुयू, आटा, मुटपा, सावड़ा, सरवादाग, , लोहागढ़ा, सिलापाट, हल्दीगड़ा, कुलहूटु हाकाजांग समेत 12 मौजा के खोड़हा मंडली के लोग पारंपरिक वेशभूषा में ढोल-मांदर की थाप पर नृत्य करते हुए जतरा स्थल पहुंचे. पारंपरिक गीत-संगीत और आदिवासी संस्कृति की झलक ने पूरे माहौल को उत्सवमय बना दिया. चाला अखड़ा खोड़हा से पाँच खोड़हा मंडली जतरा में उपस्थित थे।

जतरा में बच्चों एवं ग्रामीणों के मनोरंजन के लिए झूला, रंग-बिरंगी मिठाइयों, चाट-गुपचुप, चौमीन, चिली होटल, खिलौने, मनिहारी तथा फल-सब्जियों की कई दुकानें लगाई गई थीं. मेले में पहुंचे लोगों ने खरीदारी के साथ व्यंजनों का जमकर आनंद उठाया।

जतरा को सफल बनाने में मुख्य रूप से अध्यक्ष चंदा नाग, मुनिश्री मोरहा मुंड़ा, कार्तिक मुंडा, सनिका बालमुचू, छोटू मुंडा, सुमन मुंडा, गोपाल धनवार, धाना मुंडा, गोयदा मुंडा,राखी उरांव, अनील बालमुचू, जेवियर धान,अनिल नाग, अशिम धनवार,बिरसा धान, लाड़ो मुंड़ा, संजय मिंज,बिट्टू मुंडा,सुखू मुंडा, बिलासी मुंडाईन, स्वेता कुमारी, सीमा परधिया, किरण देवी के अलावे 12 मौजा के ग्रामीणों का सराहनीय योगदान रहा।

सड़क दुर्घटना में युवक की दर्दनाक मौत, अनियंत्रित गति के कारण हुआ हादसा

बिभा संवाददाता

तोरपा । राजकीय राजमार्ग-3 तीन तोरपा कोलेबिरा मुख्य मार्ग पर तोरपा थाना क्षेत्र के कारो नदी के निकट रविवार को मोटर साइकिल सवार युवक की सड़क दुर्घटना में दर्दनाक दुर्घटना से मौत हो गई।अपाची जेएच01सीआर 3662 मोटरसाइकिल में सवार युवक सड़क के किनारे लगे साइन बोर्ड को जोरदार टक्कर मारने एक उसकी दर्दनाक मौत हो गयी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि युवक के माथे व अन्य भाग में आंतरिक चोटें आई जिससे अत्यधिक रक्तस्राव हो गया। मृतक बाइक सवार युवक की पहचान डोड़मा चंद्रपुर का निवासी 22 वर्षीय अनीस हेमरोम के रुप में हुई। अनीश दोस्त प्रेम होरो के अपाची बाइक से तोरपा कोटेंगसेरा से मरचा की तरफ जा रहा था। लोगों के अनुसार, अनीश लापरवाही के

साथ तेजगति अपाचे चलाते हुए जा रहा था। इस जबरदस्त घटना की जानकारी राहगीरों ने तोरपा पुलिस को दिया। इसके बाद पुलिस घटना स्थल पहुँची और शव को सदर अस्पताल खूँटी भेजकर अन्त्यपरीक्षण कराया गया और परिजनों को सौंप दिया गया। अनीश के परिजनों के द्वारा बताया गया कि मृतक अनीस हेमरोम इकलौता बेटा था। घटना के बाद परिजनों का रो रोकर बुरा हाल रहा वहीं गाँव में मातम छा गया है।

खूँटी पुलिस महकमे में फेरबदल, कई अधिकारियों को मिली नई जिम्मेदारी

सपना सुलेखा बनी महिला थाना प्रभारी व मोहन कुमार तोरपा पुलिस अंचल पदाधिकारी

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा पुलिसिंग व्यवस्था को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ने पुलिस पदाधिकारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव करते हुए नई जिम्मेदारियां सौंपी हैं। इस संबंध में रविवार को आदेश जारी किया गया।

जारी आदेश के अनुसार, खूंटी थाना प्रभारी फूलमनी टोप्पो का स्थानांतरण कर उन्हें पुलिस लाइन भेज दिया गया है। वहीं सपना सुलेखा को खूँटी महिला थाना का नया प्रभारी नियुक्त किया गया है। इसके अलावा पुलिस लाइन में पदस्थापित मोहन कुमार को तोरपा अंचल का प्रभारी बनाया गया है।

आदेश के तहत अशोक कुमार को अतिरिक्त दायित्व सौंपते हुए मारंगहादा अंचल का प्रभारी भी नियुक्त किया गया है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि यह प्रशासनिक फेरबदल अपराध नियंत्रण, त्वरित कार्रवाई तथा आम जनता को बेहतर पुलिस सेवा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया गया है।

पुलिस विभाग के इस निर्णय को जिले में कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। नई जिम्मेदारियां मिलने के बाद संबंधित पदाधिकारियों ने अपने-अपने कार्यभार का निर्वहन शुरू कर दिया है।

रक्तदान शिविर का आयोजन आज

बिभा संवाददाता

चाईबासा : पश्चिमी सिंहभूम जिला प्रशासन द्वारा राज्य के मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में संचालित प्रोजेक्ट जागृति - बेहतर स्वास्थ्य की ओर एक कदम के अंतर्गत जिले में सुरक्षित एवं पर्याप्त रक्त उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा रक्तदान के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आगामी 08 जून 2026 को जिले के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिला प्रशासन के तत्त्वावधान में आयोजित इस विशेष पहल का उद्देश्य जिले को रक्त की उपलब्धता के दृष्टिकोण से सुदृढ़ बनाना तथा जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना है। रक्तदान शिविर का आयोजन जिले के कुल 06 स्थानों पर किया जाएगा, जिनमें चाईबासा सदर अस्पताल स्थित एमटीसी, अनुमंडल अस्पताल- चक्रधरपुर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तांतनगर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झींकपानी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र टोंटो एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मंझारी शामिल हैं। जिला प्रशासन द्वारा आम नागरिकों, युवाओं, स्वयंसेवी संगठनों, सामाजिक संस्थाओं तथा विभिन्न समूहों से अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान शिविर में भाग लेने की अपील की गई है। रक्तदान को महादान बताते हुए कहा गया कि एक यूनिट रक्त किसी व्यक्ति के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। जिला प्रशासन का प्रयास है कि जिले में रक्त की आवश्यकता वाले मरीजों को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े तथा समाज में स्वैच्छिक रक्तदान की सकारात्मक संस्कृति को बढ़ावा मिले। इसके लिए विभिन्न स्तरों पर जागरूकता गतिविधियों का भी संचालन किया जा रहा है। सभी इच्छुक नागरिकों से निर्धारित स्थलों पर पहुंचकर स्वैच्छिक रक्तदान कर इस जनहितकारी अभियान में सहभागी बनने की अपील की गई है।

प्रोजेक्ट परिवर्तन हुनर से पहचान अंतर्गत मंडल कारा-चाईबासा में बंदियों के लिए डिजिटल साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बिभा संवाददाता

चाईबासा : पश्चिमी सिंहभूम जिला प्रशासन के तत्त्वावधान में प्रोजेक्ट परिवर्तन- हुनर से पहचान के अंतर्गत मंडल कारा, चाईबासा में बंदियों के कौशल विकास एवं सामाजिक पुनर्वास के उद्देश्य से डिजिटल साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के प्रथम चरण में मंडल कारा के 10 बंदियों को डिजिटल रूप से साक्षर बनाने की पहल की गई। कार्यक्रम के दौरान बंदियों को डिजिटल तकनीक के महत्व एवं वर्तमान समय में इसकी उपयोगिता से अवगत कराया गया। उन्हें कंप्यूटर एवं मोबाइल उपकरणों के आधारभूत संचालन, इनके सुरक्षित उपयोग तथा दैनिक

जीवन में तकनीक के प्रभावी उपयोग के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। साथ ही डिजिटल उपकरणों के उपयोग के दौरान आवश्यक सावधानियों एवं साइबर सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण पहलुओं पर भी विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान बंदियों को इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग, ऑनलाइन सेवाओं तक पहुंच, डिजिटल माध्यमों के लाभ एवं साइबर धोखाधड़ी के विभिन्न तरीकों की जानकारी देते हुए उनसे बचाव के उपायों पर भी जागरूक किया गया। प्रशिक्षकों द्वारा बताया गया कि अनजान लिंक, फर्जी कॉल, ओटीपी साझा करने अथवा भ्रामक संदेशों के माध्यम से होने वाली ऑनलाइन धोखाधड़ी से किस प्रकार सावधानी बरती जा सकती है।

इस अवसर पर उपायुक्त श्री मनीष कुमार ने कहा कि वर्तमान समय डिजिटल युग का है और समाज के प्रत्येक वर्ग तक तकनीक की पहुंच सुनिश्चित करना आवश्यक है। कारा में निरुद्ध बंदियों को केवल सुधारात्मक वातावरण ही नहीं बल्कि उन्हें भविष्य के लिए सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी कार्य किया जाना चाहिए। डिजिटल साक्षरता उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने, नई संभावनाओं से परिचित कराने तथा रिहाई के उपरांत जीवन को बेहतर तरीके से आगे बढ़ाने में सहायक होगी। जिला प्रशासन बंदियों के कौशल विकास एवं पुनर्वास को प्राथमिकता देते हुए विभिन्न सकारात्मक पहल संचालित कर रहा है।

जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी सुश्री अपर्णा कुमारी ने कहा कि डिजिटल साक्षरता आज के समय की मूलभूत आवश्यकता बन चुकी है। डिजिटल माध्यमों का उपयोग जहां नागरिकों के लिए सुविधाएं बढ़ा रहा है, वहीं साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक होना भी उतना ही आवश्यक है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से बंदियों को तकनीक के सुरक्षित एवं प्रभावी उपयोग के साथ-साथ ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के संबंध में भी जानकारी दी जा रही है, जिससे वे भविष्य में डिजिटल सेवाओं का बेहतर उपयोग कर सकें।

जिला प्रशासन द्वारा यह पहल बंदियों को आधुनिक तकनीकी ज्ञान से जोड़ने एवं उनके पुनर्वास की प्रक्रिया को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम का उद्देश्य बंदियों को डिजिटल रूप से सक्षम बनाकर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना तथा भविष्य में आत्मनिर्भर जीवन के लिए तैयार करना है। उल्लेखनीय है कि यह डिजिटल साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम प्रत्येक रविवार को नियमित रूप से संचालित किया जा रहा है, ताकि चरणबद्ध तरीके से मंडल कारा के सभी बंदियों को डिजिटल साक्षर बनाया जा सके तथा वे अपने दैनिक जीवन में कंप्यूटर, मोबाइल एवं इंटरनेट का सरल, सुरक्षित एवं प्रभावी उपयोग कर सकें।

केंद्र ने झारखंड के महिला किसान उत्पादक समूह के 1.5 मीट्रिक टन आम्रपाली आम यूके भेजे

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने झारखंड के सिमडेगा जिले में महिलाओं द्वारा संचालित किसान उत्पादक कंपनी (एफपीसी) के आम्रपाली आमों की पहली वाणिज्यिक खेप यूनाइटेड किंगडम (यूके) भेजी है।
केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) की पहल से 1.5 मीट्रिक टन आम्रपाली आम लंदन निर्यात किए गए हैं, जिससे महिला किसानों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच मिली है। आमों की इस पहली खेप को 04 जून को कोलकाता से रवाना किया गया। खेप में शामिल आम सिमडेगा जिले के बानो प्रखंड स्थित महिलाओं द्वारा संचालित बेउरा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड से लिये गए।
मंत्रालय ने बताया कि एपीडा ने 05 मई को सिमडेगा जिले के किसान उत्पादक संगठनों, किसान उत्पादक कंपनियों और प्रगतिशील किसानों के लिए निर्यात उन्मुख क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया था। इसमें निर्यात मानकों, गुणवत्ता आवश्यकताओं और वैश्विक बाजार की संभावनाओं की जानकारी दी गई थी। इसके बाद एपीडा ने बेउरा एफपीसी और निर्यातक कंपनी के बीच संपर्क स्थापित कर निर्यात गुणवत्ता वाले आमों की खरीद सुनिश्चित कराई।
इससे किसान उत्पादक कंपनी सीधे निर्यात मूल्य श्रृंखला का हिस्सा बनी है। इससे जुड़े किसानों को घरेलू बाजार की तुलना में बेहतर मूल्य प्राप्त हुआ है। मंत्रालय के अनुसार, यह कदम क्षेत्र में गुणवत्ता आधारित उत्पादन, बेहतर फसलोत्तर प्रबंधन और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुपालन को बढ़ावा देगा।
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर इसे लोकल गोज ग्लोबल का सशक्त उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि झारखंड के सिमडेगा की महिला किसान उत्पादक कंपनी द्वारा उगाए गए आम्रपाली आम अब यूनाइटेड किंगडम पहुंचने वाले हैं। एपीडा के निरंतर प्रयासों से किसानों को बेहतर मूल्य, महिलाओं को नई पहचान और भारत के कृषि निर्यात को नई गति मिल रही है।
मंत्रालय के अनुसार, झारखंड की कृषि-जलवायु परिस्थितियां बागवानी फसलों के लिए अनुकूल हैं। राज्य में उत्पादित आम्रपाली आम अपनी गुणवत्ता और बाजार स्वीकार्यता के लिए जाने जाते हैं। इस खेप के साथ झारखंड भी उन राज्यों की सूची में शामिल हो गया है, जहां से ताजे फल अंतरराष्ट्रीय बाजारों में निर्यात किए जा रहे हैं।
एपीडा कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए बाजार विकास, क्षमता निर्माण, गुणवत्ता सुधार, ट्रेसबिलिटी प्रणाली और निर्यात प्रोत्साहन गतिविधियों के माध्यम से सहायता प्रदान करता है। साथ ही महिला और जनजातीय किसान समूहों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

महर्षि मेंही आश्रम शबरी कुटिया शांतिपुरी में दो दिवसीय सत्संग कार्यक्रम समाप्त

भक्ति मार्ग से ही मानव जीवन में कल्याण मिल सकता है : स्वामी प्रमोद

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के मुरहू प्रखण्ड अंतर्गत महर्षि मेंही आश्रम शबरी कुटिया शांतिपुरी में दो दिवसीय सत्संग कार्यक्रम के अंतिम दिन रविवार को समापन हो गया। इस सत्संग कार्यक्रम में अनेक गाँवों से लोग पहुँचे थे। मौके पर उपस्थित जनों को स्वामी प्रमोद जी महाराज ने मार्गदर्शित करते हुए कहा कि दुनिया में सभी सुख-शांति चाहते हैं, लेकिन मूल बातें नहीं समझने के कारण दुःखी रहते हैं। शास्त्रों में कहा गया है कि सद्गुरु के वचनों पर विश्वास करके उनके द्वारा बताए मार्ग पर चलकर भक्ति करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि परमात्मा परम-पिता हैं, बिना उनके भक्ति के शांति नहीं मिलती है, गुरु की सेवा करने से सभी देवी-देवताओं की सेवा हो जाती है, जैसे वृक्ष के जड़ में पानी डालने से सभी पत्तों तक पहुंच जाता है। उन्होंने भगवान बुद्ध और भक्त ध्रुव का उदाहरण देते हुए भक्ति के मार्ग को सरलतम ढ़ंग से समझाया। उन्होंने कहा कि सत्संग ईश्वर की कृपा से ही मिलता है। सोना को जंग नहीं लगता,लोहे को घून नहीं लगता,उसी प्रकार गुरु की चेताई आत्मा कभी नर्क या दुःख नहीं पाती है। स्वामी डा निर्मलानंदजी महाराज ने कहा कि जिसके जीवन में गुरु नहीं,उसका जीवन शुरू नहीं। परमात्मा मेहंदी में लाली,दूध में घी और फूलों में सुगंध की तरह व्याप्त हैं, इन्हें भक्ति मार्ग से प्राप्त किया जा सकता है। स्वामी लक्ष्मण जी महाराज ने कहा कि संत के मन में दयाभाव रहता है,उनकी वाणी अकाट्य होती है। भक्ति का सही मार्ग बताते हैं। स्वामी नरेंद्रानंद जी महाराज ने कहा कि सत्संग हमारे अंदर की बुराइयों को समाप्त कर देता है, सत्संगी निंदा - शिकायत की परवाह नहीं करते हैं,बस हाथी की तरह अपने राह चलते हैं। स्वामी सत्यानंद बाबा ने कहा कि पृथ्वी के नीचे जल है पर जहां तहां खोदने से नहीं, एक ही जगह खोदते रहने से मिलता है,उसी तरह भक्ति मनोयोग पूर्वक करनी चाहिए। स्वामी अखिलेश बाबा, स्वामी राजेन्द्र बाबा, स्वामी लाहिरी बाबा, मुरली धर बाबा,दिगंबर बाबा,सोमनाथ ब्रह्मचारी, बिरसा ब्रह्मचारी ने भी ईश्वर प्राप्ति और खुशहाल जीवन के लिए गुरु भक्ति को सर्वश्रेष्ठ बताया। मौके पर जगन्नाथ मुंडा, ध्रुवेन्द्र भास्कर, कांडे मुंडा, मुटरु मुंडा, सुनील रजक, गोला मुंडा, संजय सत्संगी, सगुन दास, बीरु कुमार, गणपति ठाकुर, सुबोध कुमार, हरि साव, डॉ धर्मेंद्र नाथ तिवारी, धर्मेंद्र ठाकुर, सुरेश पंडित, डॉ रमेश वर्मा, डॉ महेंद्र प्रसाद, सूरजमल प्रसाद, सूरजलाल, राजकुमार, दिलीप सिंह, उपेन्द्र नाथ गोप, संतोष गुप्ता सोनामुनी देवी, सुलेखा कुमारी, गांगी देवी सहित सैकड़ों लोग शामिल हुए।

संक्षिप्त खबरें

मंडल रेल प्रबंधक के नेतृत्व में संडे ऑन सईकिल का आयोजन

प्रयागराज(बिभा)। फिट इंडिया अभियान के अंतर्गत स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रयागराज मंडल में संडे ऑन साइकिलकार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंडल रेल प्रबंधक/प्रयागराज, श्री रजनीश अग्रवाल के नेतृत्व में मंडल कार्यालय, प्रयागराज से केंद्रीय चिकित्सालय, उत्तर मध्य रेलवे तक एक विशेष साइकिल रैली निकाली गई। यह रैली फिटनेस की डोज, आधा घंटा रोज संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मंडल रेल प्रबंधक, श्री रजनीश अग्रवाल ने कहा कि स्वास्थ्य जीवन की सबसे मूल्यवान संपत्ति है और नियमित व्यायाम स्वस्थ एवं सक्रिय जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि साइकिल चलाना न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। यह एक सरल, सुलभ और पर्यावरण-अनुकूल माध्यम है, जिसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। रैली में शामिल प्रतिभागियों ने स्वस्थ शरीर, स्वस्थ भारत का संदेश देते हुए फिटनेस के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर यह भी बताया गया कि ऐसे आयोजन लोगों को नियमित व्यायाम के लिए प्रेरित करने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण एवं सामुदायिक सहभागिता को भी प्रोत्साहित करते हैं। श्री अग्रवाल ने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिजनों से फिट इंडिया अभियान को जन-आंदोलन बनाने में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जा सकता है, बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक एवं मंडल खेल अधिकारी, श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह तथा भारत स्काउट एवं गाइड के सदस्य सहित अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

रेलवे ने कांस्टेबल भर्ती परीक्षा के लिए की विशेष व्यवस्थाएं

प्रयागराज(बिभा)। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड (यूपीपीआरपीबी) द्वारा 08, 09 एवं 10 जून को आयोजित कांस्टेबल भर्ती परीक्षा-2026 के दौरान परीक्षार्थियों की संभावित भीड़ को ध्यान में रखते हुए प्रयागराज मंडल ने व्यापक एवं विशेष व्यवस्थाएं की हैं। इसके लिए मंडल कार्यालय स्थित वार रूम में अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। परीक्षार्थियों एवं अन्य यात्रियों को सुरक्षित, सुगम एवं सुविधाजनक यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए आवश्यकता पड़ने पर परीक्षा विशेष ट्रेनों का संचालन भी किया जाएगा। यह जानकारी जनसम्पर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने रविवार को दी। उन्होंने बताया कि प्रयागराज मंडल द्वारा परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए प्रयागराज जंक्शन, कानपुर सेंट्रल, अलीगढ़ जंक्शन, इटावा तथा मिजार्पुर स्टेशनों पर अतिरिक्त रेक उपलब्ध कराए गए हैं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर तत्काल विशेष ट्रेनों का संचालन सुनिश्चित किया जा सके। इसके अतिरिक्त परीक्षा अवधि के दौरान प्रमुख स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन, टिकट व्यवस्था, सुरक्षा एवं यात्री सुविधाओं के लिए विशेष कार्ययोजना लागू की गई है। उन्होंने बताया कि मंडल प्रशासन द्वारा प्रयागराज जंक्शन, कानपुर सेंट्रल, अलीगढ़ जंक्शन, टूंडला एवं मिजार्पुर सहित प्रमुख स्टेशनों पर कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। परीक्षार्थियों की सहायता के लिए स्टेशन परिसरों के गतिविधियों की सतत निगरानी सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से की जाएगी। स्टेशनों पर टिकट काउंटरों पर पर्याप्त कर्मचारियों की तैनाती, पूछताछ काउंटरों की समुचित व्यवस्था, उद्घोषणा प्रणाली को सक्रिय रखने तथा आरपीएफ एवं जीआरपी की अतिरिक्त तैनाती सुनिश्चित की गई है। साथ ही प्लेटफार्मों पर परीक्षार्थियों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने के लिए रेलवे कर्मचारियों को विशेष निर्देश जारी किए गए हैं। पीआरओ ने आगे बताया कि इसके अतिरिक्त परीक्षार्थियों की यात्रा सुविधा को और अधिक सुगम बनाने के उद्देश्य से आवश्यकता पड़ने पर कुछ नियमित ट्रेनों का विस्तार (एक्सटेंशन), मार्ग में अतिरिक्त ठहराव तथा उनके संचालन समय में परिवर्तन भी किया जा सकता है, जिससे अधिकाधिक परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्रों तक पहुँचने एवं वापसी यात्रा में सुविधा प्राप्त हो सके। रेलवे प्रशासन परिस्थितियों एवं यात्री मांग के अनुसार आवश्यक परिचालनिक निर्णय लेते हुए यात्रियों के हित में समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करेगा। प्रयागराज मंडल सभी परीक्षार्थियों से अपील करता है कि वे समय से स्टेशन पहुंचें, वैध टिकट लेकर यात्रा करें।

कछुआ पाँच पड़हा व्यवस्था व रूढ़िवादी व्यवस्था को संरक्षित रखने को लेकर डुफू में बैठक

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के कर्रा प्रखंड अंतर्गत डुफू गाँव में रविवार को कछुआ पाँच पड़हा व्यवस्था व रूढ़िवादी व्यवस्था को संरक्षित रखने के लिए पाँच गाँव के लोगों की सामुहिक बैठक कछुआ पाँच पड़हा राजा धोचा पाहन के पुत्र सोमरा पाहन की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में पाँचों गांव लोटा, गड़के, कोने, डुफू और तुनेल के पदाधिकारी के साथ ही साथ पाँचों गाँव के सैकड़ों ग्रामीण महिला-पुरुष उपस्थित रहे। छोटानागपुर के जनजातीय समुदाय की पड़हा व्यवस्था व रूढ़िवादी व्यवस्था को सुव्यवस्थित तरीके से चलाने और जनजातियों की इस ऐतिहासिक व्यवस्था को संरक्षित रखते हुए इसे क्षेत्र में निवास करने वाले सभी समुदाय के लोगों की रक्षा, स्वशासन, रूढ़िवादी व्यवस्था को कायम रखते हुए समाज को आगे लेकर चलने की विषयों पर चर्चा परिचर्चा किया गया। इस पांच पड़हा की बैठक सिलसिलेवार तरीके प्रत्येक मौजा में प्रत्येक महीना बैठक करने का निर्णय हुआ है और यह सिलसिला लगातार जारी है. चूंकि यह आदिवासी समुदाय की पड़हा व्यवस्था शदियों से जब देश में सरकार नाम की कोई चीज नहीं थी। तब से जनजातीय पड़हा व्यवस्था, स्वशासन और रूढ़ि व्यवस्था चली आ रही है। इसलिए इस बैठक के माध्यम से लोगों को जागरूक करते हुए अपनी संस्कृति और परम्पराओं को कैसे संरक्षित किया जाय और हक-अधिकारों को अपने प्राप्त करेंगे। शादी विवाह में डीजे बाजा पर अंकुश, एक गोत्र में ढूकु शादी पर अंकुश, नशापान पर रोक लगाने, प्रत्येक परिवार को पड़हा व्यवस्था के लिए माह में एक बार एक रूपया सहयोग राशि देने, युवा - युवतियों को संगठित करने बात कहीं गयी।
बैठक में कछुआ पाँच पड़हा व्यवस्था को चलाने के लिए नव नियुक्त पदाधिकारियों का माला पहनाकर व पुष्प गुच्छ भेंट करके स्वागत किया गया।
बैठक में उपाध्यक्ष सुशील पाहन, सुनीता धान, एतवा मुंडा, मंगल पाहन, सचिव पंहरीश मुंडा, सह सचिव शांति होरो, कोषाध्यक्ष सुषमा मिंज, सह कोषाध्यक्ष लीली आईन्द राजन मुंडा, जयमंगल मुंडा, अजय खलखो, राजेन्द्र मुंडा, चैतन मुंडा, मनोज होरो, सुरेन्द्र भेंगरा, महादेव भेंगरा, राजेश मुंडा, आनंदीप मुंडा, बिरसा मुंडा, के अलावे सैकड़ों महिला पुरुष उपस्थित थे।

एशिया कप में चमके खूँटी के सितारे, स्वर्ण और कांस्य पदक विजेताओं को अर्जुन मुंडा ने दी बधाई

बिभा संवाददाता

खूँटी। जापान में आयोजित अंडर-18 एशिया कप हॉकी प्रतियोगिता में भारतीय टीमों के शानदार प्रदर्शन पर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं खूँटी के पूर्व सांसद अर्जुन मुण्डा ने जिले के खिलाड़ियों को बधाई और शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की इस उपलब्धि ने न केवल खूँटी और झारखंड, बल्कि पूरे देश का गौरव बढ़ाया है।
भारतीय अंडर-18 पुरुष हॉकी टीम ने फाइनल मुकाबले में मेजबान जापान को 4-1 से पराजित कर एशिया कप का खिताब अपने नाम किया। विजेता भारतीय टीम में खूँटी जिले के मुरहू प्रखंड निवासी आशीष तानी पूर्ति और प्रेमचंद सोय शामिल रहे। दोनों खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक जीतकर जिले का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया।
वहीं भारतीय अंडर-18 महिला हॉकी टीम ने कांस्य पदक मुकाबले में द. कोरिया को 3-0 से हराकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। टीम में शामिल तोरपा की नीलम तोपनो, मुरहू की श्रुति कुमारी और खूँटी की सुगन सांगा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले को गौरवान्वित किया।
अर्जुन मुंडा ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि अंडर-18 एशिया कप 2026 में भारतीय हॉकी टीमों की सफलता देश में हॉकी के प्रति बढ़ते उत्साह, युवाओं की प्रतिभा और उनके अथक परिश्रम का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक उपलब्धि प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है।
उन्होंने सभी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि आने वाले वर्षों में भी वे देश के लिए इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर भारत का नाम विश्व पटल पर ऊँचा करते रहें। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से पूरे खूँटी जिले में खुशी का माहौल है और खेल प्रेमियों में उत्साह देखा जा रहा है।

ऑपरेशन अमानत के तहत आरपीएफ ने खोया हुआ सामान बरामद कर यात्रियों को सौंपा

बिहान भारत

आसनसोल: आसनसोल मंडल के रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) कर्मियों ने 06 जून 2026 को ऑपरेशन अमानत के अंतर्गत चार अलग-अलग मामलों में यात्रियों के खोए अथवा छूटे हुए सामान को बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को सौंपा। ये बरामदगियां रेल मदद पर प्राप्त शिकायतों तथा यात्रियों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचनाओं के आधार पर की गईं। स्वामित्व का सत्यापन एवं निर्धारित औपचारिकताएं पूर्ण करने के उपरांत बरामद वस्तुओं को उनके वास्तविक स्वामियों के सुपुर्द किया गया।
एक मामले में, आरपीएफ चित्तरंजन ने ट्रेन संख्या 15236 से यात्रा कर रहे एक यात्री द्वारा छोड़ा गया काले रंग का बैग बरामद किया। बैग में कपड़े एवं दवाइयां थीं, जिनका अनुमानित मूल्य लगभग ?1,000 था। सत्यापन उपरांत उक्त सामान उसके वास्तविक स्वामी को सौंप दिया गया।
एक अन्य मामले में, आरपीएफ आसनसोल पश्चिम ने व्यक्तिगत दस्तावेजों एवं पुस्तकों से युक्त एक छूटा हुआ बैग बरामद किया, जिसका अनुमानित मूल्य लगभग ?6,000 था। आवश्यक सत्यापन एवं दस्तावेजीकरण की प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात बैग उसके वास्तविक स्वामी को वापस कर दिया गया।
आरपीएफ सिउड़ी ने ट्रेन संख्या 63530 में छूटे हुए एक बैग के संबंध में प्राप्त शिकायत पर त्वरित कार्रवाई की। ड्यूटी पर तैनात रेलकर्मियों के साथ समन्वय स्थापित कर बैग का पता लगाया गया तथा उसे दुबराजपुर स्टेशन पर बरामद किया गया। लगभग ?2,000 मूल्य के इस बैग एवं उसमें रखी सामग्री को सत्यापन के उपरांत उसके वास्तविक स्वामी को सौंप दिया गया।
एक पृथक मामले में, आरपीएफ आसनसोल पश्चिम ने एक यात्री द्वारा छोड़ा गया मोबाइल चार्जर एडॉप्टर बरामद किया। लगभग ?2,500 मूल्य की इस वस्तु को स्वामित्व स्थापित होने के पश्चात उसके वास्तविक स्वामी को वापस कर दिया गया।
ऑपरेशन अमानत रेलवे सुरक्षा बल द्वारा संचालित एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसके अंतर्गत रेलवे परिसरों एवं ट्रेनों में प्राप्त यात्रियों के खोए अथवा छूटे हुए सामान की बरामदगी कर उन्हें उनके वास्तविक स्वामियों तक पहुंचाया जाता है। उपर्युक्त मामलों में कुल लगभग ?11,500 मूल्य की संपत्ति उसके वास्तविक स्वामियों को वापस सौंपी गई।
आसनसोल मंडल यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा एवं सहायता को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करता है तथा आरपीएफ कर्मियों द्वारा त्वरित एवं समन्वित कार्रवाई के माध्यम से यात्री सेवाओं को सुदृढ़ बनाया जा रहा है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे यात्रा के दौरान अपने सामान के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी वस्तु के खोने अथवा छूट जाने की स्थिति में तत्काल रेल मदद, सुरक्षा हेल्पलाइन 139 अथवा निकटतम आरपीएफ पोस्ट से संपर्क करें, ताकि समयबद्ध सहायता एवं बरामदगी सुनिश्चित की जा सके।

कोयले की धूल से स्वच्छ सुविधा की ओर: नया मदनपुर स्टेशन अत्याधुनिक माल ढुलाई सुविधा के साथ दुमकावासियों को राहत देने के लिए तैयार

बिहान भारत

कोलकाता: पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक श्री मिलिंद देऊस्कर के गतिशील नेतृत्व में दुमका के निकट एक महत्वपूर्ण आधारभूत संरचना परिवर्तन कार्य प्रगति पर है। पूर्व रेलवे वर्तमान न्यू मदनपुर हॉल्ट को एक पूर्ण विकसित, आधुनिक ब्लॉक स्टेशन में उन्नत कर रहा है, जिसमें समग्र माल गोदाम (गुड्स शेड) सुविधाएं उपलब्ध होंगी। यह रणनीतिक कदम क्षेत्र की लॉजिस्टिक व्यवस्था को पूरी तरह बदलने के साथ-साथ स्थानीय निवासियों को राहत प्रदान करेगा तथा उच्च क्षमता वाले आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा।
वर्तमान में सामान्य माल एवं भारी मात्रा में कोयले की लोडिंग-अनलोडिंग सहित सभी प्रमुख माल ढुलाई गतिविधियां दुमका स्टेशन पर ही केंद्रित हैं। मौजूदा माल गोदाम प्रतिदिन अत्यधिक भार संभालता है, जहां औसतन 3 से 4 कोयला रेकों के साथ-साथ पत्थर, बालू और खाद्यान्न से भरी एक अतिरिक्त रेक का भी प्रबंधन किया जाता है। इसके कारण आम लोगों को लगातार कोयले की धूल, स्टेशन तक आने-जाने वाली सड़कों पर भारी ट्रकों की भीड़ तथा निरंतर शोर जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।
कोयले की लोडिंग बढ़कर प्रतिदिन 6 रेक तक पहुंचने की संभावना को देखते हुए तथा जनता से प्राप्त अनेक अभ्यावेदनों पर विचार करते हुए, पूर्व रेलवे ने एक स्थायी समाधान प्रस्तुत किया है। भारी कोयला माल ढुलाई कार्यों को न्यू मदनपुर स्टेशन में स्थानांतरित किया जा रहा है, जो दुमका से 4.20 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है तथा दुमकाझबासुकीनाथ और दुमकाझबारापलासी खंडों के बीच पड़ता है। इस कदम से स्थानीय नागरिकों के दैनिक जीवन में उल्लेखनीय सुधार आएगा।
इस स्थानांतरण के बाद दुमका के परिवारों और दैनिक यात्रियों को कोयले की धूल से मुक्त, स्वच्छ और बेहतर वायु गुणवत्ता वाला वातावरण मिलेगा। साथ ही, भारी ट्रक अब शहर के केंद्र से होकर नहीं गुजरेंगे, बल्कि सीधे न्यू मदनपुर जाएंगे, जिससे शहर की सड़कों पर यातायात जाम में कमी आएगी। नई व्यवस्था जसीडीह और भागलपुर की दिशा में यात्रा करने वाले यात्रियों की आवश्यकताओं को भी बिना किसी व्यवधान के पूरा करेगी।
स्थानीय स्तर पर राहत प्रदान करने के अलावा, यह नया समर्पित रेलहेड क्षेत्र की कैप्टिव कोयला खदानों से भविष्य में होने वाली विशाल कोयला निकासी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उपयुक्त रेक लोडिंग पॉइंट की तत्काल आवश्यकता भी पूरी करेगा। यह परियोजना व्यावसायिक कोयला यातायात में अनुमानित वृद्धि को सहजता से संभालेगी तथा उत्तर प्रदेश के विद्युत गृहों को ईंधन आपूर्ति के लिए कार्यरत दो प्रमुख विद्युत उत्पादन संस्थाओं की लॉजिस्टिक आवश्यकताओं को भी पूरा करेगी।
विशेष रूप से, यह परियोजना सहारपुरझजमारपानी कोयला ब्लॉक (क्षमता 5.38 एमटीपीए) का समर्थन करेगी, जिसका संचालन उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (वढफश्वठछ) द्वारा उत्तर प्रदेश स्थित जवाहर पावर प्लांट के लिए किया जाता है। इसके अतिरिक्त, यह राजमहल कोयला क्षेत्र के पचवारा साउथ ब्लॉक (क्षमता 9 एमटीपीए) की आवश्यकताओं को भी पूरा करेगी, जिसका संचालन नेवेली लिग्नाइट कॉर्पोरेशन (ठछउ) द्वारा घाटमपुर पावर प्लांट के लिए किया जाता है। यह विद्युत संयंत्र उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड और नेवेली लिग्नाइट कॉर्पोरेशन का संयुक्त उपक्रम है।
इस परियोजना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शिबराम माझि ने कहा कि पूर्व रेलवे औद्योगिक विकास और जनकल्याण के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। न्यू मदनपुर को एक पूर्ण माल ढुलाई स्टेशन के रूप में विकसित करने से एक साथ दो उद्देश्यों की पूर्ति होगी—एक ओर विद्युत क्षेत्र को आवश्यक लॉजिस्टिक सहायता मिलेगी, वहीं दूसरी ओर दुमका के लोगों को अधिक स्वच्छ, शांत और सुविधाजनक स्टेशन वातावरण का उपहार मिलेगा।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली ।**
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com